सांध्यकालीन दैनिक

पोस्ट रजि. नं. बीकानेर/159/2019-2021

आर.एन.आई.रजि 62126/95

राजस्थानी चिराग

वैद्य मघाराम कॉलोनी, बीकानेर (राजस्थान)
फोन नं. 0151-2210077
9460453170, 6376222141
शाखा कार्यालय
78/51, मानसरोवर जयपुर (राजस्थान)

वर्ष 23, अंक 275, बीकानेर, वार मंगलवार दिनांक :- 29 जून 2021 प्रधान सम्पादक : मोहन शर्मा, मूल्य : रूपया, पृष्ठ-8 समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र बीकानेर होगा

प्रवासी मजदूरों पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

कहा- सभी राज्य 31 जुलाई तक वन नेशन, वन राशन लागू करें

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 31 जुलाई तक 'एक देश, एक राशन कार्ड योजना' लागू करने का मंगलवार को निर्देश दिया जबकि केंद्र को कोविड-19 की स्थिति जारी रहने तक प्रवासी मजदूरों को निःशुल्क वितरण के लिए सूखा राशन उपलब्ध कराने को कहा। न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने तीन कार्यकर्ताओं की याचिका पर कई निर्देश पारित किए जिसमें केंद्रों और राज्यों को प्रवासी मजदूरों के लिए खाद्य सुरक्षा, नकदी हस्तांतरण और अन्य कल्याणकारी उपाय सुनिश्चित करने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। याचिका में कहा गया कि प्रवासी मजदूर कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में कर्फ्यू और लॉकडाउन लगाए जाने के कारण संकट का सामना कर रहे हैं। पीठ ने केंद्र को 31 जुलाई तक असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के पंजीकरण के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) की मदद से एक पोर्टल विकसित करने को कहा ताकि कल्याण योजनाओं का लाभ उन्हें दिया जा सके। इसने राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों को संबंधित राज्यों में वैश्विक महामारी की स्थिति जारी रहने तक प्रवासी मजदूरों के लिए सामुदायिक रसोईघरों का संचालन करने का भी निर्देश दिया। पीठ ने महामारी की स्थिति बनी रहने तक प्रवासी मजदूरों के बीच मुफ्त वितरित करने के लिए केंद्र को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अनाज आवंटित करते रहने को कहा। कार्यकर्ता अंजली भारद्वाज, हर्ष मंदर और जगदीप छोकर ने प्रवासी मजदूरों के लिए कल्याणकारी उपायों को लागू करने के अनुरोध के साथ एक याचिका दायर की थी। 1

एम्स की स्टडी- कोरोना के सबसे ज्यादा शिकार हुए 50 से कम उम्र वाले लोग

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ने अपनी एक नई स्टडी में कहा कि कोरोना से जान गंवाने वालों में 50 साल से कम उम्र के लोगों की संख्या ज्यादा है बजाए 65 साल से ज्यादा उम्र वालों के। एम्स के इस अध्ययन को डायरेक्टर रणदीप गुलेरिया, एम्स ट्रामा सेंटर के चीफ डॉक्टर राकेश मल्होत्रा और अन्य मेडिकल एक्सपर्ट्स ने तैयार किया है। इंडियन जर्नल ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसीन में प्रकाशित इस लेख में बालिग मरीजों की कोरोना के चलते हुई मौत का विश्लेषण किया गया। अध्ययन के लिए 4 अप्रैल से 24 जुलाई 2021 की अवधि का विश्लेषण किया गया है। इस अध्ययन में शामिल मरीज देश के डेडिकेटेड कोविड सेंटर्स में भर्ती थे। लेख में बताया गया कि अध्ययन की अवधि के दौरान 654 मरीज आईसीयू में भर्ती थे, इनमें से 247 की मौत हो गई। इस तरह कुल मृत्यु दर 37.7 फीसदी रही। अध्ययन में मरीजों को अलग-अलग उम्र वर्ग, 18 से 50, 51 से 65 और 65 से ऊपर में बांटा गया।

जम्मू ड्रोन हमला : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को दी जाएगी विस्तृत जानकारी

तीन दिनों बाद लद्दाख से आए हैं वापस

एजेंसी

नई दिल्ली। लद्दाख के तीन दिवसीय दौरे से वापस लौटने के तुरंत बाद ही मंगलवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को रविवार को जम्मू कश्मीर में हुए ड्रोन हमले के बारे में विस्तार से प्रेजेंटेशन दिया जाएगा। भारतीय वायु सेना के शीर्ष अधिकारियों व अन्य रक्षा अधिकारियों की एक टीम आज रक्षा मंत्री के समक्ष प्रेजेंटेशन देगी। यह जानकारी रक्षा सूत्रों की ओर से न्यूज एजेंसी एएनआइ को दी गई। रक्षा मंत्री को यह भी जानकारी दी जाएगी कि इन दिनों अचानक जम्मू में ड्रोन दिखने के मामले बढ़ गए हैं। इस दौरान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत, आर्मी चीफ जनरल मनोज मुकुंद नरवणे व वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया भी मौजूद रहेंगे। जम्मू एयरफोर्स एयरपोर्ट पर रविवार तड़के हुए ड्रोन हमले मामले में आशंका है कि इस हमले में पाकिस्तान ने आतंकियों की मदद की है। बता दें कि इस हमले में छोटे ड्रोन का इस्तेमाल किया गया है जिसकी रेंज चार से पांच किलोमीटर से ज्यादा नहीं हो सकती। एनआइए के अलावा अन्य सुरक्षा एजेंसियां भी एयरफोर्स स्टेशन में हुए विस्फोट की जांच कर रही है। अभी तक एयरफोर्स स्टेशन की ओर से ड्रोन हमले बारे कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीजीपी दिलबाग सिंह ने ड्रोन हमले से दो बम एयरफोर्स स्टेशन पर गिराए जाने की पुष्टि जरूर की है। उल्लेखनीय है कि पिछले 72 घंटों में जम्मू क्षेत्र में ड्रोन देखे जाने की तीन घटनाएं सामने आई हैं। इस बीच पुलिस ने प्रदेश में बगैर प्रशासन की अनुमति के ड्रोन रखने वालों पर कार्रवाई करना शुरू कर दिया। मीडिया जगत से जुड़े कुछ फोटो जनर्लिस्ट और निजी फोटोग्राफर के भी ड्रोन जब्त किए गए हैं। प्रशासन की ओर से सख्त हिदायत दी गई है ड्रोन का इस्तेमाल करने के लिए प्रशासन से अनुमति हासिल करना अनिवार्य है अन्यथा कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज इन शॉर्ट

19 जुलाई से शुरू हो सकता है संसद का मानसून सत्र, सांसदों को लेनी होगी वैक्सीन की दोनों डोज

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 19 जुलाई से शुरू हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक मानसून सत्र 19 जुलाई से 13 अगस्त तक चल सकता है। सूत्रों का कहना है कि संसदीय मामलों की कैबिनेट कमेटी को संसद सत्र को लेकर यही जानकारी भेजी गई है। वहीं जानकारी मिली है कि सभी सांसदों को सत्र शुरू होने से पहले वैक्सीन की दोनों डोज लेने के लिए कहा गया है। सरकार कोरोना प्रोटोकॉल को लेकर कोई कोताही नहीं बरतना चाहती है इसलिए सभी को सांसदों को समय रहते दोनों वैक्सीन डोज लेने के लिए कहा गया है। वैसे तो ज्यादातर सांसद वैक्सीन की दोनों डोज ले चुके हैं। देश में कोरोना की तीसरी लहर की भी आशंका जताई जा रही है। ऐसे में सरकार चाहती है कि सत्र को टालने के लिए कोरोना नया बहाना न बने इसलिए वैक्सीन लगाने का आदेश जारी किया गया है। इस बार मानसून सत्र हंगामेदार होने वाला है। एक तरफ जहां पेट्रोल-डीजल के दाम और महंगाई बढ़ रही है वहीं दूसरी तरफ कोरोना समेत ऐसे कई मुद्दे हैं जिसको लेकर विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी में है।

अमेरिकी कंपनी मॉडर्ना को डीसीजीआई जल्द दे सकता है मंजूरी, सिपला ने मांगी आयात की इजाजत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत का औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) जल्द 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए 'मॉडना' के कोविड-19 रोधी टीके के आपात इस्तेमाल को मंजूरी दे सकता है। मुंबई स्थिति दवा कम्पनी 'सिपला' ने अमेरिकी दवा कम्पनी के ओर से टीके के आयात, विपणन संबंधी प्राधिकार के लिए आवेदन किया है। सूत्रों के अनुसार, सीडीएससीओ किसी भी वक्त इसका मंजूरी दे सकता है। 'मॉडर्ना' ने यह भी सूचित किया है कि अमेरिकी सरकार ने भारत सरकार को उपयोग के लिए 'कोवैक्स' के माध्यम से 'मॉडर्ना' के कोविड-19 रोधी टीके की निश्चित संख्या में खुराक दान करने को सहमति व्यक्त की है और इन टीकों के लिए केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) से मंजूरी मांगी है। सिपला ने सोमवार को एक आवेदन दायर कर 'मॉडर्ना' के कोविड-19 रोधी टीके के आयात के लिए अनुमति मांगी थी, जिसमें डीसीजीआई के 15 अप्रैल और एक जून के नोटिस का हवाला दिया गया था। उस नोटिस में कहा गया था कि यदि टीके को ईयूए के लिए यूएसएफडीए द्वारा अनुमति दी जाती है, तो टीके को बिना 'ब्रिजिंग ट्रायल' के विपणन प्राधिकरण दिया जा सकता है। याद हो कि भारत सरकार ने 31 दिसंबर 2021 तक सभी नागरिकों को वैक्सीनेट करने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए ज्यादा से ज्यादा टीकों की जरूरत होगी। ऐसे में अगर मॉडर्ना की वैक्सीन को मंजूरी मिलती है तो देश में टीकाकरण की रफ्तार और जोड़ पकड़ेगी।

केजरीवाल का बड़ा ऐलान : हर परिवार को मिलेगी 300 यूनिट मुफ्त बिजली

एजेंसी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में पहुंचते ही अरविन्द केजरीवाल ने लोगों के लिए अपनी योजनाएं खोल दी है। केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पंजाब के लिए 3 बड़े ऐलान किए है। केजरीवाल ने कहा कि यह केजरीवाल की गारंटी है कोई कैप्टन के वायदे नहीं। उन्होंने कहा कि पुराने जितने भी कनैक्शन काटे गए हैं, उन सभी को फिर से बहाल किया जाएगा। साथ ही पंजाब में 24 घंटे बिजली मिलेगी। उन्होंने सरप्लस बिजली का वादा किया। दूसरी योजना में केजरीवाल ने कहा कि पंजाब के हर परिवार को 300 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाएगी। इसी के साथ उन्होंने कहा कि पंजाब के 80 प्रतिशत परिवारों का बिल जीरो होगा। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि अगर पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार आती है तो बकाया बिल सभी का माफ़ होगा। गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी अब अगले विधानसभा चुनावों को देखते हुए पंजाब में पूरी तरह से एक्टिव हो चुकी है।

लगातार तीसरे दिन कोरोना की पहली रिपोर्ट में राहत

राजस्थानी चिराग रिपोर्टर

बीकानेर। जिले में कोरोना लगभग खत्म होने के कगार पर आ गया है? दरअसल, तीन दिन से सुबह की रिपोर्ट में शून्य पॉजिटिव आने से शहरवासी न सिर्फ राहत की सांस ले रहे हैं बल्कि लापरवाही भी कर रहे हैं। मंगलवार सुबह की रिपोर्ट भी शून्य रही, जबकि ग्रामीण क्षेत्र में 31 टेस्ट की फिर से जांच हो रही है। हालांकि शहरी क्षेत्र में कोई भी सेम्पल ऐसा नहीं है, जिसकी फिर से जांच की जा रही हो। स्वास्थ्य विभाग अब हर उस व्यक्ति की कोरोना जांच कर रहा है, जो अस्पताल पहुंच रहा है। इतना ही नहीं ग्रामीण क्षेत्रों में तो घर घर पहुंचकर सेम्पल लिए जा रहे हैं। जिन कोरोना टेस्टिंग सेंटर पर दो सौ से ज्यादा पॉजिटिव आ रहे थे, वहां अब जांच तो हो रही है लेकिन सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आ रही है। इसमें पीबीएम अस्पताल का कोविड ओपीडी सबसे आगे है। यहां न सिर्फ बीकानेर बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों से भी कोरोना पॉजिटिव आ रहे हैं। कोविड ओपीडी में सोमवार को 169 सेम्पल लिए गए थे, जिसमें कोई भी पॉजिटिव नहीं है। इसी तरह बीकानेर सैटेलाइट अस्पताल में 44 सेम्पल लिए गए, सभी नेगेटिव है। इसी तरह नापासर में 26 और नोखा में 13 सेम्पल लिए गए, ये सब भी नेगेटिव ही रहे। बिग्गा, सुरनाणा, रेलवे हॉस्पिटल सहित अनेक सेंटर्स पर भी लिए गए टेस्ट भी नेगेटिव रहे। वहीं दूसरी तरफ कुछ सेंटर्स पर सेम्पल की फिर से जांच की जा रही है। इसमें बिग्गा में तीन, महाजन में 6 और सांवतसर में पंद्रह टेस्ट अब तक अंडर प्रोसेस है। आमतौर पर इनमें कुछ पॉजिटिव केस निकलते हैं। अगर यहां कोई पॉजिटिव हुआ तो शून्य का रिकार्ड दूसरे दिन ही टूट सकता है।

नहर में गिरने से वृद्धा की मौत, जांच में जुटी पुलिस

राजस्थानी चिराग रिपोर्टर

बीकानेर। नहर में गिरने से बुजुर्ग महिला की मौत हो जाने की खबर सामने आयी है। घटना महाजन थाना क्षेत्र के घोडा पुली के पास की है। जहां पर आज सुबह करीब 6 बजे बुजुर्ग महिला नहर में गिर गयी। जिसके कारण उसकी मौत हो गयी। मिली जानकारी के अनुसार महिला की उम्र 70 वर्ष के करीब है। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग पुलिस मौके पर पहुंच और लोगों के सहयोग से शव को बाहर निकलवाया। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया है। नहर के पटड़े पर महिला के चप्पल और अन्य सामान भी मिला है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मनोनित पार्षदों ने ली पद-गोपनीयता की शपथ

राजस्थानी चिराग रिपोर्टर

बीकानेर। राज्य सरकार की ओर से नगर निगम में मनोनित किये गये 12 पार्षदों ने मंगलवार को उपखंड कार्यालय में पद और गोपनीयता की शपथ ली। उन्हें उपखंड अधिकारी मीनू वर्मा ने शपथ दिलाई। इस दौरान निगम के उपायुक्त पंकज शर्मा भी मौजूद रहे। इस मौके पर मनोनित पार्षद शशिकला राठौड़, मनोज किराडू, नितिन वत्सस, विनोद कोचर, राजेश आचार्य, निर्मला चांवरिया, आजम अली, जावेद खान, अभिषेक गहलोत, किशनलाल तंवर, प्रदीप कुमार नायक व मोहम्मद असलम ने पद व गोपनीयता की शपथ लेते हुए स्वच्छ भारत अभियान के तहत कार्य करने का संकल्प लिया। इस दौरान उपखंड कार्यालय के बाहर मनोनित पार्षदों के समर्थक बाहर खड़े रहे। समारोह में कांग्रेस जिलाध्यक्ष यशपाल गहलोत, प्रदेश सचिव जियाउर रहमान, पार्षद शिवशंकर बिस्सा, जावेद पड़िहार, आनंद सिंह सोढ़ा, शांति लाल मोदी, नंदलाल जावा, पार्षद प्रतिनिधि सुभाष स्वामी, राज भटनागर सहित अनेक कांग्रेसजन शामिल रहे। बाद में मनोनित पार्षदों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

विवाह समारोह से जुड़े व्यवसासियों ने कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

शादी समारोहों और संबंधित व्यवसायों में छूट देने की मांग

राजस्थानी चिराग रिपोर्टर

बीकानेर। शादी समारोहों और संबंधित व्यवसायों को छूट देने की मांग को लेकर कोरोना गाइडलाइन की पालना करते हुए जिला टेंट व्यवसायी वेलफेयर समिति बीकानेर एवं अन्य समितियों की ओर से जिला कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया गया। गाजे बाजे वालों के साथ ऊंट घोड़ों पर सवार होकर आये प्रदर्शनकारियों ने अपने रोजगार पर आएं इस संकट से निजात दिलाने की सरकार से गुहार लगाई। प्रदर्शन कर रहे टेंट व्यवसायियों, बैंड बाजे वालों, हलवाईयों, कैटरिंग से जुड़े लोगों व फोटोग्राफर्स ने एक स्वर में शादी समारोह में समय अवधि व व्यक्तियों की पाबंदियों को हटाने तथा इससे जुड़े व्यवसाय को पूर्णतया खोलने की मांग की। प्रदर्शन करने वालों में जिला टेंट व्यवसायी वेलफेयर समिति के अध्यक्ष पूनमचंद कच्छावा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बुलाकी राम चौधरी, सचिव राजेंद्र काला, ऑल इंडिया फोटोग्राफर फाउंडेशन बीकानेर के अध्यक्ष सुधाकर शर्मा, उपाध्यक्ष अभिषेक स्वामी, सुनील धीर सचिव, पंकज जिंदल, भीमसेन शर्मा, मनीष दमानी, मनोज तिवारी, किशन लाल प्रजापत, जे पी स्वामी सहित बैंड व्यवसायी, बीकानेर साउण्ड एसोसिएशन के पदाधिकारी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से शादी-विवाह समारोह में समय अवधि एवं व्यक्तियों की पाबंदी को हटाई जाने, हमें संयुक्त रूप से 40 व्यक्तियों की जगह 200 व्यक्तियों की परमिशन दिये जाने, व्यापार को टेंट, लाइट, जनरेटर, फ्लावर एंड कैटरिंग, हलवाई, फोटोग्राफी, डीजे, बैंड, इवेंट, लवाजमा थीम, ब्यूटी पार्लर आदि को पूर्ण रूप से खोले जाने तथा शादी समारोह में समय अवधि को रात्रि 10:00 बजे तक किए जाने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों ने सरकार को 24 घंटे की चेतावनी देते हुए कहा कि मांगें न मानने पर हमारे व अन्य समितियों द्वारा सरकारी व अर्ध सरकारी कार्यों का पूर्ण रूप से बहिष्कार कर धरना प्रदर्शन किया जाएंगे।

मलूरा मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर, तलाशी अभियान जारी

एजेंसी

जम्मू। मलूरा मुठभेड़ में दो आतंकी मारे गए हैं। इनमें एक आतंकी का नाम नदीम अबरार है जो सोमवार की सुबह पकड़ा गया था दूसरे आतंकी की पहचान की जा रही है। बताया जा रहा है कि नदीम अबरार सुरक्षाबलों को जब अपने अन्य साथियों के ठिकाने पर लेकर गया था तो वहां पर मुठभेड़ शुरू हो गई थी। वहां पर युसूफ कांतरू और साकिब समेत तीन आतंकी थे। देर रात यह सूचना आ रही थी युसूफ कांतरू और साकिब दोनों मारे गए हैं लेकिन पुलिस ने कहा था कि शवों की बरामदगी के बाद ही आतंकियों की पहचान की पुष्टि हो पाएगी। आज सुबह पुलिस ने जब शवों की पहचान की तो उनमें एक नदीम अबरार और एक विदेशी आतंकी का शव मिला। बताया जा रहा है कि मुठभेड़ के दौरान नदीम अबरार ने भागने की कोशिश की थी। इसी दौरान वह भी मारा गया है अन्य आतंकियों की तलाश की जा रही है युसूफ कांतरू पहले भी कई बार मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों की घेराबंदी तोड़ भागने में कामयाब रहा है। सुरक्षाबलों ने ग्रीष्मकालीन राजधानी में एक बड़ी आतंकी वारदात को नाकाम बनाते हुए उसे अंजाम देने आए तीन आतंकियों को मलूरा में कल घेर रखा था। आतंकियों से जारी मुठभेड़ में एक असिस्टेंट कमांडेंट और सीआरपीएफ का एक सब इंस्पेक्टर व कांस्टेबल समेत तीन सुरक्षाकर्मी घायल हो गए हैं।

भाजपा में जबर्दस्त वॉर चल रहा, इधर-उधर की बातें बंद करें : खाचरियावास

एजेंसी

उदयपुर। राजस्थान के परिवहन मंत्री एवं उदयपुर के प्रभारी मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि राजस्थान भाजपा में जबर्दस्त वॉर चल रहा है। अब भाजपा उस वॉर से ध्यान हटाने के लिए कांग्रेस पर बयानबाजी करती है जबकि भाजपा को जनता को हिसाब देने है वह क्यों नहीं देती है? मंत्री खाचरियावास मंगलवार को उदयपुर के सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा इधर-उधर की बाते बंद कर अपना हिसाब दें। उन्होंने भाजपा को निशाने पर लेते हुए कहा कि भाजपा को केन्द्र सरकार के कामकाज का, गैस सिलेंडर की सब्सिडी खत्म करने का, पेट्रोल-डीजल के बढ़ते भाव का, राजस्थान से जीतकर गए 25 जीतकर गए सांसदों का और पार्टी के घोषणा पत्र आदि का हिसाब देना चाहिए। खाचरियावास ने कहा कि राजस्थान कांग्रेस के सामने स्थितियां-परिस्थितयां जो आई वह आपके सामने है लेकिन आज वैक्सीनेशन व कोरोना मैनेजमेंट में राजस्थान नंबर वन पर आया लेकिन केन्द्र ने वैक्सीन देना बंद कर दिया है।

चीन के सामने तनकर खड़ा है नया भारत

सीमा पर 2 लाख सैनिकों की तैनाती, पलटवार करने की पूरी छूट

एजेंसी

नई दिल्ली। 70 साल में पहली बार भारत ने चीन को लेकर रुख बदला है। अब तक चीन की आक्रामकता के खिलाफ अपनी बचाव वाली मुद्रा को ही ढाल बनाकर चलने वाला भारत अब उससे नजरें मिलाकर खड़ा है। यह बदला हुआ नया भारत किसी भी परिस्थिति में पलटवार के लिए सैन्य विकल्पों पर विचार कर रहा है। हाल में चीन से लगी सीमा पर 50,000 अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती की गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कुल तैनात सैनिकों की संख्या दो लाख हो गई है, जो पिछले साल के मुकाबले 40 फीसद ज्यादा है। हाल में तिब्बत में चीन की ओर से अपने मौजूदा एयर फील्ड को मजबूत करने की कोशिशों को देखते हुए भारत की तैयारी और भी मायने रखती है।

सीमा पर बदलती तस्वीर

- पाकिस्तान से लगी पश्चिमी सीमा पर जिम्मेदारी संभालने वाली मथुरा की 1-स्ट्राइक कॉर्प्स को चीन सीमा पर तैनात किया गया।
- हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड से लगे और कम विवादित माने जाने वाले सेंट्रल सेक्टर पर भी कम से एक डिवीजन तैनात है। एक डिवीजन में कम से कम 10,000 सैनिक होते हैं।
- पानागढ़ की माउंटेन स्ट्राइक कॉर्प्स को सीमा के ईस्टर्न सेक्टर पर तैनात किया गया है।
- ब्रह्मास्त्र कॉर्प्स कही जाने वाले सत्रहवीं माउंटेन स्ट्राइक कॉर्प्स को ईस्टर्न सेक्टर पर तैनाती के साथ-साथ जरूरत पड़ने पर पलटवार करने की जिम्मेदारी दी गई है।

हर मोर्चे पर रहेंगे जवान

नई तैनाती से पाकिस्तान की सीमा पर तैनात रहने वाले जवानों की तादाद कम होगी, लेकिन ऐसे जवानों की तादाद बढ़ेगी, जो जरूरत के मुताबिक, उत्तर से पश्चिम तक की सीमा पर पहुंच सकेंगे। पहाड़ों पर हमले में सक्षम माउंटेन स्ट्राइक कॉर्प्स को करीब एक दशक पहले सरकार की ओर से मंजूरी मिल गई थी, लेकिन अब तक इसमें केवल एक ही डिवीजन थी। अब सरकार इसे मजबूती देने के लिए हरसंभव कदम उठा रही है।

कांग्रेस जिलाध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर कवायद तेज, एआईसीसी ने 30 जून तक सीधे मांगे नाम

एजेंसी

जयपुर। पिछले 11 महीने से भंग जिला संगठनों और जिलाध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर प्रदेश कांग्रेस में अब कवायद तेज हो गई है। जिलाध्यक्षों की नियुक्ति जल्द से जल्द की जाए इसे लेकर खुद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने मोर्चा संभाला है। अखिल भारतीय कांग्रेस कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) जिलों के प्रभारियों से 30 जून तक संभावित जिलाध्यक्षों के लिए तीन-तीन नामों के पैनल मांगे हैं। ऐसा पहली बार हुआ है जब प्रदेश कांग्रेस की बजाए सीधे एआईसीसी की ओर से जिलाध्यक्ष के लिए नाम मांगे गए हैं। दरअसल अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से पीसीसी के जिला प्रभारियों को एक परफॉर्मा भेजा गया है, जिसमें जिलाध्यक्षों के संभावित तीन- तीन नामों का पैनल बनाकर भेजना है। साथ ही जिलाध्यक्षों के नामों की सिफारिश करने वाले नेताओं, विधायकों और आला नेताओं के नाम भी लिख कर परफॉर्मा में भेजने हैं। प्रदेश प्रभारी अजय माकन के निर्देश पर प्रदेश के सह प्रभारी तरुण कुमार ने सभी जिलों के प्रभारियों को फोन करके 30 जून तक तीन- तीन नामों का पैनल बनाकर दिल्ली भेजने के निर्देश दिए हैं। परफॉर्मा व्यक्तिगत या फिर मेल के जरिए भी भेजने को कहा गया है।

कई नेताओं ने उठाए सवाल

वहीं दूसरी ओर 11 माह बाद भी जिलों में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति नहीं होने को लेकर कई विधायक और नेता भी प्रदेश नेतृत्व पर सवाल खड़े कर चुके हैं कि जिलों में संगठनात्मक नियुक्तियां नहीं होने से कामकाज ठप पड़ा है। ऐसे में जल्द से जल्द जिलाध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्तियां होनी चाहिए। जिलाध्यक्षों की नियुक्तियां नहीं होने से फिलहाल संगठन का कामकाज निवर्तमान जिलाध्यक्ष के भरोसे ही है।

11 माह से जिलों में ठप है संगठन का कामकाज

बीते साल जुलाई माह में सियासी संकट के दौरान कांग्रेस आलाकमान ने प्रदेश कार्यकारिणी, 39 जिलों के जिलाध्यक्ष, ब्लॉक और प्रकोष्ठ विभागों को भंग कर दिया था। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष बनने के बाद गोविंद सिंह डोटासरा करीब 6 माह बाद प्रदेश कार्यकारिणी तो घोषित कर दी थी लेकिन जिला और ब्लॉक लेवल पर संगठनात्मक नियुक्तियां नहीं हो पाई। हालांकि इसके पीछे कोरोना महामारी को एक बड़ी वजह बताया जा रहा है। अब जैसे ही कोरोना महामारी का प्रकोप कम हुआ है तो जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की कवायद कांग्रेस आलाकमान ने तेज कर दी है।

नामों को लेकर इन नेताओं से रायशुमारी

सूत्रों की माने तो जिलाध्यक्षों के लिए संभावित नामों को लेकर विधायक, मंत्री, सांसद, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, अग्रिम संगठनों , पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से रायशुमारी की जा रही है और रायशुमारी के आधार पर ही तीन तीन नामों के पैनल तैयार किए जा रहे हैं।

भारत के नक्शे में छेड़छाड़ पर ट्विटर इंडिया के एमडी मनीष माहेश्वरी मुश्किल में, बुलंदशहर में दर्ज हुआ केस

एजेंसी

बुलंदशहर। भारतीय नक्शे से छेड़छाड़ के मामले में खुर्जा के बजरंग दल के पदाधिकारी और अधिवक्ता की तहरीर पर पुलिस ने ट्विटर इंडिया के एमडी और इंडिया हेड मनीष माहेश्वरी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। ट्विटर द्वारा भारत का एक ऐसा मानचित्र पेश किया गया, जिसमें जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को भारत में नहीं, बल्कि अलग देश के तौर पर चिह्नित किया गया। इस मामले में खुर्जा के मोहल्ला मुरारी नगर निवासी अधिवक्ता सह बजरंग दल के प्रांत सह संयोजक प्रवीण भाटी ने सोमवार शाम कोतवाली पुलिस को तहरीर दी थी। जिसमें बताया था कि वह दोपहर तीन बजे ट्विटर का प्रयोग कर रहे थे। जिसमें उन्होंने देखा कि भारत के नक्शे से जम्मू- कश्मीर और लद्दाख को अलग दिखाया गया है, जिससे उनके साथ-साथ भारत के जनमानस की भावनाएं आहत हुई हैं। उनका कहना है कि यह कूटरचित मानचित्र बनाकर दुनिया को भ्रमित करने के लिए ट्विटर और उसके एमडी मनीष माहेश्वरी व न्यूज पार्टनरशिप हेड अमृता त्रिपाठी द्वारा यह हरकत की गई है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि यह देशद्रोह करतूत जानबूझकर की गई है। कोतवाली प्रभारी दीक्षित कुमार त्यागी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मनीष माहेश्वरी और अमृता त्रिपाठी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच की जा रही है।

भारी विरोध के बीच ट्विटर ने अपनी वेबसाइट से भारत का गलत नक्शा हटाया

कश्मीर और लद्दाख को बताया था अलग देश

नई दिल्ली। माइक्रो ब्लागिंग प्लेटफार्म ट्विटर के लिए भारत भले ही एक बड़ा बाजार हो, लेकिन वह भारत की संप्रभुता का लगातार मजाक बनाता नजर आ रहा है। भारत सरकार के साथ ट्विटर का सूचना प्रौद्योगिकी कानून के कुछ प्रविधानों को लेकर टकराव जारी है। वहीं, आज ट्विटर ने अपनी वेबसाइट में भारत का गलत नक्शा दिखाया। इसके बाद इंटरनेट मीडिया में ऑनलाइन विरोध के बीच ट्विटर को अपनी वेबसाइट से भारत का गलत नक्शा हटाना पड़ा, जो जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को एक अलग देश के रूप में दिखाता था। बता दें कि सोमवार को ट्विटर ने भारत का एक ऐसा मानचित्र पेश किया था जिसमें जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को भारत में नहीं बल्कि अलग देश के तौर पर चिह्नित किया गया। यह पहला मौका नहीं था जब ट्विटर ने यह गुस्ताखी की थी। इससे पहले नवंबर, 2020 में उसने लेह-लद्दाख को चीन का हिस्सा दिखाया था। तब भारत सरकार ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई थी और ट्विटर ने लिखित माफीनामा दिया था।

गर्भवती महिलाएं भी लगवा सकती है कोविड-19 वैक्सीन, स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी किए दिशानिर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गर्भवती महिलाओं को कोरोना वायरस रोधी वैक्सीन के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। दिशानिर्देश के मुताबिक, कोविड-19 वैक्सीन गर्भवती महिलाओं के लिए सुरक्षित है। गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सिफारिश की थी, जिसके कुछ सप्ताह बाद यह फैसला आया है। केंद्रीय मंत्रालय ने सभी गर्भवती महिलाओं को कोविन पोर्टल पर खुद को रजिस्ट्रेशन करने या खुद को कोविड-19 टीकाकरण केंद्र पर रजिस्ट्रेशन कराने की सलाह दी है। गर्भवती महिलाओं के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया सामान्य ही होगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि गर्भावस्था से कोविड-19 संक्रमण का खतरा नहीं बढ़ता है। ज्यादातर गर्भवती महिलाएं एसिम्टोमैटिक होंगी या उन्हें हल्की बीमारी होगी, लेकिन उनका स्वास्थ्य तेजी से बिगड़ सकता है और इससे भ्रूण भी प्रभावित हो सकता है। कोविड-19 से बचने के लिए सभी सावधानी बरतें और कोरोना के खिलाफ टीकाकरण अभियान में शामिल हो कर अपने आप को टीका लगवाए। कोई गर्भवती महिला अगर वायरस से संक्रमित हो जाती है, तो मंत्रालय ने कहा है कि अधिकांश (90 प्रतिशत) गर्भवती महिलाएं बिना अस्पताल में भर्ती हुए भी ठीक हो जाती है, कुछ महिलाओं के स्वास्थ्य में तेजी से गिरावट हो सकती है। लक्षण वाली गर्भवती महिलाओं में गंभीर बीमारी और मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। गंभीर बीमारी में अन्य सभी रोगियों की तरह, गर्भवती महिलाओं को भी अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता होगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोविड-19 टीके के दुष्प्रभाव के बारे में भी बताया। मंत्रालय ने बताया कि कोरोना के टीके सुरक्षित है और टीकाकरण गर्भवती महिलाओं को कोविड-19 की बीमारी से बचाता है। किसी भी दवा की तरह, एक टीके के भी दुष्प्रभाव हो सकते हैं जो आमतौर पर हल्के होते हैं। इसमें हल्का बुखार हो सकता है, इंजेक्शन वाली जगह पर दर्द हो सकता है या 1-3 दिनों तक अस्वस्थ महसूस हो सकता है। कुछ ही गर्भवती महिलाओं (1-5 लाख में से एक) को कोविड-19 टीकाकरण के बाद 20 दिनों के भीतर इन में से कुछ लक्षण हो सकते है, जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता हो सकती है।

कल होगी प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की अहम बैठक

शामिल होंगे सभी मंत्री

एजेंसी

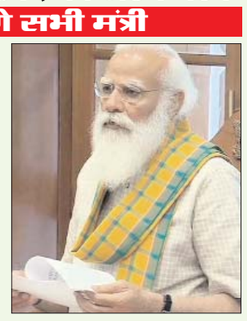

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार, 30 जून को मंत्रिपरिषद की बैठक बुलाई है। यह बैठक शाम 5 बजे निर्धारित की गई है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ इस बैठक में सभी कैबिनेट मंत्री, स्वतंत्र प्रभार वाले मंत्री और सभी राज्य मंत्रियों के शामिल होने की उम्मीद है। दो दिन पहले ही केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोविड-19 महामारी के कारण हिली अर्थव्यवस्था को बहाल करने के लिए कई योजनाओं का ऐलान किया है। सोमवार को वित्त मंत्री के इस कदम की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि नए फैसलों से आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी और उत्पादन व निर्यात के साथ ही रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हो सकेंगे। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि मोदी मंत्रिमंडल में नए चेहरों को शामिल किया जा सकता है। बता दें कि मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में मंत्रिमंडल विस्तार की तैयारियों को लेकर खबर है कि इसके लिए प्रधानमंत्री ने मंत्रालयों से संबंधित मंत्रियों को बुलाकर उनके कामकाज की समीक्षा की है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित होने वाली इस बैठक में कोरोना महामारी की तीसरी लहर की आशंकाओं के मद्देनजर देशभर में वैक्सीनेशन के हालात पर भी चर्चा हो सकती है। साथ ही विभिन्न मंत्रालयों से इसके लिए बनाई गई महत्वपूर्ण योजनाओं की भी समीक्षा की जा सकती है। हाल के दिनों में प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय मंत्रिपरिषद के अपने सहयोगियों के साथ कई बैठक कर चुके हैं। उल्लेखनीय है कि इन बैठकों में भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा भी मौजूद रहे।

बीते 24 घंटों में 102 दिनों बाद 40 हजार से कम मामले सामने आए, 1000 से कम लोगों की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामलों में गिरावट जारी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार बीते 102 दिनों बाद देश में 40 हजार से कम कोरोना के दैनिक मामले सामने आए हैं। वहीं रिकवरी रेट 96 फीसद के पार हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा मंगलवार सुबह आठ बजे जारी आकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटे में कोरोना से 37 हजार 566 मामले सामने आए। लगातार दूसरे दिन संक्रमण के चलते 1000 से कम लोगों की मौत हुई। इस दौरान केवल 907 लोगों की मौत हुई। यह पिछले 77 दिनों मौत का सबसे कम आंकड़ा है। वहीं 56 हजार 994 मरीज ठीक हुए। बीते 24 घंटे नें कोरोना संक्रमण का पता लगाने के लिए 17 लाख 68 हजार 008 सैंपल टेस्ट हुए। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में अब तक कुल कोरोना के तीन करोड़ तीन लाख 16 हजार 897 मामले सामने आ गए हैं। इनमें से दो करोड़ 93 लाख 66 हजार 601 मरीज संक्रमण से उबर गए हैं। एक्टिव केस पांच लाख 52 हजार 659 है और मरने वालों की संख्या तीन लाख 97 हजार 637 है। एक्टिव केस कुल मामलों का 1.82 फीसद है। वहीं रिकवरी रेट 96.87 फीसद, डेथ रेट 1.31 फीसद और दैनिक पॉजिटिविटी रेट 2.12प्रतिशत है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अनुसार कल तक कुल देश में कोरोना संक्रमण का पता लगाने के लिए 40 करोड़ 81 लाख 39 हजार 287 सैंपल टेस्ट हो गए हैं। बता दें कि भारत कोरोना वैक्सीन की सबसे अधिक डोज देने वाला देश बन चुका है। मंगलवार सुबह सात बजे तक भारत ने कोरोना वैक्सीन की कुल 32.90 करोड़ डोज दी हैं। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस वैक्सीन की 52,76,457 डोज लगाई गई। अब तक 32 करोड़ 90 लाख 29 हजार 510 डोज दी जा चुकी है।

स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने किया आगाह- अभी खत्म नहीं हुई कोरोना की दूसरी लहर, अलर्ट रहें

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में कोरोना के नए मामलों की संख्या में कमी आई है और ठीक होने वालों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है। जिसे देखते हुए ऐसा माना जा रहा है कि दूसरी लहर अब खत्म होने की कगार पर है। इसी बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने आगाह किया है कि लोग अलर्ट रहें क्योंकि कोरोना की दूसरी लहर अभी खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल के अनुभव से यह समझ आया है कि किसी भी स्थिति में आराम से नहीं बैठ सकते हैं और हमें हमेशा अलर्ट रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, कोरोना की दूसरी लहर अभी खत्म नहीं हुई है। दिल्ली में भले ही कोरोना के मामलों में कमी आई हो लेकिन डेढ़ साल के अनुभव से सीखा है कि किसी भी स्थिति में हमें आराम से नहीं बैठना चाहिए। लोगों और समाज को भी आराम से नहीं बैठना है और अलर्ट रहना है।

महाराष्ट्र समेत 12 राज्यों में सामने आए डेल्टा प्लस वैरिएंट के मामले

एजेंसी

नई दिल्ली। कोरोना का डेल्टा प्लस वैरिएंट काफी तेजी से पैर पसार रहा है। इसने देश के कई राज्यों में दस्तक दे दी है। जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश समेत 12 राज्यों में इसके 50 से ज्यादा मामले सामने आ गए हैं। इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि नए म्यूटेंट पर कोविड वैक्सीन की प्रभावशीलता के लैब टेस्ट के परिणाम 10 दिनों में सामने आएंगे। मंत्रालय ने कहा कि कोविशील्ड और कोवैक्सिन टीके कोरोना के वैरिएंट अल्फा, बीटा, गामा और डेल्टा के खिलाफ काम करते हैं, जबकि डेल्टा प्लस के खिलाफ उनकी प्रभावशीलता का परीक्षण किया जा रहा है। आइए जानते हैं डेल्टा प्लस वैरिएंट से जुड़े अपडेट्स

- समाचार एजेंसी पीटीआइ के अनुसार महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने सोमवार को कहा कि राज्य में अब तक कोरोना वायरस के डेल्टा प्लस वैरिएंट से संक्रमित पाए गए 21 लोगों में से केवल एक ने कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक ली है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने कहा कि अगर महाराष्ट्र के पास कोरोना टीकों का पर्याप्त स्टॉक मौजूद रहता है, तो वह अपनी पूरी योग्य आबादी को दो महीने में टीका लगा सकता है। पिछले शुक्रवार को महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में डेल्टा प्लस वैरिएंट के कारण पहली मौत हुई थी, जहां एक 80 वर्षीय महिला ने संक्रमण के कारण दम तोड़ दिया था।

- हिमाचल प्रदेश सरकार ने सोमवार को कहा कि राज्य में डेल्टा प्लस वैरिएंट का कोई मामला सामने नहीं आया है। हालांकि, दूसरी लहर में मृत्यु दर अधिक देखी गई है। राज्य में पॉजिटिव मामलों के बीच वैरिएंट ऑफ कंसर्न के परीक्षण के लिए कुल 1,113 सैंपल दिल्ली में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) को भेजे गए थे। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि प्राप्त रिपोर्ट में, 109 नमूनों में यूके स्ट्रेन , जबकि आठ नमूनों का कप्पा स्ट्रेन और 76 नमूनों में डेल्टा स्ट्रेन पाया गया। हालांकि, डेल्टा प्लस स्ट्रेन का कोई मामला सामने नहीं आया है।
- कोरोना के नए मामलों में लगातार गिरावट के बीच, गुरुग्राम स्वास्थ्य विभाग ने जिले भर में डेल्टा प्लस वैरिएंट के खिलाफ अलर्ट जारी किया है, जिसे केंद्र सरकार ने वैरिएंट ऑफ कंसर्न बताया है। हालांकि, जिले में अभी तक इस वैरिएंट का कोई भी मामला सामने नहीं आया है। फिर भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) वीरेंद्र यादव ने सभी अधिकारियों को वैरिएंट के खिलाफ सतर्क रहने के लिए पत्र लिखा है।

नये आईटी रूल्स का असर : 2 जुलाई को फेसबुक जारी करेगा रिपोर्ट, बताएगा कितने अकाउंट पर हुआ एक्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक ने मंगलवार को कहा कि वो 2 जुलाई को नये आईटी नियमों के तहत आने वाली अपनी पहली अंतरिम रिपोर्ट जारी करेगा। इस रिपोर्ट में जानकारी होगी कि आखिर आखिर 15 मई से 15 जून के बीच फेसबुक की तरफ से कितने कंटेंट को हटाया गया है। इसकी फाइनल रिपोर्ट 15 जुलाई को जारी होगी, जिसमें बताया जाएगा कि फेसबुक को यूजर्स की तरफ से कितनी शिकायतें मिली हैं और इनमें से कितनी शिकायतों पर एक्शन लिया गया है। बता दें कि नये आईटी नियमों को देशभर में 26 मई को लागू किया गया है, जिसके मुताबिक सोशल मीडिया कंपनियों को हर माह शिकायत रिपोर्ट साझा करनी होती है। इसमें शिकायतों और उनके निवारण की जानकारी होगी। साथ ही इस रिपोर्ट में फेसबुक से हटाये गये पोस्ट की लिंक इन्फॉर्मेशन के तौर पर दर्ज होगी। फेसबुक के प्रवक्ता के मुताबिक इस मामले में अंतिम रिपोर्ट 15 जुलाई को जारी होगी। इस रिपोर्ट में वाट्सअप डेटा भी शामिल होगा। हालांकि कंपनी ने साफ किया गया है कि फेसबुक आगामी 2 जुलाई को अंतरिम रिपोर्ट जारी करेगा, जिसमें शिकायतों के मिलने और उसके निवारण की जानकारी नहीं होगी, क्योंकि अभी कंपनी इन शिकायतों को लेकर काम कर रही है। लेकिन कंपनी की 15 जुलाई रिपोर्ट में शिकायतों और उनके निवारण की पूरी जानकारी होगी।

36 घंटों में हटाया होगा गलत कंटेंट

नये आईटी नियमों को डिजिटिल प्लेटफॉर्म के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिहाज से डिजाइन किया गया है। इसके तहते सोशल मीडिया कंपनियों को एक शिकायत निवारण अधिकारी की नियुक्ति करनी होती है। साथ ही शिकायतों लिंक्स को जांच के बाद हटाना होता है। कंटेंट हटाने का काम 36 घंटों के भीतर किया जाना अनिवार्य है। साथ ही अश्लील कंटेंट को 24 घंटों के भीतर हटाया जाना होता है।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा- घरेलू हिंसा पीड़ित महिलाओं को विधिक अधिकार दिलाना करें सुनिश्चित

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने सोमवार को संरक्षण अधिकारियों से कहा कि वे घरेलू हिंसा पीड़िताओं की हर तरह के वैधानिक अधिकारों तक पहुंच सुनिश्चित करें। घरेलू हिंसा के मामलों को निपटाने में बड़ी भूमिका निभाने वाले संरक्षण अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को वीडियो कांफ्रेंसिंग से संबोधित करती हुई ईरानी ने कहा कि संरक्षण अधिकारी पीड़ित महिलाओं के लिए प्रशासन व न्याय के बीच सेतु का काम करते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय महिला आयोग ने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के साथ मिलकर की है। इसमें घरेलू हिंसा कानून के तहत पुलिस, विधिक सहयोग सेवा, स्वास्थ्य प्रणाली, सेवा प्रदाता, आश्रय सेवाओं और वन स्टाप सेंटर की भूमिकाओं पर प्रकाश डाला जाएगा। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा भी वर्चुअल तरीके से कार्यक्रम में शामिल हुईं और कहा कि संरक्षण अधिकारी पीड़ित महिलाओं और अदालत के बीच सुविधा प्रदान करने वाले की भूमिका में होते हैं।

भयंकर गर्मी से जूझ रही दिल्ली तो बिहार-झारखंड में भारी बारिश के आसार

जानें- अगले 4 दिन कैसा रहेगा मौसम

एजेंसी

नई दिल्ली। मानसून देश के अधिकांश हिस्सों में मेहरबान है, लेकिन दिल्ली में पड़ रही भीषण गर्मी से लोगों का बुरा हाल है। यूपी-बिहार, मुंबई, दक्षिण और पूर्वोतर में मानसूनी बारिश से मौसम सुहाना बना हुआ है वहीं दिल्लीवासियों को पिछले कई दिनों से भयंकर गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। मानसूनी बारिश के लिए लोगों की बेताबी बढ़ रही है। हालांकि, अभी दिल्लीवासियों को गर्मी से इस हफ्ते राहत नहीं मिलेगी क्योंकि जैसा की आप जानते हैं कि मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी हो गई है। दिल्ली में पहुंचने के लिए मौसम विभाग की तरफ से 27 जून बताई थी, लेकिन इसका समय एक हफ्ते और बढ़ने की भविष्यवाणी की गई।

दिल्ली में अभी 6 दिनों तक गर्मी से नहीं मिलेगी राहत

मौसम विभाग का कहना है कि दिल्ली में अभी छह दिनों तक बारिश के कोई आसार नहीं है। इसके अलावा बिहार और झारखंड में अगले दो दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। साथ ही उत्तर प्रदेश में भी मानसून सक्रिय है। वहीं पूर्वांचल के कुछ जिलों में भी भारी बारिश हो के आसार जताए जा रहे हैं। ऐसे में यहां पर कई जिलों में येलो चेतावनी भी जारी हुई है। तो चलिए जानते हैं मानसून, और मौसम के ताजा अपडेट्स।

यहां बना हुआ है चक्रवाती हवाओं का दवाब

स्काईमेट वेदर के मुताबिक एक ट्रफ रेखा उत्तर पश्चिमी उत्तर प्रदेश से झारखंड और उत्तरी ओडिशा होते हुए उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक पहुंच रही है। ऐसे में एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र उत्तरी छत्तीसगढ़ पर स्थिर हुआ है। वहीं एक अन्य चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र ओडिशा के दक्षिणी तट और इससे सटे उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश पर बना हुआ है। जिसके चलते अगले 24 घंटे के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तरी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में गरज के साथ बारिश हो सकती है। इसके अलावा कुछ जिलों में ओले गिरने की भी संभावना है।

अगले 24 घंटों के दौरान इन राज्यों में होगी भारी बारिश

स्काईमेट वेदर की मानें तो अगले 24 घंटों के दौरान, सिक्किम, असम के कुछ हिस्सों, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और मराठवाड़ा के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के आसारा है। वहीं उत्तर पूर्व भारत के बाकी हिस्सों, उत्तराखंड के कुछ हिस्सों, बिहार के उत्तरी जिलों, पश्चिम बंगाल, विदर्भ के कुछ हिस्सों, मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और गोवा, गुजरात क्षेत्र, कर्नाटक, केरल, लक्षद्वीप और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश संभव है। झारखंड और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है।

जानें- अगले चार दिन देश का कैसा रहेगा मौसम

मौसम विभाग के मुताबिक, अगले चार दिनों के दौरान यानी 1 जुलाई तक देश के कई राज्यों में भारी बारिश और आंधी आ सकती है। उधर, उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है। वहीं दिल्ली, पंजाब, हरियाणा सहित पर राजस्थान व मध्य प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में मौसम शुष्क और हल्का गर्म रहेगा। इन चार दिनों के दौरान पश्चिम बंगाल- सिक्किम और पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश हो सकती है। 30 जून और 1 जुलाई को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश के आसार जताए गए हैं।

पाकिस्तान से लगती संवेदनशील सीमा पर दिखे 300 से अधिक ड्रोन

एजेंसी

नई दिल्ली। अनुच्छेद-370 को रद किए जाने के बाद से पाकिस्तान से लगती संवेदनशील सीमा पर 300 से अधिक ड्रोन या अज्ञात उड़ान वस्तुएं (यूएवी) देखी गई हैं। केंद्रीय एजेंसियों के मुताबिक पश्चिमी सीमा (मुख्य रूप से जम्मू और पंजाब) पर वर्ष 2019 में 167, पिछले साल 77 और अब तक 60 बार ड्रोन देखे गए हैं। बता दें कि रविवार को जम्मू के वायुसेना स्टेशन को निशाना बनाकर दो विस्फोट कराए गए थे। हालांकि इन हमलों में कोई जनहानि तो नहीं हुई, लेकिन सुरक्षा विशेषज्ञ इसे बड़े खतरे के तौर पर देख रहे हैं। शैतान पड़ोसी पाकिस्तान और चालाक चीन से मिल रही चुनौतियों के बीच देश की सुरक्षा-व्यवस्था के लिए यह खतरे की घंटी है।

इन प्रणालियों पर हो रहा काम

ड्रोन हमलों को रोकने के लिए स्काई फेंस, ड्रोन गन, एथेना, स्काईवाल-100 और ड्रोन कैचर जैसी विशिष्ट ड्रोन रोधी तकनीकों पर काम किया जा रहा है

ड्रोन गन : यह पायलट और ड्रोन के बीच रेडियो सिग्नल को जाम करने के साथ ही हमले से पहले ड्रोन को उतरने पर मजबूर कर देती है

स्काई फेंस : इसके माध्यम से ड्रोन पर इस तरह के सिग्नलों का प्रयोग किया जाता है, जिससे कि वह अपना रास्ता भटक जाता है

ड्रोन कैचर : यह तेजी से दुश्मन ड्रोन के पास पहुंचता है और ड्रोन पर जाल फेंककर उसमें लगे अन्य उपकरणों को जाम करके काबू कर लेता है

एथेना : एडवांस्ड टेस्ट हाई एनर्जी एसेट एक अन्य हथियार है, जिस पर काम चल रहा है। इसके जरिये उच्च क्षमता की लेजर बीम फायर करके ड्रोन का काम तमाम किया जाता है

अपना रखी है 'देखो और मार गिराओ' की प्रक्रिया

सीमा सुरक्षा बल और विभिन्न पुलिस इकाइयों की सीमावर्ती यूनिट ने 3,323 किलोमीटर लंबी सीमा पर ड्रोन, यूएवी और दूर से संचालित वायुयान को हवा में दिखने पर 'देखो और मार गिराओ' की प्रक्रिया अपना रखी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दुश्मन के ड्रोन को मार गिराने के लिए सुरक्षा प्रहरी को जमीन पर सतर्क रहना होगा और ड्रोन के दिखते ही उसे इंसास राइफल जैसे हथियार से मार गिराना होगा या उसे काबू करना होगा। इस तरह की प्रक्रिया अपनाकर ही इस पर काबू पाया जा सकता है।

वृत्ताकार ड्रोन रोधी प्रणाली उपलब्ध

सेना से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि किसी सैन्य प्रतिष्ठान या परिसर को सुरक्षित रखने के लिए अभी एक वृत्ताकार ड्रोन रोधी सुरक्षा प्रणाली उपलब्ध है। हालांकि सीमा सुरक्षा के लिए एकरेखीय सुरक्षा घेरे की जरूरत है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि बीएसएफ ने अक्टूबर, 2019 में एक ड्रोन रोधी सिस्टम के प्रोटोटाइप का परीक्षण किया था।

पहली बार खाड़ी युद्ध में इस्तेमाल

वैसे तो इसका उपयोग दवाइयों की डिलीवरी, तस्वीरें लेने और वीडियो शूट करने में किया जाता है, लेकिन अमेरिकी सेना ने वर्ष 1991 में खाड़ी युद्ध के दौरान ड्रोन का पहली बार सैन्य इस्तेमाल किया था। अमेरिकी वायुसेना अंतरिक्ष में भी इसका उपयोग कर चुकी है।

कई आतंकी संगठन कर रहे प्रयोग

इस्लामिक स्टेट के अलावा, फलस्तीन और लेबनान में सक्रिय हिजबुल्लाह, हूती विद्रोही, तालिबान के साथ पाकिस्तान में सक्रिय कई आतंकी संगठन हमलों के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करते हैं।

प्रशासन से ड्रोन इस्तेमाल संबंधी लाइसेंस लेना जरूरी

बिना अनुमति ड्रोन रखने वालों पर कार्रवाई

एजेंसी

जम्मू। वायुसेना के जम्मू स्थित टेक्निकल एयरपोर्ट पर हमले के लिए आतंकियों द्वारा ड्रोन का इस्तेमाल किए जाने के बाद पुलिस ने प्रदेश के विभिन्न संस्थानों व लोगों के पास उपलब्ध ड्रोन का ब्यौरा जमा करने और उन्हें कब्जे में लेना शुरू कर दिया है। सिर्फ वही लोग अपने पास ड्रोन रख सकेंगे, जिन्होंने नियमों के अनुरूप इसे खरीदा होगा और नागरिक उड्डयन निदेशालय या संबंधित प्रशासन से इसके इस्तेमाल का लाइसेंस प्राप्त किया होगा। दरअसल, वायुसेना के अहम हवाई अड्डों में एक जम्मू का टेक्निकल एयरपोर्ट पर ड्रोन हमले के बाद से सुरक्षा एजेंसियां सकते में आ गई हैं। इस घटना ने साबित कर दिया है कि आने वाले समय में जम्मू कश्मीर में सक्रिय आतंकी किसी बड़ी विध्वंसकारी गतिविधि को अंजाम देने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करेंगे। इससे सबक लेते हुए कश्मीर में पुलिस ने कई फोटोग्राफरों से उनके ड्रोन जब्त कर लिए हैं। इनमें कुछ प्रेस फोटोग्राफर भी शामिल हैं। कई लोगों के खिलाफ बिना अनुमति ड्रोन का इस्तेमाल करने के संदर्भ में मामला भी दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन को बिना अनुमति कोई इस्तेमाल नहीं कर सकता। जिन लोगों ने नियमों के अनुरूप ड्रोन खरीदा होगा और प्रशासन से इस्तेमाल के लिए लाइसेंस प्राप्त किया होगा, वही इस्तेमाल कर सकेंगे। ड्रोन को इस्तेमाल करने की अनुमति के लिए जिला प्रशासन और नागरिक उड्डयन विभाग से से संपर्क किया जा सकता है। इस बीच, कश्मीर में स्थित एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि हम पहले भी कई बार यहां लोगों को आगाह कर चुके हैं कि वह ड्रोन का इस्तेमाल करने से पूर्व उससे संबंधित शर्तों का पालन जरूर करें। सभी पुलिस थाना प्रभारियों से कहा गया है कि वह अपने अपने कार्याधिकार क्षेत्र में उन संस्थानों और व्यक्तियों का पता लगाएं जिनके पास ड्रोन है। इन सभी का ब्यौरा जमा किया जाएगा ताकि कोई भी व्यक्ति ड्रोन का दुरुपयोग न करे। उन्होंने कहा कि जम्मू में हुई घटना ने एक बड़े खतरे का संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि आतंकी अगर किसी व्यक्ति से उसका ड्रोन छीन कर अपने तरीके से इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे निपटने की रणनीति पर काम किया जा रहा है। उन सभी क्षेत्रों को चिह्नित किया जा रहा है, जहां कोई ड्रोन नहीं उड़ा सकता।

'जैविक कृषि' त्रैमासिक पाठ्यक्रम विवरण एवं निर्देशिका का विमोचन

राजस्थानी चिराग रिपोर्टर

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास निदेशालय के दूरस्थ शिक्षा माध्यम द्वारा संचालित किए जाने वाले 'जैविक कृषि' पाठ्यक्रम विवरण एवं निर्देशिका का विमोचन कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह द्वारा किया गया। कुलपति प्रो. सिंह ने बताया की कृषि रसायनों की अत्यधिक उपयोग के कारण हमने अनेक असाध्य बीमारियों को न्योता दिया है। आने वाली पीढ़ियों के लिए हालात और अधिक दुष्कर हो जाएंगे इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है। जैविक कृषि दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम युवाओं एवं प्रगतिशील किसानों के लिए लाभदायक सिद्ध होगा। मानव संसाधन निदेशक डॉ एस एल गोदारा ने बताया कि यह पाठ्यक्रम जैविक कृषि विषयवस्तु का सरलीकरण करके वैश्विक बाजार मांग एवं मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है। पाठ्यक्रम को चार इकाइयों में विभक्त किया गया है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को जैविक प्रमाणीकरण प्रक्रिया, जैविक कृषि एवं संसाधन प्रबंधन, जैविक कृषि कार्य योजना, उद्यमिता विपणन प्रबंधन, जैविक कृषि की कार्य प्रौद्योगिकी के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। यह पाठ्यक्रम हिंदी भाषा में, 3 माह की अवधि का है। इसके लिए मान्यता प्राप्त बोर्ड से दसवीं पास होना अनिवार्य है एवं इस पाठ्यक्रम का शुल्क 3000 रूपये प्रति व्यक्ति है। डॉ गोदारा ने पाठ्यक्रम संकलन एवं संपादन एवं लेखन के लिए आचार्य डॉ. एस एम कुमावत, आचार्य डॉ. ए आर नकवी, सहायक आचार्य डॉ राजेंद्र कुमार जाखड़, डॉ अशोक कुमार मीणा एवं छात्रा तनुजा पूनिया एवं प्रकाशन हेतु सहायक निदेशक डॉ आर.के. वर्मा का धन्यवाद देकर कुशल संचालन की कामना की और कहा की इस पाठ्यक्रम का लाभ प्रशिक्षणार्थियों, विद्यार्थियों, प्रगतिशील किसानों, कृषि प्रसार कार्यकर्ताओं, कृषि व्यवसाय से जुड़े उद्यमियों को मिलेगा और वे स्वावलंबन एवं स्व-रोजगार की ओर अग्रसर हो सकेंगे।

रेलवे से रिटायर्ड वृद्ध का गला रेता, वृद्धा को गला दबाकर मारा

जेवरात व नकदी लूट कर ले गए, एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य

एजेंसी

अजमेर। अजमेर के गुलाबबाड़ी क्षेत्र के माली मोहल्ले में 80-साल के वृद्ध दंपती की निर्ममता से हत्या कर दी गई। दोनों घर पर अकेले थे और रेलवे से रिटायर्ड वृद्ध का गला रेत कर हत्या की गई, वहीं वृद्धा का गला दबाकर मारा गया। वारदात के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मौके पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। मृतक का नाम मदनसिंह चौहान और मृतका का नाम मैनादेवी चौहान है। महिला की ओर से पहन रखे जेवरात सहित घर के अन्य जेवरात व नकदी भी ले गए। ऐसे में हत्या लूट के ईरादे से की गई प्रतीत हो रही है। पास ही में अलग रहने वाले तीनों बेटे सहित अन्य परिजन भी मौके पर पहुंच गए। बताया जाता है कि बुजुर्ग अपने पेतृक आवास में करीब दस साल से अकेले ही रह रहे थे। देखभाल के लिए तीनों ही बेटों का आना जाना रहता था। एसपी जगदीश चन्द्र शर्मा का कहना है कि बुजुर्ग के गले को धारदार हथियार से रेता, वहीं महिला का गला दबाकर हत्या की गई। हालात देखकर लगता है कि मृतकों ने संघर्ष भी किया है। यह भी पता चला है कि आलमारी को खोला और खंगाला, लेकिन अटैची व अन्य को नहीं छुआ, इसलिए वारदात जल्द बाजी में की गई है। क्षेत्रीय पार्षद रजनीश चौहान ने बताया कि दोनों की उम्र करीब 80-85 साल है। मृतक बुजुर्ग उनके दादा-दादी थे। सुबह चाचा दिनेश चौहान जब चाय देने के लिए आए तो पता चला। इसके बाद अलवर गेट थाने पर सूचना दी। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी सुनीता गुर्जर पुलिस दल के पहुंची। मृतक दंपती के तीन पुत्र दिनेश, सुरेन्द्र व राजेन्द्र है और तीनों ही अलग रहते हैं। ऐसे में वारदात के समय कोई नहीं था। दिनेश के परचून की दुकान है और राजेन्द्र रेलवे रिटायर्ड तथा सुरेन्द्र रेलवे में कार्मिक है। सूचना मिलने पर तीनों पुत्र सहित परिजन व आस पास के लोग पहुंच गए। परिजन को क्षेत्रवासियों ने ढ़ांढस बंधाया। मामले की पड़ताल में जुटी पुलिस आस पास सहित क्षेत्र से भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस ने आस पास में लगे सीसीटीवी आदि के बारे में पड़ताल कर रही है। एसपी जगदीश चन्द्र शर्मा ने बताया कि कुछ क्ल्यू मिले हैं और स्पेशल टीमों का गठन किया है। संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पृथम दृष्टया कोई कीमती सामान ले जाने की बात सामने नहीं आई है। हो सकता है कुछ सामान ले गए हो, लेकिन पुलिस कोई पुरानी रंजिश या लूट के ईरादे से हत्या, हर एंगल से जांच करेगी।

16वीं बार बढ़े तेल के रेट्स

जून में पेट्रोल पर 4.79 रुपए व डीजल पर 4.33 रुपए बढ़ा चुके

एजेंसी

जयपुर। जून के महीने में तेल कंपनियों ने 16वीं बार पेट्रोल व डीजल पर रेट बढ़ा दिए है। मंगलवार को फिर से तेल कपंनियों ने पेट्रोल पर 36 पैसे और डीजल पर 30 पैसे बढ़ा दिए है। अब तक इस महीने में पेट्रोल पर 4 रुपए 79 पैसे और डीजल पर 4 रुपए 33 पैसे बढ़ चुके है। बढ़ती तेल कीमतों के कारण महंगाई भी लगातार बढ़ रही है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें कम हुई हैं। जयपुर में पेट्रोल के रेट्स अब 105.54 रुपए प्रति लीटर व डीजल 98.29 रुपए प्रति लीटर हो चुके हैं। पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पिछले दिनों तेल की कीमतें और बढ़ने की बात कही थी। राजस्थान में पेट्रोल प्रीमियम 110 रुपए से ऊपर हो गया है। डीजल प्रीमियम की बात करें तो गंगानगर में 106.29, हनुमानगढ़ में 105.44, सवाईमाधोपुर में 103.36 रुपए हो चुके हैं तो सामान्य डीजल के रेट भी गंगानगर, हनुमानगढ़ में सौ रुपए से ऊपर हो चुके हैं। डीजल कई जिलों में सौ रुपए के नजदीक पहुंच चुका है। पांच राज्यों के चुनाव परिणामों की घोषणा तीन मई को हुई थी। इससे पहले डेढ़ महीने तक तेल के दामों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई थी। चुनाव परिणाम होने के बाद तेल के दामों में बढ़ोतरी शुरू हो गई। 3 मई को जयपुर में पेट्रोल 96.77 रुपए प्रति लीटर, जबकि डीजल 89.20 रुपए प्रति लीटर था। 29 जून को पेट्रोल के रेट 105.54 व डीजल 98.29 रुपए हो गए हैं। ऐसे में पेट्रोल पर 8.02 रुपए महंगा हो गया है। वहीं, डीजल भी अब तक 8.14 रुपए महंगा हो चुका है। तेल कंपनियां हर दूसरे दिन तेल के दामों में बढ़ोतरी कर रही हैं। 1 जून को पेट्रोल पर 27 पैसे व डीजल पर 24 पैसे, 2 व 3 जून को बदलाव नहीं, 4 जून को पेट्रोल पर 28 पैसे व डीजल पर 31 पैसे, 5 को नहीं, 6 जून को पेट्रोल 29 पैसे व डीजल पर 31 पैसे, 7 जून को पेट्रोल व डीजल पर 29 पैसे, 8 को नहीं, 9 को पेट्रोल पर 26 पैसे व डीजल पर 27 पैसे, 10 को नहीं, 11 को पेट्रोल व डीजल पर 30 पैसे, 12 को पेट्रोल पर 29 पैसे व डीजल पर 25 पैसे, 13 को नहीं, 14 जून को पेट्रोल पर 30 पैसे व डीजल पर 32 पैसे, 15 को नहीं, 16 को पेट्रोल 26 पैसे व डीजल 14 पैसे, 17 को नहीं व 18 जून को पेट्रोल पर 28 पैसे व डीजल पर 31 पैसे, 19 जून को बदलाव नहीं, 20 को पेट्रोल पर 31 पैसे व डीजल पर 30 पैसे, 21 को कोई बदलाव नहीं व 22 को पेट्रोल पर 29 पैसे, डीजल पर 28 पैसे, 24 जून को पेट्रोल पर 27 पैसे व डीजल पर 7 पैसे, 25 को बदलाव नहीं, 26 को पेट्रोल पर 37 पैसे व डीजल पर 37पैसे, 27 जून को पेट्रोल पर 37 पैसे व 27 पैसे डीजल पर, 28 को बदलाव नहीं, 29 को पेट्रोल पर 36 पैसे व डीजल पर 30 पैसे बढ़ा दिए गए।

कृषि अनुसंधान केंद्र द्वारा वर्चुअल जल प्रबंधन पर संवाद

राजस्थानी चिराग रिपोर्टर

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान केंद्र श्रीगंगानगर द्वारा वर्चुअल जल प्रबंधन संवाद-2021 आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर आर.पी. सिंह ने बताया कि फसल उत्पादन के लिए जल के नियोजित ढंग से उपयोग करने की कला को जल प्रबंधन कहते हैं। जल प्रबंधन के अंतर्गत सिंचाई तथा जल निकास दोनों क्रियाएँ आती है जिससे कि जल की कमी अथवा अधिकता ना रहे। राजस्थान देश के सबसे अधिक शुष्क प्रदेशों में से एक है ऐसी स्थिति में वर्षा जल का समुचित संरक्षण, भंडारण तथा दक्षतापूर्ण उपयोग करके इस चुनौती का मुकाबला किया जा सकता है। उपलब्ध जल से अधिक उत्पादन लेने हेतु जल बचत तकनीक विकसित की गई है। किसानों को बागवानी फसलों, सब्जी वाली फसलों, नरमा कपास तथा गन्ने के लिए बूंद बूंद सिंचाई पद्धति तथा पूर्व सिंचन की तकनीक उपलब्ध कराई गई है। रबि की ऋतु में सर्दी से बचाव तथा बेमौसमी सब्जी से अधिक आमदनी प्राप्त करने हेतु लो टनल तकनीक दी गई है। पॉलिथीन पलवार तथा मेढ पर खेती द्वारा जल उपयोग दक्षता बढ़ाने की तकनीक देकर किसानों की आय में वृद्धि की गई है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उक्त तकनीकों को किसानों में लोकप्रिय करने हेतु किसानों के खेतों पर इनका प्रदर्शन किया गया है। राज्य सरकार के वित्तीय सहयोग से नरमा में बूंद बूंद सिंचाई के प्रदर्शन पूरे प्रदेश के कपास उत्पादन क्षेत्र में लगाए गए तथा गन्ने में बूंद बूंद सिंचाई के प्रदर्शन श्रीगंगानगर जिले में लगाए गए। डॉ. पी.एस. शेखावत निदेशक अनुसंधान एवं विशिष्ट अतिथि डॉ प्रभाकर नंदा (भुवनेश्वर) के अतिरिक्त वर्चुअल कार्यक्रम में डॉ बी.एस. मीणा आचार्य ने जल प्रबंधन, डॉ बी.एस. यादव ने जल बचत खेती आवश्यकता एवं तकनीकी, डॉ संजीव संदल ने बूंद बूंद सिंचाई में उर्वरक सिंचन, फर्टिगेशन तकनीक, फूलचंद वर्मा वरिष्ठ विशेषज्ञ ने बूंद बूंद सिंचाई पद्धति की स्थापना एवं रखरखाव डॉ ए. के. सिंह जल प्रबंधन विशेषज्ञ ने अधिक आय जल उत्पादकता के लिए सटीक खेती, डॉ आर पी एस चौहान ने सब्जियों में अधिक उत्पादन के लिए लो टनल तकनीक, डॉ जी.आर. मटोरिया ने सिंचाई जल के लिए कृषि विभाग की योजनाओं पर संबोधित किया।

मृत राज्य कर्मचारियों के आश्रितों की कंप्यूटर टंकण परीक्षा 10 जुलाई को

राजस्थानी चिराग रिपोर्टर

बीकानेर। मृत राज्य कर्मचारियों के आश्रित के रूप में अनुकंपात्मक नियुक्ति प्राप्त कनिष्ठ सहायकों की हिंदी या अंग्रेजी की कंप्यूटर टंकण परीक्षा 10 जुलाई को प्रातः 10:30 बजे से गंगा थिएटर के पास स्थित राजीव गांधी सेवा केंद्र में आयोजित होगी। परीक्षा आयोजना समिति अध्यक्ष एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) बलदेव राम धोजक ने बताया कि सभी संबंधित अभ्यर्थी 7 जुलाई से अपने प्रवेश पत्र कलक्टर कार्यालय की स्थापना शाखा (कमरा नंबर 13) से कार्यालय समय में ले सकेंगे। टंकण परीक्षा कंप्यूटर पर ही आयोजित होगी। अभ्यर्थी अपने साथ स्वयं का की-बोर्ड ला सकेंगे।

राज्य सूचना आयोग फिर से हुआ सक्रिय

राजू चारण

बाड़मेर। कोरोना भड़भड़ी के चलते लोक डाउन से आएं व्यवधान के बाद राज्य सूचना आयोग ने एक जुलाई से नियमित सुनवाई शुरू करना तय किया है। राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त डी बी गुप्ता ने सोमवार को सूचना आयुक्तों के साथ बैठक की और हालातों की समीक्षा की। इस बैठक में आयोग के कामकाज का लेखा जोखा लिया गया और अब सुनवाई बदस्तूर नियमित करने का फैसला लिया गया। मुख्य सूचना आयुक्त ने आयोग की सुनवाई और कार्यवाही के दौरान लोक डाउन नियमो के पुख्ता पालन का भी निर्देश दिया है। अन्य संस्थानों की तरह लोक डाउन से आयोग का काम काज भी प्रभावित हुआ है। इसके पहले आयोग ने सुनवाई को गति दी और लंबित पड़े मामलो के निस्तारण के लिए शिविर का कार्यक्रम भी बनाया था। लेकिन कोरोना की वजह से लगे लोक डाउन से व्यवधान पैदा हो गया था। लोक डाउन में जैसे ही थोड़ी शिथिलता दी गई, आयोग ने जयपुर क्षेत्र के मामलो की सुनवाई की और अपीलों का निस्तारण किया। बैठक में आयोग के अधिकारियो के आलावा सूचना आयुक्त लक्ष्मण सिंह, आर पी बरवड़ और नारायण बारेठ मौजूद रहे।

ऑल इण्डिया सर्विस रेजीडेन्सी की लॉटरी सम्पन्न

राजस्थानी चिराग रिपोर्टर

जयपुर। अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों के लिए राजस्थान आवासन मण्डल की महत्वाकांक्षी योजना की आज यहाँ प्रताप नगर वृत्त कार्यालय में स्वयं आवासन आयुक्त पवन अरोडा की उपस्थिति में लॉटरी सम्पादित की गई। आवासन आयुक्त ने बताया कि पहले चरण की लॉटरी कार्यालय की महिला चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी श्रीमती बरजी देवी के कर कमलों से बटन दबाकर सम्पादित कराई गई। अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के आवासों की लॉटरी जब चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी द्वारा निकाली गई तो हॉल में उपस्थित सभी अधिकारी/आगन्तुकों ने तालियॉ बजाई। लॉटरी के दौरान समिति के अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता नत्थूराम, मुख्य सम्पदा अधिकारी श्रीमती कश्मी कौर, उप आवासन आयुक्त के.सी. ढाका एवं विजय शर्मा तो उपस्थित थे ही साथ ही योजना के आवेदकों में शक्ति सिंह, राम निवास मेहता एवं बचनेश अग्रवाल, आई.ए.एस. /आर.ए.एस. अधिकारी भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि जयपुर प्रताप नगर एन.आर.आई. कॉलोनी के पास हल्दी घाटी मार्ग पर अखिल भारतीय अधिकारियों के लिए लगभग 180 लक्जरी फ्लेट्स बनाये जा रहे है। स्ववित्त पोषित पद्धति आधार पर बनाई जा रही इस योजना में अधिकारियों से लिए 2 साल में 9 किश्तों के माध्यम से पूरी राशि मण्डल द्वारा वसूल कर ली जावेगी। 3349 वर्गफुट फ्लेट की कीमत लगभग 94 लाख रूपये रखी गई है। इस योजना में कुल 7 टावर बनेंगे, जिसमें जी.12 मंजिल होंगी और प्रत्येक मंजिल पर दो-दो फ्लेट होंगे। इसी योजना में रेजीडेन्ट्स के लिए अत्याधुनिक क्लब हाउस का भी निर्माण किया जावेगा। पहले चरण में 149 अधिकारी/आवेदकों के लिए यह लॉटरी निकाली गई है। शेष बचे हुए 31 फ्लेट के लिए अधिकारियों की भारी मांग को देखते हुए लगभग 1 माह में पुनः योजना प्रारम्भ की जावेगी। अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों की इस योजना की चर्चा पूरे देश में है और राजस्थान आवासन मण्डल को देखकर तमिलनाडू आवासन मण्डल ने भी चेन्नई में ऐसी योजना लॉच की है।

राजस्थान के 20 जिलों में पारा 40 पार

चुरू और सवाईमाधोपुर में सबसे ज्यादा 43.2 डिग्री तापमान, जयपुर में 4 जुलाई तक साफ रहेगा मौसम; मानसून आने में हो रही देरी

एजेंसी

जयपुर। प्रदेश में दक्षिण पश्चिम मानसून में देरी की वजह से तेज गर्मी का दौर जारी है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में राजस्थान के 20 शहरों में पारा 40 डिग्री से ऊपर चढ़ गया है। मंगलवार सुबह तक चुरू और सवाईमाधोपुर सबसे ज्यादा गर्म रहे। यहां तापमान 43.2 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि सबसे कम तापमान उदयपुर के डबोक एयरपोर्ट पर 36.0 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश की राजधानी जयपुर में भी सोमवार को तापमान 41.0 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। आसमान में बादल छाए रहे। लेकिन बारिश नहीं हुई। मौसम विभाग के डायरेक्टर राधेश्याम शर्मा ने बताया कि जयपुर में आज आंशिक रुप से बादल छाए रहने की अनुमान है। साथ ही आगामी 4 जुलाई तक मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान है। बता दें कि दक्षिण पश्चिम मानसून की उत्तरी सीमा पिछले करीब 10 दिनों से बाड़मेर, धौलपुर और भीलवाड़ा जिले में स्थिर है। इससे मानसून के आगे बढ़ने की गति धीमी पड़ गई है और मानसून आने में देरी हो रही है।

करौली और फलौदी को पीछे छोड़ चुरू और सवाई माधोपुर आगे

सोमवार को प्रदेश में सबसे ज्यादा 80 मिमी. बारिश बांसवाड़ा जिले के बागीडोरा में हुई। कल पूर्वी राजस्थान में सर्वाधिक तापमान करौली में 41.6 डिग्री और पश्चिमी राजस्थान में फलौदी में 41.8 दर्ज किया गया। लेकिन मंगलवार सुबह तक चुरू और सवाई माधोपुर जिले का तापमान 43 डिग्री पार कर गया।

2 जुलाई तक शुष्क रहेगा मौसम, उदयपुर संभाग में हल्की बारिश की संभावना

प्रदेश में आगामी 2 जुलाई तक मौसम साफ और शुष्क रहेगा। 29 जून को पूर्वी राजस्थान के उदयपुर संभाग में कहीं-कहीं पर हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होने का अनुमान है। इसके अलावा चुरु, बीकानेर, नागौर, बाड़मेर, जोधपुर, गंगानगर, जैसलमेर, हनुमानगढ़ जिलों में 20 से 30 किलोमीटर की रफ्तार से धूल भरी हवाएं चलने की संभावना है।

सोमवार को प्रदेश में इन जगहों पर हुई बारिश

पूर्वी राजस्थान में बांसवाड़ा में बागीडोरा, उदयपुर में सारारा, प्रतापगढ़ में अनोंद, उदयपुर में वल्लभनगर, डूंगरपुर में सागवाड़ा, प्रतापगढ़ शहर, बांसवाड़ा में शेरगढ़, सल्लोपत, डूंगरपुर में आसपुर, उदयपुर में खेरवाड़ा, बूंदी, डूंगरपुर में गणेशपुर, उदयपुर में कोटड़ा, उदयपुर में झाड़ोल और चित्तौड़गढ़ में बड़ी सादड़ी में हल्की बारिश हुई। वहीं, पश्चिमी राजस्थान में बाड़मेर के सिंदरी, जोधपुर के शेरगढ़, बाड़मेर के सेड़वा, पाली के रोहत और जोधपुर के ओसियां में हल्की बारिश दर्ज की गई।

खनिज विभाग का बाबू 21 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा

एजेंसी

भरतपुर। भरतपुर जिले में एसीबी लगातार रिश्वतखोरों पर शिकंजा कस रही है। मंगलवार को भरतपुर एसीबी ने खनिज विभाग के सीनियर असिस्टेंट लखन सिंह को गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार में डूबा यह बाबू सिलिकोसिस पीड़ित मृतक के परिजनों को सहायता राशि दिलाने के बदले 30 हज़ार रुपए की रिश्वत मांग रहा था। परिवादी दिनेश ने एसीबी कार्यालय में इसकी शिकायत कर दी। जब शिकायत का सत्यापन करवाया तो वह सही पाया गया। इसके बाद मंगलवार को यह कार्रवाई की गई। असल में परिवादी ने सीनियर असिस्टेंट लखन सिंह को 30 हजार रुपए के बदले 9 हजार तो पहले ही दे दिए थे। इसके बाद बाकी 21 हजार रुपए की रकम मंगलवार को देना तय हुआ। अब जैसे ही उसने यह राशि सौंपी एसीबी की टीम मौके पर पहुंच गई और रंगे हाथों उसे पकड़ लिया। फिलहाल कार्रवाई जारी है। यह राशि उसने खुद के लिए और किसी अफसर के लिए ली है या नहीं, इसके बारे में सीनियर असिस्टेंट लखन सिंह से पूछताछ की जा रही है। अभी किसी और के इसमें शामिल होने की जानकारी सामने नहीं आई है। परिवादी भी फिलहाल कार्रवाई स्थल पर मौजूद है। परिवादी के पिता की सिलिकोसिस से मौत हो गई थी, और राज्य सरकार द्वारा सिलिकोसिस से मरने वाले व्यक्ति को 3 लाख रूपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। लेकिन आर्थिक सहायता की फाइल रूपवास के खनिज विभाग में अटकी हुई थी जिसको आगे बढ़ाने के लिए सीनियर असिस्टेंट लखन सिंह ने परिवादी दिनेश से 30 हजार रूपये की रिश्वत की मांग की। इसकी शिकायत परिवादी ने कल भरतपुर एसीबी कार्यालय में की। जिसके बाद एसीबी ने शिकायत का गुप्त सत्यापन करवाया। सत्यापन के समय ही खनिज विभाग के सीनियर असिस्टेंट लखन सिंह ने 9 हजार रूपये की रिश्वत ले ली।

छात्रा को लेकर भाग गया टीचर

एजेंसी

नागौर। निजी स्कूल में छात्रा को पढ़ाते-पढ़ाते एक टीचर प्यार में ऐसा पागल हो गया कि वह उसे लेकर फरार हो गया। छात्रा के प्रेम में टीचर इस कदर दीवाना था कि घर वालों से नजर बचाकर रोज उससे मिलने भी पहुंच जाता। घरवालों को जब इस बारे में पता चला तो उन्होंने दोनों को समझाने का प्रयास भी किया, वो लेकिन नहीं माने। आखिर दोनों मौका देख घर से भाग गए। ये पूरा मामला जिले के गच्छीपुरा थाना क्षेत्र के बडू गांव का है, जहां एक निजी स्कूल टीचर का 12वीं में पढ़ने वाली छात्रा से पिछले दो साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवक इंग्लिश सब्जेक्ट का टीचर था। घरवाले जब दोनों के खिलाफ हो गए तो उन्होंने भागने का फैसला किया। अब इसको लेकर छात्रा के पिता ने पुलिस थाने में मामला भी दर्ज कराया है। पुलिस शिक्षक और छात्रा की तलाश में जुट गई है। टीचर और स्टूडेंट के बीच तकरीबन दो साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था और इस बात की परिजनों को भी भनक लग चुकी थी। इसके चलते परिजन कई बार शिक्षक और छात्रा को समझा चुके थे और काबू में करने की कोशिश कर रहे थे। ये भी सामने आया है कि रविवार को दिन में शिक्षक ने गांव में स्थित एक ई मित्र दुकान से आधार कार्ड व अन्य डॉक्यूमेंट फोटो कॉपी करवाए थे। एक मोबाइल शॉप से ब्लैक में नया सिम कार्ड खरीदने का प्रयास भी किया था, लेकिन दुकान संचालक ने देने से मना कर दिया। परिजनों ने बताया कि शिक्षक और छात्रा दोनों एक ही गोत्र के हैं व दूर के रिश्तेदार भी हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस शिक्षक और छात्रा की तलाश में जुट गई है।

शादी में महिला डांसर को देखने बेकाबू हुई भीड़

डंडे के बल पर आयोजकों को भीड़ को काबू में करना पड़ा

एजेंसी

अलवर। अलवर में तिजारा के धीरियाबास गांव में सोमवार को हुए एक शादी समारोह में महिला डांसर को देखने के लिए भीड़ टूट पड़ी। जिसे काबू में करने के लिए आयोजकों को लट्?ठ लेकर खड़े होना पड़ा। इस दौरान कोरोना संक्रमण की गाइडलाइन की खूब धज्जियां उड़ीं। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भी पुलिस-प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की है। उपखण्ड अधिकारी ने कहा कि वे कुछ दिन मेडिकल पर चले गए थे। तुरंत मामले का पता लगाकर आवश्यक कार्रवाई करते हैं। धीरियाबास गांव में सरपंच जफ्फू ने बताया कि जिस दिन शादी का कार्यक्रम था। वे किसी सामाजिक कामकाज से बाहर गए हुए थे। अगले दिन वायरल वीडियो देखने के बाद उनको इसका पता लगा है। फिर लोगों ने भी खूब आपत्ति जताई है। सरपंच ने बताया कि कमरू के घर शादी थी, वह गरीब व्यक्ति है। परिवार के लड़के महिला डांसर लेकर आ गए होंगे। उसे अधिक जानकारी नहीं है। एसडीएम खेमाराम ने कहा कि वे कई दिनों से मेडिकल अवकाश पर थे। इस मामले का पता कर लेता हूं। इसके बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। एक तरह तो सरकार की जारी गाइडलाइन मे शादी समारोह में 20 से अधिक लोगों के शामिल होने की मनाही है। दूसरी तरफ इस तरह डांसर बुलाकर भीड़ टूट रही है। यही नहीं इस भीड़ में अधिकतर युवा मौजूद हैं। उनके चेहरे पर मास्क तक नहीं है। जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां कोरोना गाइडलाइन का जमकर उल्लंघन हुआ है। भीड़ इतनी अधिक थी कि उसे काबू में करने के लिए एक युवक लट्ठ लेकर खड़ा रहा।

बीजेपी में लेटर बम पर सियासत

सतीश पूनिया ट्वीट कर बोले- अजब सियासत की गजब कहानी, फिर भी तब भी कार्यकर्ताओं के साथ था और आज भी साधारण कार्यकर्ताओं का प्रतिनिधि हूं

एजेंसी

जयपुर। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया का 22 साल पुराना लेटर सामने आने के बाद राजस्थान में सियासत गरमा गई है। चुनावों में टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर 1999 में सतीश पूनिया के भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के तीन पेज के वायरल लेटर पर सियासी हलकों में कई तरह की चर्चाएं हैं। 22 साल पुराने पत्र को अब सामने लाने को पूनिया ने अजब सियासत की गजब कहानी बताया है। पूनिया ने ट्वीट कर लिखा- 22 वर्ष पुराना पत्र इस समय जारी होना अजब सियासत की गजब कहानी है। फिर भी मैं तब भी कार्यकर्ताओं के साथ था अब भी साधारण कार्यकर्ताओं का प्रतिनिधि हूं। पार्टी के मंच पर कही गई बात के बाद ही नेतृत्व ने मुझे पार्टी में महत्वपूर्ण दायित्व दिए जिनका मैंने निष्ठापूर्वक निर्वहन किया। उल्लेखनीय है कि 22 साल पुराने लेटर में सतीश पूनिया ने युवा मार्चा प्रदेशाध्यक्ष पद से इस्तीफा देते वक्त भैरोसिंह शेखावत, हरीशंकर भाभड़ा और ललित किशोर चतुर्वेदी पर पीठ में छुरा घोंपकर टिकट काटने के आरोप लगाए थे। साथ ही राजेंद्र राठौड़ और रामसिंह कसवा को नाम लिए बिना भस्मासुर बताया था।

लेटर बम के पीछे बीजेपी की खींचतान बड़ा कारण

सतीश पूनिया का 22 साल पुराना लेटर ऐसे समय वायरल हुआ है जब बीजेपी के भीतर वसुंधरा राजे खेमे और सतीश पूनिया खेमे के बीच घमासान मचा हुआ है। लेटर बम के पीछे भी इसी घमासान को कारण बताया जा रहा है। इसे वायरल करने के पीछे बीजेपी की भीतरी लड़ाई जिम्मेदार है। सतीश पूनिया ने अपनी प्रतिक्रिया में जोर दिया है कि पार्टी प्लेटफार्म पर बात रखी गई थी। सतीश पूनिया ने उस वक्त के बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष गुलाबचंद कटारिया को तीन पेज का चिट्ठी लिख इस्तीफा दिया था, यह चिट्ठी उस वक्त लीक नहीं हुई थी। इसीलिए सतीश पूनिया ने पार्टी मंच पर ही बात रखने की बात प्रमुखता से कही है।

सतीश पूनिया ने चला साधारण कार्यकर्ता कार्ड

सतीश पूनिया की प्रतिक्रिया में ही लेटर बम विवाद की झलक मिल जाती है। पूनिया ने इसे अजब सियासत की गजब कहानी बताकर विरोधियों को निशाने पर लिया है। दूसरी तरफ आम कार्यकर्ता का प्रतिनिधि बताकर बड़े नेताओं की सियासी चालों की तरफ इशारा किया है। बीजेपी में इस लेटर बम की गूंज कई दिन तक सुनाई देना तय माना जा रहा है। साधारण कार्यकर्ता के प्रतिनिधि बताने के पीछे पार्टी के कैडर की सहानुभूति जीतने का प्रयास की कवायद से जोड़कर देखा जा रहा है।

यूजर्स ने लिखा- यह आपके आसपास बैठने वालों की चाल

सतीश पूनिया के ट्वीट पर यूजर्स ने कई तरह की प्रतिक्रिया दी है। कई यूजर्स ने इसे विरोधियों की चाल बताया है। विनोद कुमार नाम के यूजर ने लिखा- श्रीमान जी, यह आपके आसपास बैठने वाले लोगों की चाल है जो नहीं चाहते कि आप भी मुख्यमंत्री के दावेदार बनें। हमने तो पहले ही बोला था कि सतीश पूनिया जी जैसे साधारण कार्यकर्ता को कभी भी यह लोग मुख्यमंत्री बनने नहीं देंगे सिर्फ राजनीतिक मोहरा बनाकर इस्तेमाल करेंगे।

राजस्थानी ट्वीट ने लिखा- वाह पूनिया जी,सत्य स्वीकारने की हिम्मत तो है आप में वरना दूसरे नेता तो इसे अब तक फर्जी, फेक या एडिटेड बता देते। सचिन खरे ने लिखा- केवल अपनी खीज को जगजाहिर करने 22 वर्ष पुराने वायरल पत्र को पढ़ने पर प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता स्वयं को आपसे और अधिक जुड़ा हुआ पाता है भाईसाहब। पत्र में लिखी गई बातें प्रत्येक कार्यकर्ता के मन की बात अधिक प्रतीत होती है। चिराग चौधरी ने लिखा- एक शेर से गीदड़ों में गजब हलचल है, ये स्वाभाविक है भाईसाहब गीदड़ों का झुंड हमेशा शेर को रोकने के लिए साजिशें रचता है। इतिहास गवाह है गीदड़ आज तक शेर को नहीं रोक पाए, बस एक दहाड़ की देर है ये सब अपने बिलों में रफू-चक्कर हो जाएंगे।

तुरन्त बिकाऊ है

बीकानेर में मुक्ताप्रसाद नगर के साथ महादेव नगर में तीन साईड सड़क अच्छी लोकेशन का यूआईटी पट्टे शुदा प्लॉट साईज 100 X 50 फुट तुरन्त बिकाऊ है।

कृपया वास्तविक खरीददार ही सम्पर्क करें

सम्पर्क करें :
फोन नं. 9057218090

सम्पादकीय

बढ़ता सुरक्षा चक्र

>> मोहन शर्मा

कोरोना की दूसरी लहर ने जिस तरह कहर बरपाया, उससे स्वाभाविक ही चिकित्सा विशेषज्ञों और चिकित्सा कर्मियों की चिंता बढ़ी है। पहली लहर में अठारह साल से कम उम्र के बच्चों पर संक्रमण का खतरनाक असर नहीं देखा गया था। मगर दूसरी लहर में नवजात बच्चों तक पर इसका प्रभाव पड़ा। इसकी बड़ी वजह है कोरोना विषाणु का तेजी से अपना स्वरूप बदलना। दूसरी लहर में इसका डेल्टा स्वरूप उभरा, तो अब उसने बदल कर उससे भी खतरनाक स्वरूप ग्रहण कर लिया है। फिलहाल उससे संक्रमित मरीजों की संख्या कम है, पर उसका खतरा लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में बच्चों की सेहत को लेकर चिंता गहरी हुई है। कोरोना से पार पाने का मुख्य हथियार फिलहाल टीकाकरण माना जा रहा है। मगर भारत में अठारह साल से कम उम्र के बच्चों के लिए अभी तक टीका उपलब्ध नहीं था। अच्छी बात है कि अब बच्चों के लिए टीके का परीक्षण भी अपने अंतिम चरण में है और यह जुलाई के अंत या फिर अगस्त के पहले सप्ताह तक यह टीकाकरण केंद्रों पर उपलब्ध हो सकेगा। कोविड-19 कार्य समूह के प्रमुख ने आश्वस्त किया है कि जाइडस कैडिला का जाइकोव-डी नामक यह टीका, जुलाई के बाद अगले एक-दो महीने के भीतर, बारह से अठारह वर्ष आयुवर्ग के कम से कम एक करोड़ बच्चों को लगाया जा सकेगा। अभी तक अठारह साल से कम उम्र के बच्चों का टीकाकरण न होने की वजह से पढ़ाई-लिखाई संबंधी तमाम गतिविधियां रोकनी पड़ी हैं। दसवीं-बारहवीं की बोर्ड परीक्षाएं रद्द करनी पड़ीं। ऊपर की दूसरी कक्षाओं के विद्यार्थियों को भी दो सत्रों में परेशानियां झेलनी पड़ी हैं। इसके चलते प्रतियोगी परीक्षाएं भी टाली गई हैं। इस तरह विद्यार्थियों की पढ़ाई-लिखाई का काफी नुकसान हो रहा है। दाखिले, कक्षाओं के संचालन और परीक्षा आदि को लेकर शिक्षण संस्थाओं ने इस समस्या का हल निकालने का प्रयास किया है। मगर स्कूल न जाने, बाहरी गतिविधियां रुक जाने, उच्च अध्ययन से जुड़ी कई तकनीकी गतिविधियां बाधित होने की वजह से बच्चों के व्यक्तित्व विकास पर तो प्रभाव पड़ ही रहा है, उनमें कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी नजर आने लगी हैं। इसलिए स्कूल-कॉलेज खोलना सरकारों के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। अभी तीसरी लहर की अशंका जताई जा रही है, जिसमें बच्चों पर खतरनाक प्रभाव पड़ने को लेकर चिंता व्याप्त है। मगर स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि बच्चों का टीकाकरण शुरू होने के बाद पढ़ाई-लिखाई संबंधी गतिविधियों को सुचारु बनाने पर विचार किया जा सकता है। कोरोना विषाणु के बदलते स्वरूप की वजह से संक्रमित लोगों के शरीर में कई चिंताजनक और लंबे समय तक बनी रहने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी उभर रही हैं। ऐसे में अगर किसी व्यक्ति को कम उम्र में ही इसका संक्रमण हो जाता है, और जैसा कि तीसरी लहर में कोरोना के बदले स्वरूप के ज्यादा खतरनाक ढंग से सिर उठाने की आशंका व्यक्त की जा रही है, तो कई लोगों को जीवन भर उन परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अभी बहुत सारे माता-पिता के लिए समस्या है कि वे कब तक बच्चों को घर की चारदीवारी में कैद करके रख सकते हैं। बच्चे उस तरह सावधानी भी नहीं बरत पाते, जैसे अधिक उम्र के लोग बरतते हैं। इसलिए अठारह वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए टीकाकरण अभियान की शुरुआत से निस्संदेह लोगों को राहत मिलेगी और सुरक्षा का चक्र कुछ और मजबूत होगा।

सारा संसार

नोम पेन्ह कम्बोडिया की राजधानी और कम्बोडिया का सबसे बड़ा शहर है। नोम पेन्ह एशिया महाद्वीप के सबसे गतीशीलों में से एक होने के कारण दुनिया भर में लोकप्रिय गंतव्य है। नोम पेन्ह कम्बोडिया के प्राचीन और आधुनिक इतिहास को समेटे हुए है। नोम पेन्ह में मुख्य आकर्षण के रूप में नेशनल म्यूजियम कैफे और विभिन्न रेस्तरां शामिल है।

व्यंग्य

डॉ. विलास जोशी

तीसरे मोर्चे की खिचड़ी

लोकसभा चुनाव 2024 में होने हैं, लेकिन कुछ छोटे-छोटे दलों ने उसके लिए अभी से कमर कसनी शुरू कर दी है। उसी के तहत एक तीसरा मोर्चा खड़ा किया गया है। ये तीसरा मोर्चा 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में सत्ताधारी पार्टी को चुनौती देने की तैयारी कर रहा है। इसी की कारागिरी जमाने के लिए तीसरे मोर्चे के मुखियाजी ने अपने प्रदेश से राजधानी आकर कुछ छोटे छोटे राजनीतिक दलों को इकठ्ठा कर 'एक नई टेस्टी खिचड़ी' पकाने का प्रयास किया। इस खिचड़ी में शामिल दाल चावल की किस्म अलग-अलग तरह की थीं, जिनके आचार विचार और गुण धर्म एक दूसरे से एकदम अलहदा थे, इसलिए लगता है कि ये खिचड़ी ठीक से पकी नहीं। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि-लगता नहीं है कि तीसरा या चैथा मोर्चा भी बीजेपी को चुनौती दे पाएगा। संभव है इसीलिए तीसरे मोर्चे के मुखियाजी को दबी भाषा में यह कहना पड़ा कि हमारी ये मीटिंग सत्ताधारी दल के विरोध में नहीं थी। जब मुखियाजी ने ऐसा बयान दिया तो लोगों के मन में सवाल उठने लगे कि भैया, अभी न तो होली है और न ही दिवाली, तो फिर ये मोर्चा जमाने की जुगत आपने क्यों कर जमाई? खैर, जनता जनार्दन तो यह समझते है कि मुखियाजी के मन में देश का प्रधानमंत्री बनने की लालसा लगी है और वे यह सोच सकते है कि जब फलां ...फलां प्रधानमंत्री बन सकता है,तो मैं क्यो नहीं? लगता है गाहे बगाहे वे अपनी यह लालसा तीसरा मोर्चा बनाकर पूरी करना चाहते हैं? शायद वे यह अच्छी तरह से जानते है कि फिलहाल के राजनीतिक दृश्य में कोई एक पार्टी भी ऐसी नहीं है जो अपने बलबुते पर बहुमत लेकर आए और सत्ता में बैठ जाए। फिर उनका ये सपना पूरा कैसे हो,अब वे इस जुगाड़ में लग गए हैं। शायद किसी राजनीतिक रणनीतिकार ने उन्हे यह सलाह दी हो कि आप एक बार तीसरा मोर्चा बनाने के लिए राजनीति के भरें इस तालाब में एक कंकड़ तो मार के देखिए, शायद बात बन जाए? कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का विचार है कि लोकसभा चुनाव 2024 में विपक्षी राजनीतिक पार्टियों का कोई भी मोर्चा सफल होनेवाला नहीं है, क्योंकि वर्तमान में जो पार्टी सत्ताधारी है, वह अच्छा काम कर रही है, बजाए पुरानी पार्टियों के, जो कि अभी तक केन्द्र की सत्ता में रही है। यहां विशेष उल्लेखनीय है कि इसके पहले भी समस्त विरोधी दलो को एक मंच पर लाकर 1977 में लोकसभा चुनाव लड़ा गया,जिसमें समस्त विरोधी दलों ने अपने अपने झंडे छोड़कर एक 'जनता पार्टी ' बनाई थी। वह लोकसभा चुनाव जीत भी गई थी। लेकिन उसका क्या हश्र हुआ यह जनता जनार्दन के सामने है। सत्ता में आने के बाद हर पार्टी अपना मनचाहा मंत्रायल चाहने के लिए जिद करने लगीं। कुछ एक पार्टी के दिग्गज नेता तो प्रधानमंत्री बनने के लिए जुगाड़बाजी करने लगे। परिणामतः पूरी जनता पार्टी एक ताश के पत्तों के महल' की तरह धराशायी हो गई। उसके बाद से विरोधी दल एक पार्टी बनाकर चुनाव लड़ने की सोच भी नहीं सके। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी मानना है कि संभव है कि तीसरे मोर्चे की इस मीटिंग के बाद उसके मुखियाजी अपने सारे पत्ते अभी नहीं खोलना चाहते हों या वे 2024 के आने का इंतजार कर रहे हों और उसके बाद ही अपनी खिचड़ी पकाने के के चक्कर में हों?

वायरस संकट

प्रभुनाथ शुक्ल

अब डेल्टा प्लस की चुनौती

कोविड-19 वायरस वैश्विक संकट बना हुआ है। अब तक लाखों लोगों की जान जा चुकी है। अभी यह कहना मुश्किल है कि यह लड़ाई कब तक चलेगी। इस बीच, कोविड के डेल्टा प्लस वैरियंट के रूप में अब तीसरी लहर ने भी डरावनी दस्तक दी है। इस लड़ाई को जीतने के लिए दुनिया भर के सांइसदान और सरकारें लगी हैं। भारत में तीन लाख 80 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि वैश्विक आंकड़े इसके आठ गुने से भी अधिक हो सकते हैं। भारत में लोगों को संक्रमण से बचाने के लिए केंद्र सरकार ने मुफ्त वैक्सीन की घोषणा की है। सरकार चाहती है कि तीसरी लहर के पूर्व अधिक से अधिक वैक्सीनेशन हो जाए।

डेल्टा प्लस वैरिएंट को देखते हुए वैक्सीनेशन को रफ्तार देना जरूरी भी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि देश के 12 राज्यों में डेल्टा प्लस वैरिएंट के 51 मामले सामने आ गए हैं, जिसमें महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा दर्ज किए गए हैं। अभी तक यह दस देशों में देखा गया है, जिसमें भारत के साथ पोलैंड, पुर्तगाल, अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, चीन, स्विट्जरलैंड व नेपाल जैसे देश शामिल हैं, डेल्टा विषाणु दुनिया के 80 मुल्कों में पाया गया है जिसमें भारत भी शामिल है। डेल्टा प्लस को अभी खतरनाक श्रेणी में नहीं रखा गया है। अभी यह वैरियंट ऑफ इंटरेस्ट की श्रेणी में हैं, जबकि वैरियंट ऑफ कंसर्न की स्थिति खतरनाक होती है। प्रयोगशालाओं के जरिए जो नतीजे आए हैं उसमें कहा गया है कि डेल्टा प्लस फेफड़ों की कोशिकाओं को तेजी से प्रभावित करता है। इसके अलावा शरीर में मौजूद मानोक्लोनल प्रतिरक्षा सिस्टम को भी कमजोर करता है। जिसकी वजह से यह बेहद खतरनाक हो सकता है। वैज्ञानिक शोध में बताया गया है कि सबसे पहले यह यूरोप में पाया गया था। माना जा रहा है कि यह वैरियंट भारत में तीसरी लहर का कारण बन सकता है। अगर इस तरह की स्थितियां पैदा हुईं तो हालात बेहद बदतर होंगे, क्योंकि देश अभी तक दूसरी लहर से भी नहीं ऊबर पाया है। वैज्ञानिकों की तरफ से दी गयी तीसरी लहर की चेतावनियों ने देशवासियों की चिंता बढ़ा दी है।

कोविड-19 का वैज्ञानिक विश्लेषण करें तो यह वायरस पूरी तरह बहुरुपिया है। वैज्ञानिक शोध और प्रयोगों में यह साबित हो चुका है कि अब तक यह कई स्वरूप बदल चुका है। दुनिया में यह कब तक रहेगा, यह कहना मुश्किल है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कोरोना का जो नामकरण किया है, उसके अनुसार डेल्टा, कप्पा, अल्फा, बीटा, गामा, डेल्टा और अब डेल्टा प्लस भी आ गया है। भारत में दूसरी लहर जो चल रही है वह डेल्टा वैरियंट की वजह से ही है। अब तक यह बेहद खतरनाक साबित हुआ है। दूसरी लहर में सबसे अधिक लोगों की मौत हुई। अब उसका विकसित रूप डेल्टा प्लस वैरियंट सामने आ चुका है। अगर इस पर समय से तीनों राज्यों ने नियंत्रण नहीं किया तो स्थिति भयावह हो सकती है। भारत के प्रसिद्ध विषाणु विशेषज्ञ शाहीद जमील ने भी चिंता और आशंका जाहिर की है कि

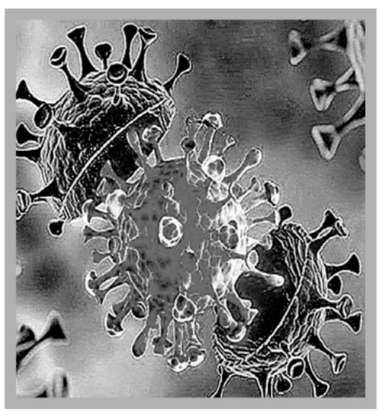

डेल्टा प्लस वैरियंट वैक्सीन और इम्युनिटी को भी मात दे सकता है। मतलब साफ है कि अगर डेल्टा प्लस वैरियंट का संक्रमण जिस व्यक्ति को हुआ उसकी मुश्किल बढ़ सकती है। क्योंकि वैक्सीन लेने और शरीर में बेहतर इम्युनिटी विकसित होने के बाद भी यह विषाणु प्रभावशाली होगा। इससे यह साबित होता है कि यह इम्युन सिस्टम को भी धता बता सकता है। अभी तक लोगों को भरोसा था कि अगर उन्होंने वैक्सीन ली है और शरीर का इम्युन सिस्टम ठीक है तो कोरोना से लड़ना आसान होगा। ऐसे लोगों के स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ेगा।

डेल्टा प्लस वैरिएंट को लेकर चिकित्सा विज्ञानियों का कहना है कि यह फेफड़ों की कोशिकाओं के रिसेप्टर पर दोगुना तेजी से चिपकता है। खतरनाक निमोनिया और अंगों में सूजन की आशंका भी ज्यादा होगी। चिकित्सकों के मुताबिक कोरोना वायरस की सतह पर मिलने वाला स्पाइक प्रोटीन कोशिकाओं से चिपककर शरीर में पहुंचता है। डेल्टा प्लस वैरिएंट में वायरस के स्पाइक प्रोटीन में बदलाव देखे गए हैं, जो कोशिकाओं के रिसेप्टर से और तेजी से चिपकेगा। माइक्रोबायोलाजिस्ट ने बताया है कि गुजरी लहर में डेल्टा वायरस सक्रिय रहा होगा, जिसकी प्रोटीन में बदलाव हुआ है। ऐसे में डेल्टा प्लस के बारे में रिसर्च की जा रही है। हालांकि दुनिया के कई देशों में मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में भारत जैसे ज्यादा जनसंख्या घनत्व वाले देश को बेहद सावधान रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा वायरस में म्यूटेशन से जरूरी नहीं कि यह खतरनाक और संक्रामक ही बनेगा, कमजोर भी पड़ सकता है। सांस व छाती रोग विशेषज्ञों के अनुसार, डेल्टा प्लस अन्य वैरिएंट से 40-60 फीसदी ज्यादा संक्रामक है। यह लंग्स में पिछले स्ट्रेन की तुलना में तेजी से चिपकेगा, लिहाजा निमोनिया ज्यादा गंभीर हो सकता है। डेल्टा प्लस वैरिएंट सिर्फ 15 सेकंड के संपर्क में एक से दूसरे में फैल सकता है। दो और साल तक कोरोना संक्रमण बने रहने की आशंका है। तीसरी के बाद भी लहरें आएंगी, और वायरस कमजोर पड़ता जाएगा। नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑफ इम्यूनाइजेशन (एनटीएजीआई) के अध्यक्ष डॉक्टर एनके अरोरा का कहना है कि कोरोना के बाकी वैरिएंट के मुकाबले, डेल्टा प्लस वैरिएंट फेफड़ों तक जल्दी और आसानी से पहुंच जाता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि ये वैरिएंट ज्यादा संक्रामक है या इससे गंभीर कोरोना हो सकता है।

महाराष्ट्र सरकार ने तो पूरी आशंका जताई है कि कोरोना की तीसरी लहर डेल्टा प्लस वैरियंट से आ सकती है। सरकार और वैज्ञानिक इस पर लगातार शोध कर रहे हैं। देश में अच्छी बात यह है कि इस वैरिएंट को लेकर जीनोम सिक्वेंसिंग पहले से ही की जा रही है। इस वैरिएंट को फैलने से रोकना है तो वैक्सीनेशन को और तेज करना होगा। हमारा राष्ट्रीय दायित्व भी बनता है कि हम भीड़-भाड़ से बचें। मास्क, साबुन और सैनिटाइजर का उपयोग करें। प्रोटोकाल का पालन करें। नियमित योग कर फेफड़ों को मजबूत रखें। परिवार के लोगों को पूरी तरह वैक्सीनेट करवाएं। घर से निकलना आवश्यक न हो तो सुरक्षित घर में रहें। फिलहाल यह लड़ाई सिर्फ सरकार और वैज्ञानिकों के भरोसे नहीं लड़ी जा सकती। हमें भी एक साथ आना होगा तभी हम मजबूती से यह जंग जीत सकते हैं। डेल्टा प्लस वैरिएंट तीसरी लहर का कारण बनेगा, ये कह पाना अभी जल्दबाजी होगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

> नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑफ इम्यूनाइजेशन (एनटीएजीआई) के अध्यक्ष डॉक्टर एनके अरोरा का कहना है कि कोरोना के बाकी वैरिएंट के मुकाबले, डेल्टा प्लस वैरिएंट फेफड़ों तक जल्दी और आसानी से पहुंच जाता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि ये वैरिएंट ज्यादा संक्रामक है या इससे गंभीर कोरोना हो सकता है। देश में अच्छी बात यह है कि इस वैरिएंट को लेकर जीनोम सिक्वेंसिंग पहले से ही की जा रही है। इस वैरिएंट को फैलने से रोकना है तो वैक्सीनेशन को और तेज करना होगा। हमारा राष्ट्रीय दायित्व भी बनता है कि हम भीड़-भाड़ से बचें। मास्क, साबुन और सैनिटाइजर का उपयोग करें। प्रोटोकाल का पालन करें।

स्वभाव की तलाश

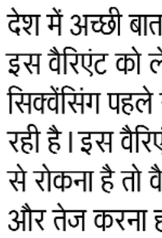

संकलित

दर्शन

एक रूप (जवानी) बन नहीं पाता कि दूसरा रूप (बुढ़ापा) भीतर से आकर खबर देता है कि चलने की तैयारी है। इसलिए रूप के साथ कभी भी आनंद नहीं हो सकता। आकार के साथ कभी आनंद नहीं हो सकता। दुख ही होगा, संताप ही होगा, एंग्विश ही होगी, नर्क ही होगा। इसलिए भगवान कृष्ण जैसे लोग बार-बार दोहराते हैं कि वह जो अरूप है, वह जो शाश्वत है, वह जो नहीं विनष्ट होता है, वह परम आनंद भी है। और अपना स्वरूप अर्थात स्वभाव अध्यात्म है। बड़ी कीमत का सूत्र कहा है। यह एक सूत्र भी गीता को गीता बना देने के लिए काफी है। बाकी सब फेंक दिया जाए, तो चलेगा। स्वभाव अध्यात्म है--काफी है। लाओत्से ने अपनी जिंदगी भर इस सूत्र के अतिरिक्त किसी सूत्र की व्याख्या नहीं की-स्वभाव अध्यात्म है। नहीं, लेकिन गीता पढ़ने वाले को भी इस सूत्र पर ज्यादा ध्यान नहीं जाता कि स्वभाव अध्यात्म है। क्या मतलब है? स्वभाव अध्यात्म है का अर्थ है कि अपने भीतर उसकी तलाश कर लेनी है, जो सदा से है और मेरा बनाया हुआ नहीं है। स्वभाव अध्यात्म है, इसका अर्थ है, मुझे उसे खोज लेना है, जिसके द्वारा मेरा सब कुछ बना है और जो स्वयं अनबना है, अनक्रिएटेड है। लेकिन हम सब तो इतने कृत्रिम हैं कि उस स्वभाव का पता लगाना बहुत मुश्किल होगा। हम तो कृत्रिम होने की एक इतनी बड़ी भीड़ हैं कि हम कौन हैं, हमें इसका ही पता नहीं है।

जीवन एक मनोवैज्ञानिक युद्ध

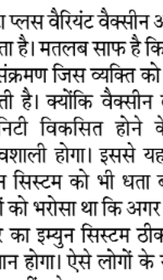

संकलित

प्रेरणा

सामान्यतः आम इंसान के लिए जीवन मनोवैज्ञानिक युद्ध बनकर रह जाता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं- एडॉलसेंस (दस से चौदह साल के बीच की उम्र) बड़ी पीड़ा का वक्त है। पुराना रूप छूटता नहीं, नया रूप असर्ट करता है, तोड़ता है। जैसे बीज टूटता हो, तो पीड़ा तो होगी। फिर एक आदमी बामुश्किल इसमें प्रवेश कर जाता है। काफी वक्त लगता है। किसी तरह प्रवेश कर जाता है। फिर जवानी के साथ ठहर जाता है। तो थोड़े ही दिनों में बुढ़ापा धक्के देने लगता है। तो बड़ी मुश्किल होती है; फिर बड़ी मुश्किल होती है। मुल्ला नसरुद्दीन से किसी ने पूछा है; एक दिन शराबघर से लौटता है, एक मित्र ने उससे कहा कि नसरुद्दीन, बुढ़ापे के लक्षण शुरू हो गए। तुम्हारे बाल सफेद पड़ने लगे। नसरुद्दीन ने कहा, फिक्र छोड़ो बालों की। बाल हो जाएं सफेद, दिल तो अभी भी काला है। बाल जब सफेद हो जाते हैं, तब भी जवानी पीछा तो नहीं छोड़ती; वह असर्ट करती है। तब फिर रूप का संघर्ष शुरू हो जाता है। किसी तरह बामुश्किल जिंदगी के साथ ठहर नहीं पाते कि मौत दरवाजे पर दस्तक दे देती है कि चलो, वक्त हो गया। इधर अभी हम आ भी नहीं पाए थे, उधर जाने का वक्त हो गया। ठहर भी नहीं पाए थे कि तंबू उखाड़ो। अभी बल्लियां गाड़ ही रहे थे, अभी खूंटियां लगाई ही थीं, अभी तंबू पूरा फैल भी नहीं पाया था कि लो उखड़ने का भी वक्त आ जाता है।

सुरक्षा को धता

जम्मू स्थित वायुसेना के अड्डे पर आतंकी हमले ने एक बार फिर देश की सुरक्षा के लिए चुनौती खड़ी कर दी है। शनिवार आधी रात के बाद वायु सेना के ठिकाने पर ड्रोन के जरिए बम गिराए गए। यह पहला मौका है जब आतंकी हमले में ड्रोन का इस्तेमाल हुआ है। यह हमला गंभीर चिंता का विषय इसलिए है कि किसी सैन्य अड्डे जैसे संवेदनशील ठिकाने को ड्रोन के जरिए निशाना बनाया गया। इससे यह भी स्पष्ट हो चला है कि आतंकी अब घात लगा कर हमले करने के बजाय अत्याधुनिक तकनीक काम में ले रहे हैं। कश्मीर में आतंकियों के सफाए के लिए सेना ने जिस तरह से अभियान छेड़ रखा है, उससे आतंकियों के हौसले पस्त पड़े हैं। इसलिए हमले करने के लिए अब वे नए-नए तरीके आजमा रहे हैं। कहने को जम्मू-कश्मीर और इससे लगी पाकिस्तान सीमा पर पर कड़ी चौकसी है। चाकचौबंद सुरक्षा के दावे हैं। सेना, अर्धसैनिक बल, स्थानीय पुलिस सहित सारे बल दिन-रात कड़ी सुरक्षा में लगे हैं। इतना सब कुछ होते हुए भी अगर ऐसे हमले हो जाएं तो सुरक्षा के मसले पर सवाल तो खड़े होंगे ही। जो भी हो, ड्रोन हमले से यह आशंका गहराने लगी है कि ऐसे हमले कहीं आए दिन की घटना न बनने लगें। सैन्य ठिकानों की सुरक्षा व्यवस्था कोई मामूली नहीं होती। ऐसे में कहीं से ड्रोन आने की भनक भी न लग पाना हैरान करने वाली बात है। अभी तो यही पता नहीं चल सका है कि ड्रोन आए कहां से और हमला करके कहां लौट गए। हालांकि वायुसेना ने अभी तक इसे आतंकी हमला नहीं कहा है। जबकि जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक ने इसे आतंकी हमला बताया है। फिलहाल मुद्दा आतंकी हमला होने या नहीं होने का नहीं है, बल्कि गंभीर सवाल यह है कि ड्रोन वायु सेना अड्डे पर हमला कैसे कर गए। इससे पता चलता है कि वायु सेना के अड्डे पर सुरक्षा संबंधी जो बंदोबस्त होने चाहिए, वे नहीं हैं। दुश्मन को हमारी नस-नस पता है। बताया जा रहा है कि सीमा पर लगे रडार ड्रोन का पता नहीं लगा पाते। इसलिए ऐसी रडार प्रणाली लगानी होगी जो चिड़िया के आकार वाले ड्रोन का भी पता लगा ले। देश के कई वायु सेना अड्डों पर एंटी-ड्रोन प्रणाली लगी है। लेकिन जम्मू के इस वायु सेना अड्डे पर यह नहीं है। होती तो शायद यह हमला न हो पाता। यह हमला ऐसे वक्त में हुआ है जब हाल में कश्मीर के मुद्दे पर दिल्ली में प्रधानमंत्री ने सर्वदलीय बैठक की है। इसमें कोई संदेह नहीं कि घाटी में राजनीतिक प्रक्रिया शुरू होने से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। इसमें भी कोई शक नहीं कि ड्रोन हमले जैसी करतूत किसी आतंकी संगठन की रही होगी, जिसे पड़ोसी देश से हर तरह की मदद मिल रही होगी। हालांकि अभी यह जांच का विषय है कि ड्रोन पाकिस्तान की तरफ से आया या फिर कश्मीर में से ही किसी सक्रिय आतंकी संगठन ने इस हमले को अंजाम दिया।

करंट अफेयर

दो महिला अधिकार कार्यकर्ता हुए रिहा

सऊदी अरब की दो महिला अधिकार कार्यकर्ताओं को जेल से रिहा कर दिया गया है। इससे करीब तीन साल पहले युवराज (क्राउन प्रिंस) मोहम्मद बिन सलमान ने अधिक स्वतंत्रता दिए जाने की शांतिपूर्ण रूप से वकालत करने वाली महिला कार्यकर्ताओं के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की थी। मानवाधिकार समूहों ने दो महिला अधिकार कार्यकर्ताओं को रिहा किए जाने की रविवार को जानकारी दी। ऐसा प्रतीत होता है कि 2018 की कार्रवाई में हिरासत में ली गईं सभी कार्यकर्ताओं को जेल से रिहा कर दिया गया है, लेकिन एक महिला कार्यकर्ता माया अल जहरानी की रिहाई के बारे में अभी स्पष्ट जानकारी नहीं है। मुख्य रूप से सऊदी अरब पर ध्यान केंद्रित करने वाले लंदन स्थित 'एएलक्यूएसटी' अधिकार समूह ने बताया कि दो महिलाओं - समर बदावी और नसीमा अल-सदा - को शनिवार देर रात या रविवार तड़के रिहा कर दिया गया। 'ह्यूमन राइट्स वॉच' ने भी उनकी रिहाई की पुष्टि की। महिलाओं को पांच साल के कारावास की सजा सुनाई गई थी, जिनमें से दो साल की सजा निलंबित कर दी गई है। इन महिलाओं ने सऊदी अरब के पुरुष संरक्षकता कानूनों की खुलकर आलोचना की थी।

ऑफ बीट

यूएफओ की व्याख्या नहीं की जा सकती : पेंटागन

यूएफओ की जांच करने वाले एक अमेरिकी कार्य बल की रिपोर्ट ने इस विचार की न तो पुष्टि की है और न ही इसे खारिज किया है कि इस तरह की चीजों का दिखाई देना पृथ्वी पर एलियंस के आने का संकेत हो सकते हैं। हाल में राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (ओडीएनआई) के कार्यालय ने इस संबंध में अपनी चिरप्रतीक्षित अवर्गीकृत खुफिया रिपोर्ट ' प्रारंभिक आकलन : अज्ञात हवाई गतिविधि' शीर्षक से जारी की। दस्तावेज़ कांग्रेस की सेवाओं और सशस्त्र सेवा समितियों को प्रदान की गई एक बड़ी वर्गीकृत रिपोर्ट का एक संक्षिप्त नौ-पृष्ठ का संस्करण है। यह 'अज्ञात हवाई गतिविधि (यूएपी) द्वारा उत्पन्न खतरे और इस खतरे को समझने में रक्षा विभाग के कार्य बल द्वारा की गई प्रगति' का आकलन करता है। रिपोर्ट ने निश्चित रूप से यह निष्कर्ष नहीं निकाला कि यूएफओ दूसरी दुनिया के अंतरिक्ष यान हैं हालांकि बहुत लोग ऐसी उम्मीद कर रहे थे। इसका सीधा मतलब है कि दस महीने पहले इसके गठन के बाद से कार्यबल ने ज्यादा प्रगति नहीं की। हालांकि इसके काम को देखते हए यह अपने आप में हैरान करने वाला है। हालांकि टास्क फोर्स का अस्तित्व सिर्फ एक साल पहले तक कई लोगों के लिए अकल्पनीय रहा होगा।

टीकाकरण में तेजी

यह संतोष और गर्व का विषय है कि भारत दुनिया में सबसे अधिक लोगों का टीकाकरण करने वाला देश बन गया है। ग्लोबल वैक्सीनेशन ट्रैकर के अनुसार टीकाकरण के मामले में भारत ने अमेरिका, ब्रिटेन, इटली, जर्मनी आदि को पीछे छोड़ दिया है। इस ट्रैकर में चीन को जगह नहीं मिली तो इसीलिए, क्योंकि जिस तरह उसके कोविड रोधी टीके अविश्वसनीय हैं, उसी तरह टीकाकरण के उसके आंकड़े भी। जहां भारत में अभी तक 32 करोड़ से अधिक लोगों को टीका लगाया जा चुका है, वहीं दूसरे नंबर पर दिख रहे अमेरिका में इससे कम लोगों को टीके लगे हैं। यह इसलिए उल्लेखनीय है, क्योंकि अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य दूसरे देशों में भारत से कहीं पहले टीकाकरण शुरू हो गया था। बावजूद इस उपलब्धि के इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए भारत के मुकाबले अमेरिका और ब्रिटेन की आबादी कहीं कम है। स्पष्ट है कि भारत को इस उपलब्धि पर उत्साहित होते समय यह नहीं भूलना चाहिए कि उसे अमेरिका से कई गुना अधिक आबादी का टीकाकरण करना है। ऐसे में यह आवश्यक है कि टीकाकरण की मौजूदा रफ्तार कायम रहे। भारत ने दिसंबर तक सभी पात्र लोगों के टीकाकरण को अपना लक्ष्य बनाया है। यह लक्ष्य तय समय से पहले ही हासिल करने की कोशिश की जानी चाहिए, क्योंकि बच्चों का भी टीकाकरण किया जाना है। निःसंदेह टीकाकरण नीति में बदलाव के बाद टीका लगाने में अप्रत्याशित तेजी आई है और प्रतिदिन करीब 60 लाख लोगों को टीके लगाए जा रहे हैं, लेकिन यह भी एक तथ्य है कि अभी भी तमाम लोग ऐसे हैं, जो टीका लगवाने से हिचक रहे हैं। इसी हिचकिचाहट को भांपकर ही पिछले दिनों अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात में प्रधानमंत्री ने लोगों को टीकों से जुड़ी अफवाहों से दूर रहने की सलाह देते हुए इसके लिए आगाह किया था कि यह समझने की भूल न करें कि कोविड महामारी खत्म हो गई है। यह देखना दुखद है कि टीकाकरण को लेकर तमाम जागरूकता अभियान चलाए जाने के बाद भी जहां कुछ लोग टीका लगवाने के लिए उत्सुक नहीं, वहीं कुछ किस्म-किस्म की अफवाहों के शिकार हैं। कुछ ऐसे भी हैं, जो अज्ञानता से ग्रस्त हैं या फिर टीके के दुष्परिणामों को लेकर बेवजह चिंतित हैं। सबसे दुखद यह है कि कुछ पढ़े-लिखे लोग सरकार के अंधविरोध से इस कदर ग्रस्त हैं कि टीका लगवाने से इन्कार कर रहे हैं। कई नेता भी ऐसे हैं, जो यह पता नहीं चलने देना चाहते कि उन्होंने टीका लगवा लिया है या नहीं? ऐसे लोग केवल टीकाकरण में ही बाधक नहीं बन रहे हैं, बल्कि लोगों को गुमराह कर उनकी जान से खिलवाड़ भी कर रहे हैं।

जुलाई में 4 ग्रह बदलेंगे चाल, ये राशियां होंगी मालामाल !

ज्योतिष की दृष्टि से जुलाई 2021 का महीना बहुत महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस महीने जहां सावन की शुरुआत होगी, वहीं मंगल, सूर्य, बुध और शुक्र ये 4 ग्रह भी अपनी राशि बदलेंगे। चंद्रमा तो हर अढाई दिन बाद अपनी राशि बदलते रहते हैं। जबकि शनि मकर राशि में, राहु वृषभ राशि में और केतु पूरा साल वृश्चिक राशि में गोचर करते रहेंगे। देव गुरु बृहस्पति भी अभी कुंभ राशि में गोचर कर रहे हैं और 15 सितंबर तक यही रहने वाले हैं। जुलाई महीने में ग्रहों के बदलाव की शुरुआत 7 जुलाई से होगी जब बुध मिथुन राशि में गोचर करेंगे। बुध ग्रह को हमारी बुद्धि, विवेक और वाणी का प्रतीक माना जाता है। इन्हें बिजनेस का कारक भी माना जाता है। बुध ग्रह जुलाई महीने में दो बार राशि परिवर्तन करेंगे। 7 जुलाई को मिथुन राशि में आएंगे तो 25 मई को उनका कर्क राशि में गोचर होगा। ज्योतिष में आत्मा का कारक माने जाने वाले सूर्य 16 जुलाई को कर्क राशि में आ जाएंगे और इस दिन सक्रांति होगी। कर्क राशि चंद्रमा की राशि है और यह सूर्य की मित्र राशि है।

सूर्य ऐसा ग्रह है जो कभी वक्री गति नहीं करता। वहीं कुंडली में ये आत्मा का कारक ग्रह होने के साथ ही हमारे मान-सम्मान व अपमान का भी कारक माना जाता है। जिस व्यक्ति की कुंडली में सूर्य मजबूत स्थिति में होता है, उसे समाज में मान-सम्मान और समृद्धि की प्राप्ति होती है। सूर्य का राशि परिवर्तन का सभी राशियों पर असर पड़ता है। सूर्य के राशि परिवर्तन के 1 दिन के बाद 17 जुलाई को शुक्र ग्रह भी सूर्य की सिंह राशि में गोचर करेंगे।

ज्योतिष में ऐश्वर्या, सौंदर्य, ग्लैमर, प्रेम, विलासिता और सुख समृद्धि का प्रतीक माने जाने वाले शुक्र ग्रह को नैसर्गिक भोग विलास व दाम्पत्य का कारक भी माना जाता है। अंग्रेजी में इसे वीनस कहा गया है। यानी सौंदर्य की देवी। तुला राशि में शुक्र मजबूत स्थिति में होते हैं और जीवन में सुख सुविधाओं की बरसात करते हैं। फ़िल्म इंडस्ट्री, फ़ैशन, गीत-संगीत, ललित-कलाओं में भी शुक्र का प्रतिनिधित्व होता है। अब चौथे ग्रह की बात करते हैं जिनका जुलाई महीने में राशि परिवर्तन होगा और वह ग्रह मंगल ग्रह है। मंगल ग्रह 20 जुलाई को सूर्य की सिंह राशि में गोचर करेंगे जहां शुक्र के साथ उनका कंबीनेशन बनेगा।

जुलाई महीने में बन रहे ग्रहों के कंबीनेशन का सभी 12 राशियों पर प्रभाव पड़ने वाला है। आइए जानते हैं किस राशि पर क्या प्रभाव पड़ेगा-

■ मेष राशि वालों के दांपत्य जीवन में खुशियां आएंगी। प्रमोशन का योग भी बनेगा। लंबे अरसे से कोई काम जो अटका हुआ था, वह बन जाएगा।

■ वृषभ राशि वालों की जहां परेशानियां कम होंगी, वहीं शुभ कार्यों पर भी खर्च होगा ।

■ मिथुन राशि जिस पर शनि की ढैया भी चल रही है, के लिए ग्रहों की स्थिति मिली-जुली रहेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से सतर्क रहनाा होग।

■ कर्क राशि वालों के लिए समय मिलाजुला रहने वाला है। अपनी नीच राशि में आकर मंगल आप के गुस्से को बढ़ा सकते हैं आपको अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना होगा लेकिन अच्छी बात यह भी होगी कि आपके विरोधी नतमस्तक होंगे। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ धन भी वापस मिलने के चांस है।

■ सिंह राशि वालों को शत्रुओं के चालों से बच कर रहना होगा। लेकिन इस राशि के विद्यार्थियों का विदेश जाकर पढ़ने का सपना अब मूर्त रूप ले सकता है।

■ कन्या राशि वालों का आत्मविश्वास बढ़ेगा। तरक्की के रास्ते खुलते चले जाएंगे।

■ तुला राशि वालों की प्रॉपर्टी में इजाफा होगा। पारिवारिक जीवन में मधुरता आएगी। लेकिन शनि की ढैया और शनि की उल्टी चाल की वजह से थोड़ा आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा।

■ वृश्चिक राशि वालों का समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। आर्थिक जीवन में तरक्की मिलेगी और संतान संबंधी चिंता भी दूर होगी।

■ धनु राशि वालों को कोई ना कोई मानसिक परेशानी हो सकती है और धन हानि के योग भी बनेंगे । इन्वेस्टमेंट से भी बचना होगा और वाद-विवाद को भी टालना होगा।

■ मकर राशि वालों का आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। विद्यार्थियों के लिए भी समय बढ़िया रहेगा। घर में बुजुर्गों के स्वास्थ्य का विशेष खयाल रखना होगा।

■ कुंभ राशि वालों के खर्चे बढ़ेंगे और इनवेस्टमेंट के लिए समय अनुकूल नहीं होगा। घर में बुजुर्गों के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना होगा।

■ मीन राशि वाले नया वाहन या मकान खरीद सकते हैं। पद प्रतिष्ठा दोनों बढ़ेगी। लेकिन स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही बरतना ठीक नहीं रहेगा।

लाइफ़ में मनचाहा बदलाव चाहते हैं तो विधवाओं को करें ये दान

जीवन में किए गए सत्कर्म व दान-पुण्य कभी भी व्यर्थ नहीं जाते हैं। मनुष्य केवल इसी भय से अच्छे कर्म करता है की कहीं उसके द्वारा किए गए कुकर्म उसके जीवन में परेशानी का कारण न बन जाएं।

फिर भी जाने-अनजाने हमसे कई बार ऐसी घटनाएं या ऐसे कर्म हो जाते हैं, जिनसे कि हमें विपत्तियों का सामना करना पड़ता है। इन्हीं कर्मों के वशीभूत होकर हमें जीवन में संकट व दुख भोगना पड़ता है। कर्मों के आधार पर ही ग्रहों की स्थिति हमारी जन्मकुंडली में बनती है। जन्म लेते समय बच्चा अपने पूर्व जन्मों के कर्मों के अनुसार ग्रहों की स्थिति को अपनी कुंडली में लेकर आता है।

यूं कह लीजिए की जन्मकुंडली उसके पूर्व कर्मों का लेखा-जोखा होती है और उसके साथ ही उसके आने वाले कर्मों की एक विवेचना दर्शाती है। जिस तरह से कुंडली में ग्रहों की स्थिति होगी, उसी तरह से आपके कर्म भी होंगे या फिर जिस तरह के आप काम करेंगे, उसी प्रकार का फल आपको ग्रह देंगे। अब बात करते हैं, सब से सौम्या व सुख देने वाले ग्रह चंद्र की। चंद्रमा जिनकी भी कुंडली में पीड़ित अवस्था में है, उन्हें जीवन में सुख की कमी रहती है। पैसे की द्रव्यता और सुख-साधनों में परेशानी आती ही रहती है। ऐसे लोगों को मानसिक शांति भी प्राप्त नहीं होती। ऐसे में इसकी स्थिति को शुभ व मजबूत करना बेहद जरूरी हो जाता है जैसे की बात चल रही है कर्मों और दान पुण्य की तो ग्रहों की स्थिति आपके कर्मों के अनुसार बदली भी जा सकती है। यदि आप चंद्रमा मजबूत व शुभ करना चाहते हैं तो खास तौर पर बुजुर्ग महिलाएं, माता समान महिलाएं अथवा विधवा स्त्रियों का खास मान-सम्मान, आदर-सत्कार, सहायता और उन्हें यथाशक्ति दान देते रहें। सबसे अधिक फल विधवा और असहाय स्त्रियों को दान देने व उनकी सहायता करने से प्राप्त होता है।

■ धन की अगर बहुत ज्यादा किल्लत चल रही हो तो किसी विधवा बूढ़ी स्त्री को चप्पलें या फिर सफेद वस्त्र दान में दें। धन की समस्या कुछ ही दिनों में दूर भाग जाएगी।

■ विधवा स्त्रियों को अनार रस वाले फल व सफेद मिठाई दान करने पर घर में सुख-समृद्धि व ऐश्वर्या की अच्छी स्थिति बनी रहती है।

■ प्रतिदिन विधवा स्त्रियों के पांव हाथ लगाने से अच्छे भाग्य की प्राप्ति होती है, जिन लोगों के काम बार-बार बिगड़ रहे हों या जल्दी नहीं बनते हो उन्हें विधवा स्त्रियों के चरण स्पर्श करके उनसे आशीर्वाद लेना चाहिए।

■ विधवा स्त्रियों को साबुन व तेल भेंट करने से या दान देने से ऐसे लोगों में कभी भी नकारात्मक ऊर्जा हावी नहीं होती। उनके घर में सुख-समृद्धि व शांति बनी रहती है।

■ सबसे अधिक प्रभावशाली होता है मन का भाव। कभी भी किसी असहाय विधवा स्त्री के बुरे समय का परिहास न करें और न ही उसके मजबूरी का लाभ उठाएं। अच्छे सच्चे मन से की गई सहायता आपको जन्म-जन्मांतर के सुख का भागी बनाएगी।

स्वस्थ शरीर और मन की प्राप्ति के लिए अपनाएं कर्मयोग

कर्मयोग मानव जीवन में कैसे सरलता से अपनाया जा सकता है, इसे यूं समझिए कि निःस्वार्थ भाव से की गई सेवा को कर्म फल कहा जाता है। कर्मयोग के अभ्यास से हृदय पवित्र हो जाता है। हृदय निर्मल होने पर दिव्य ज्योति और आत्मज्ञान का प्रकाश स्पष्ट दृष्टिगोचर हो जाता है। कर्म करते रहो, फल की आशा मत करो। कर्तापन का अभिमान त्यागो और उपभोक्ता बनने की अभिलाषा भी। यह अनुभव करो कि आप भगवान के हाथों के खिलौने हैं, वे आपके द्वारा सभी कार्य सम्पादन करा रहे हैं। सफलता और विफलता में समान और शांत रहना सीखो। कर्मों के बंधन में कभी मत पडना। यही कर्मयोग का सार है। जब आप दूसरों की सेवा करते हो तो यह विचार करो कि आप उनके अंदर निवास करने वाले भगवान की ही सेवा कर रहे हो। आपकी आत्मा ही सब में व्यापक है। अतः दूसरों की सेवा में भी आप अपनी ही सेवा कर रहे हो। भक्ति और ज्ञान का कर्मयोग से समन्वय करो। कर्मयोगी के लिए जिन सद्गुणों का संचय अनिवार्य है वे हैं- विनम्रता, आत्मसमर्पण, त्याग, शांति, साहस, आत्मनिर्भरता, सत्यशीलता, विश्वप्रेम, दया, उदारता, एकाग्रता और हर अवस्था में युक्तिपूर्वक रहने की कला। स्वार्थी, आलसी और चालक व्यक्ति कर्म के अभ्यास के योग्य नहीं हैं। कर्मयोगी धीर होता है। वह अपने मार्ग के विघ्नों को साहसपूर्वक पराभूत करता है। उसके पास साहस की विपुलता होती है, वह वीरता के साथ अपने पथ की कठिनाइयों पर विजय पाता है, निराश नहीं होता। दानशील बनो। बीमारों की सेवा करो। गरीबों को सहायता दो। अपने देश की सेवा में तन्मय रहो। अपने माता-पिता की सेवा करो। किसी समाज सुधारक अथवा धार्मिक संस्था को अपना सहयोग दो। सद्भावना के साथ अपने प्रत्येक कार्य करते जाओ। यंत्रवत किसी भी कार्य को करना लाभदायक नहीं। अपने प्रत्येक कर्म को आध्यात्मिक कसौटी पर कसो। सद्भावना से कार्य किया जाए तो वह योग हो जाता है और परमात्मा के चरणों में सुंदर फूल के समान अर्पित किया जा सकता है। कर्मयोग के अभ्यास में भाव का स्थान प्रधान है। कर्मयोग प्रत्येक प्रकार के मानसिक कमजोरियों को दूर हटाता है। भेदभाव और वैमनस्य को समाप्त कर, कर्मयोग का अभ्यास, व्यक्ति और समाज को एकता और समानता की ओर प्रेरित करता है। कर्मयोग से आलस्य और जड़ता का निराकरण होता है।

'ओम' शब्द के प्रयोग से जीती जा सकती है हर जंग

एक बार असुरों ने इंद्रपुरी को घेर लिया। उनके पास बड़ी सुसज्जित सेना थी, हर प्रकार के हथियारों से सज्जित होकर उन्होंने युद्ध के लिए देवराज इंद्र को ललकारा, ''हमारा युद्ध में सामना करो और यदि हमसे डरते हो तो हार स्वीकार कर इंद्रपुरी हमारे हवाले करो।'' विशाल असुर सेना को देख महाप्रतापी इंद्र कांप उठे और सोचने लगे कि बहुसंख्यक शत्रु के सामने मुट्ठी भर देवता भला क्या कर सकेंगे! मेरी पराजय निश्चित है। इस तरह तो मेरी इंद्रपुरी ही छिन जाएंगी। अब तो किसी बाहरी दैवी शक्ति से ही सहायता लेनी चाहिए। अब देवराज इंद्र के सामने प्रश्न था कि असुर कैसे मारे जाएं। भगवान ने उन्हें सलाह दी, ''केवल शब्द शक्ति के देवता 'ओम' की सहायता से ही आप सब में नवप्राण और नव उत्साह का संचार संभव है। उनकी कृपा से मृत शरीर में नई शक्ति का संचार होता है। आप उनके पास जाकर उनसे शब्द शक्ति ग्रहण कीजिए। भले शब्दों में भी प्रचंड शक्ति भरी हुई है, उसकी साधना कीजिए।'' महाराज इंद्र को कुछ धैर्य हुआ, ढूंढते-ढूंढते वह (ओम) देव के पास पहुंचे। धैर्य की साक्षात मूर्ति के दर्शन मात्र से उनमें शक्ति का संचार हो गया। इंद्र ने से कहा, ''हे भगवान, शक्ति के शक्ति स्वरूप, आप शब्द शक्ति के देवता हैं हम आपको अपना नेता बनाकर असुरों की सेना से युद्ध करना चाहते हैं।'' ''आप के नाम के उच्चारण मात्र से हम देवताओं में नई शक्ति और नई स्फूर्ति आएगी। आपके नाम के प्रत्येक स्वर में प्रचंड शक्ति भरी हुई है। इस संकट के समय में हमारे नेत्र आप पर लगे हुए हैं, हे स्वर देवता! हमारी सहायता कीजिए।'' (ओम) सोचते रहे। देवताओं पर बड़ा संकट था, उन्हें वीरता, साहस, धैर्य, उत्साहवर्धक शब्दों की आवश्यकता थी। उन्हें देवताओं पर दया आ गई और वह निम्न शर्त पर देवताओं को सहायता देने को तैयार हो गए। न मामनिरयित्वा ब्राह्मणा ब्रह्मबदेयुर्यदि तत्स्यादिति। (गोपद-ब्रा.1-1/23) (अर्थात 'मुझ' (ओम) को पहले पढ़े बिना ब्राह्मण वेदोच्चारण न करे। ''मेरे नाम का उच्चारण सबसे पहले किया जाया करे। यदि कोई ब्राह्मण मेरा नाम लिए बिना वेद पाठ कर दे तो वह देवताओं द्वारा स्वीकार न किया जाए।)''

चूंकि ओम के बिना असुर जीते नहीं जा सकते थे अतः देवताओं ने उनकी यह शर्त मान ली। उन्होंने देवताओं की सेना का संचालन किया। पूरी सेना के सामने वह खड़े थे। ''वह बोले, ''मेरा नाम उच्चारण करते-करते पूरे धैर्य के साथ आगे बढ़िए। आप अपनी शक्ति को पहचान लीजिए। आपमें दैवी शक्तियां सो रही हैं। मेरा नाम लेने से वे खुल जाएंगी।'' देवताओं की सेना आगे बढ़ी। घोर युद्ध हुआ देवताओं की सेना विश्वास भरे उच्च स्वर में का उच्चारण कर रही थी। उस शब्द की प्रचंड शक्ति से पूरी सेना में नई शक्ति और जोश उमड़ रहा था। वे नए उत्साह से दानवों की सेना को काट रहे थे। थकी हुई सेना जैसे ही शब्द का उच्चारण करती उसे नई शक्ति मिल जाती।

इस शब्द का चमत्कार संजीवनी शक्ति के समान जीवन और प्राणदायी था। युद्ध समाप्त हुआ। शब्द शक्ति के कारण देवता विजयी हुए थे। सब देवताओं ने का जय-जयकार किया।

तब से ऊं अमर हो गए। थके हारे जीवन में निराश, उत्साहहीन व्यक्तियों को जीवन में नव जीवन, नई प्रेरणा और नई शक्ति देने के लिए ऊं शब्द का प्रयोग प्रचलित हुआ। संकट में विपत्ति में युग-युग से जनता ने ऊं शब्द के उच्चारण तथा श्रवण से आत्मविश्वास प्राप्त किया है। हर एक विपत्ति में मनुष्य को शक्ति और नया साहस देने वाला यह अद्भुत चमत्कारी ऊं शब्द है। ऊं ब्रह्म बीज है। त्रिविध आकार रूपी ब्रह्म का संक्षिप्त रूप है। इसकी ध्वनि से ऐसा सूक्ष्म कम्पन उत्पन्न होता है कि चारों ओर शक्ति एवं साहस की लहरें फैलती हैं। अतः दिन में कई बार इसका प्रयोग करने से, बच्चों के नाम के रूप में इसे रख लेने से दैवी शक्ति का प्रादुर्भाव होता है।

ऋषिकेश घूमने से पहले यहां डालिए एक नजर...

ऋषिकेश उत्तराखंड राज्य के देहरादून जिले में एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है, जिसे 'गढ़वाल हिमालय के प्रवेश द्वार' और 'योग कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड' के रूप में जाना जाता है। यह शहर हरिद्वार के उत्तर में लगभग 25 कि.मी. और राजधानी देहरादून से 43 कि.मी. दक्षिण-पूर्व में स्थित है। इसे तीर्थ नगरी और हिंदुओं के सबसे पवित्र स्थानों में से एक माना जाता है। प्राचीन समय में ऋषियों-मुनियों ने यहां पर ध्यान, योग और प्रार्थना की थी। वर्ष 2015 में तत्कालीन पर्यटन मंत्री ने ऋषिकेश और हरिद्वार को भारत के 'जुड़वां राष्ट्रीय विरासत शहरों' की उपाधि दी थी। यदि आप ऋषिकेश घूमने जाने की योजना बना रहे हैं तो हम आपको यहां देखने वाली जगहों के बारे में बताते हैं।

लक्ष्मण झूला

लक्ष्मण झूला गंगा नदी के ऊपर बना एक प्रसिद्ध हैंगिंग ब्रिज है, जो टिहरी गढ़वाल जिले के तपोवन और पौड़ी गढ़वाल जिले के जोंक को जोड़ता है। लक्ष्मण झूला ऋषिकेश शहर के उत्तर-पूर्व में 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। पूरा पुल लोहे से बना हुआ है और यह 450 फुट लंबा और गंगा नदी से 70 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। फिलहाल इसे आवागमन के लिए बंद किया गया है। माना जाता है कि भगवान राम के छोटे भाई लक्ष्मण ने इसी स्थान पर गंगा नदी को पार किया था,जहां अब पुल पर्यटकों के लिए बनाया गया है। लक्ष्मण झूला का निर्माण 1929 में किया गया था। इसके आसपास के महत्वपूर्ण स्थानों में तेरह मंजिला मंदिर, लक्ष्मण मंदिर और राम झूला आदि शामिल हैं।

त्रिवेणी घाट

गंगा नदी के तट पर स्थित त्रिवेणी घाट तीन पवित्र नदियों- गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम स्थल है। इन नदियों को हिंदू धर्म में असाधारण रूप से पवित्र और शुद्ध माना जाता है। मान्यता है कि त्रिवेणी घाट पर पवित्र जल में डुबकी लगाने से व्यक्ति का अंतर्मन शुद्ध हो जाता है सभी पापों, चिंताओं और भय से मुक्ति मिल जाती है। इस घाट पर शाम की आरती के दौरान अद्भुत नजारा देखने को मिलता है जो आध्यात्मिक शांति प्रदान करता है। जब आप ऋषिकेश घूमने जाएं तो विश्वप्रसिद्ध गंगा आरती में भाग जरूर लें और नदी में तैरते दीपकों के दर्शन अवश्य करें।

वशिष्ठ गुफा

वशिष्ठ गुफा एक प्राचीन गुफा है जहां भगवान ब्रह्मा के मानव पुत्र ऋषि वशिष्ठ ने ध्यान किया था। कथाओं के अनुसार ऋषि अपने सभी बच्चों को खोने के बाद बेहद उदास थे और उन्होंने

आत्महत्या करने का फैसला किया लेकिन गंगा नदी ने उन्हें मरने नहीं दिया। अतः, उन्होंने गुफा में रहने और ध्यान करने का फैसला किया। गुफा में एक शिवलिंग है।

स्वर्ग आश्रम

'स्वर्ग आश्रम' को स्वामी विशुद्धानंद की याद में बनवाया गया था। इसे काली कमली वाला के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि वे हमेशा काले रंग का कम्बल ओढ़े रहते थे। राम झूला और लक्ष्मण झूला के बीच स्थित, भारत का यह सबसे पुराना आश्रम है। इस आश्रम से सूर्यास्त का नजारा देखने के लिए पर्यटक जुटते हैं। यहां योग और ध्यान करने के लिए 300 रुपए का शुल्क लगता है।

नीलकंठ महादेव मंदिर

नीलकंठ महादेव मंदिर ऋषिकेश शहर से 12 कि.मी. दूर स्थित है। यह मंदिर सिल्वन वन में 1670 मीटर भीतर स्थित है। यह भारत के सबसे पवित्र शिव मंदिरों में से एक है और ऋषिकेश में देखने के लिए सबसे अच्छे धार्मिक स्थलों में से एक है। यह मंदिर समुद्रमंथन की गाथा को दर्शाता है। मंदिर में एक ताजे पानी का झरना भी है जिसमें स्नान करके भक्त मंदिर में पूजा करने जाते हैं।

बीटल्स आश्रम

प्रारम्भ में इस आश्रम को महर्षि महेश योगी आश्रम के नाम से जाना जाता था। 1968 में बीटल्स द्वारा आश्रम का दौरा करने के बाद इसका नाम बीटल्स रखा गया। यह अब राजाजी नैशनल पार्क में स्थित एक ईको-फ्रैंडली पर्यटन आकर्षण है और गंगा नदी के निकट स्थित एक शांत वातावरण प्रदान करता है, जहां बैठकर लोग मैडिटेशन करते हैं। इसके अलावा प्रकृति की सैर, ट्रैकिंग और बर्ड वॉचिंग सैशन भी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। बीटल्स आश्रम में प्रवेश के लिए भारतीयों को 150 रुपए और विदेशियों को 600 रुपए का टिकट लेना पड़ता है।

ऋषि कुंड

'ऋषि कुंड' एक प्राकृतिक गर्म पानी का तालाब है, जिसे शहर में एक पवित्र जल निकाय माना जाता है। मान्यता है कि यमुना नदी के आशीर्वाद के बाद एक ऋषि ने इस तालाब को पानी से भरा था। स्थानीय लोगों का यह भी मानना है कि भगवान राम ने अपने वनवास के दौरान कुंड में स्नान किया था और इस स्थान पर गंगा और यमुना एक-दूसरे से मिलती हैं। ऋषिकेश आने वाले पर्यटक ऋषि कुंड में स्नान जरूर करते हैं।

रिवर राफ्टिंग तथा बंजी जम्पिंग

अगर आपको एडवैंचर पसंद है और आप कुछ हट कर आनंद लेना चाहते हैं तो ऋषिकेश में रिवर राफ्टिंग से लेकर बंजी जम्पिंग का लुत्फ भी उठा सकते हैं। राफ्टिंग के लिए कुछ सर्टिफाइड ऑपरेटर हैं, जो अच्छी सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराते हैं। बंजी जम्पिंग स्पॉट मुख्य शहर से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित है जो आपके जीवन का सबसे रोमांचकारी अनुभव साबित हो सकता है।

कैसे पहुंचें

ऋषिकेश का निकटतम हवाई अड्डा जॉली ग्रांट एयरपोर्ट देहरादून है, जो ऋषिकेश से 35 कि.मी. की दूरी पर है। देहरादून से बस या टैक्सी के जरिए ऋषिकेश जा सकते हैं। इसके अलावा हरिद्वार, देहरादून और नई दिल्ली से बस के माध्यम से भी ऋषिकेश जाया जा सकता है। इन स्थानों से ऋषिकेश के लिए रोजाना बसें चलती हैं। ऋषिकेश का निकटतम रेलवे स्टेशन हरिद्वार है जो यहां से 25 किलोमीटर दूर है।

कल का पंचांग

विक्रमी सम्वत् : 2078, आषाढ़ प्रविष्टे 15, राष्ट्रीय शक सम्वत : 1943, दिनांक : 8 (आषाढ़), हिजरी साल : 1442, महीना : जिल्काद, तारीख : 18, सूर्योदय : प्रातः 5.30 बजे, सूर्यास्त : सायं 7.32 बजे (जालंधर समय), नक्षत्र : शतभिषा (29-30 मध्य रात 1.02 तक) तथा तदोपरांत नक्षत्र पूर्वा भाद्रपद, योग : प्रीति (दोपहर 12.20 तक) तथा तदोपरांत योग आयुष्मान, चंद्रमा : कुंभ राशि पर (पूरा दिन-रात), पंचक लगी रहेगी (पूरा दिन-रात)। दिशा शूल : उत्तर एवं वायव्य दिशा के लिए, राहूकाल : बाद दोपहर तीन से साढ़े चार बजे तक।

इमोशनल व टैलेंट से भरपूर होते हैं जुलाई में जन्मे लोग!

जिस तरह ज्योतिष में 12 राशियों होती हैं और हर राशि के व्यक्ति की अलग-अलग नेचर व खूबियां होती हैं, उसी तरह साल के 12 महीनों में अलग-अलग माह में जन्मे लोगों की भी अलग-अलग नेचर होती है। उनके व्यक्तित्व में अलग-अलग खूबियां और अलग-अलग कमियां होती हैं। कई पॉजिटिव और नेगेटिव पॉइंट्स होते हैं। ज्योतिष में किसी व्यक्ति के जन्म महीने को आधार बनाकर उनकी नेचर और भविष्य के बारे में बताया जा सकता है। जुलाई महीने में जन्मे लोग कैसे होते हैं कैसा होता है उनका कैरियर कैसी होती है नेचर क्या कमियां और क्या खूबियां होती हैं। कैसा रहता है उनका फ्यूचर..

'जुलाई' के महीने को यह नाम रोमन साम्राज्य के महान लीडर जूलियस सीजर की बदौलत मिला है। उनका जन्म 12 या 13 जुलाई के दिन हुआ था। इस महीने में कई महान हस्तियों का जन्म हुआ है। जिनमें नेल्सन मंडेला, प्रिंसेस डायना, अमेरिका के राष्ट्रपति रहे (जॉर्ज डब्ल्यू बुश शामिल), जेआरडी टाटा जैसे कई नाम शामिल हैं। इस माह में जन्मे लोग बेहद लोकप्रिय होते हैं, जैसे- सौरव गांगुली, महेंद्र सिंह धोनी, अजीम प्रेमजी, सोनू निगम, रणवीर सिंह, प्रियंका चोपड़ा आदि इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। जुलाई में जन्मे लोग अपनी समझदारी और हंसमुख स्वभाव के लिए जाने जाते हैं लेकिन इनके मूड को समझना हर किसी के लिए आसान नहीं होता है. अगर आपका या आपके किसी करीबी का जन्मदिन जुलाई में आता है तो जानिए कैसा होता है उनका स्वभाव। जिनका जन्म जुलाई में होता है... वे लोग मेहनती होने के साथ-साथ मल्टी टैलेंडेट भी होते हैं यानी बहुमुखी प्रतिभा के धनी होते हैं। लाइफ के प्रति पॉज़िटिव एटीट्यूट रखते हैं, इसलिए छोटी-छोटी बातों में खुश रहते हैं. स्वभाव से बहुत मेहनती होते हैं, लेकिन इनसे कोई भी काम ज़ोर-ज़बर्दस्ती से नहीं करा सकते. नए-नए दोस्त बनाना, फिल्में देखना और घूमना-फिरना इन्हें बहुत अच्छा लगता है। केयरिंग नेचर होने के कारण बेस्ट लवर होते हैं, पर अपनी फीलिंग्स को शेयर करने में संकोच करते हैं. पार्टनर के प्रति बहुत इमोशनल और सेंसिटिव होते हैं, जिसकी वजह से इनकी मैरिड और सेक्सुअल लाइफ खुशहाल होती है। ये लोग अपने हंसमुख स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। इनका मजाकिया नेचर उदास लोगों के लिए एक दवा के तौर पर काम करता है। हालांकि इनके साथ एक दिक्कत यह है कि इनके मूड का भरोसा नहीं किया जा सकता है। ये एक पल में गुस्सा हो जाते हैं तो दूसरे ही पल सब कुछ भूल भी जाते हैं। इन्हें दूसरों की मदद करके सबसे ज्यादा खुशी मिलती है. इन्हें दूसरों का भरोसा जीतना बहुत अच्छा लगता है। जुलाई में जन्मे लोग कई बार मूडी और रहस्यमयी किस्म के भी होते हैं. इनमें से ज्यादातर किसी क्रिएटिव लाइन में अपना करियर बनाना पसंद करते हैं. भले ही स्कूल या कॉलेज में ये पढ़ाई में खास कमाल न दिखा पाए हों, लेकिन इनकी दिमागी क्षमता को आप चैलेंज नहीं कर सकते। ये बड़े से बड़े काम को भी आसानी से पूरा कर लेते हैं। जुलाई माह में जन्मे लोगों के लिए फाइनेंशियल सिक्युरिटी बहुत महत्वपूर्ण होती है। जितनी कुशलता से पैसे कमाते हैं, उतनी ही समझदारी के उसे इन्वेस्ट भी करते हैं। हालांकि खर्च करने से नहीं डरते, चाहे जेब में पैसे हों या न हों। ये अपनी अलग तरह की रौबदार पर्सनैलिटी के लिए जाने जाते हैं. साथ ही आकर्षक व्यक्तित्व होने की वजह से कोई भी बड़ी आसानी से इनको अपना दिल दे बैठता है। जुलाई में जन्मे लोग प्यार के मामले में थोड़ा सतर्क रहते हैं। वैसे तो ये इतनी जल्दी प्यार में पड़ते नहीं लेकिन जब इन्हें किसी से प्यार हो जाता है तो ये उसका साथ कभी नहीं छोड़ते। ये किसी भी तरह का रिजेक्शन बर्दाश्त नहीं कर सकते। इनको पसंद है कि लोग इनके आस-पास ही रहें और इन्हें प्यार करें। जुलाई में जन्मे लोग हद से ज्यादा उत्सुक रहते हैं. खुद के बारे में और अपने आस-पास के लोगों के बारे में जानकारी रखने का इन्हें शौक होता है। जुलाई में जन्मे लोग बेहद इमोशनल होते हैं. ये चाहकर भी किसी के साथ कुछ गलत नहीं कर सकते हैं। इनमें दया की भावना कूट-कूट कर भरी होती है. इनमें दूसरों की बात सुनने की भी अद्भुत क्षमता होती है लेकिन ये खुद अपनी फीलिंग्स कम ही शेयर करते हैं। जुलाई महीने में जन्मे लोगों का लकी नंबर- 2, 7, 4, 9 होता है जबकि लकी कलर पीला, नीला और संतरी है। इनका लकी डे- सोमवार, शुक्रवार और शनिवार है और इनके लिए लकी स्टोन-हीरा है।

क्या यूरिक एसिड के मरीज खा सकते हैं अंडा? जानें किन बातों का ध्यान रखना जरूरी

हमारे शरीर में प्राकृतिक तौर से कुछ कैमिकल्स होतो हैं। इनमें से एक है यूरिक एसिड। यह एक ऐसा केमिकल है जो प्यूरीन के टूटने से बनता है। असल में हमारे शरीर में प्यूरीन पहले से होता है। मगर प्रोटीन से भरपूर चीजों का सेवन करने से इसकी मात्रा बढ़ जाती है। इसके शरीर में अधिक जमा होने से यह जोड़ों में क्रिस्टल्स के रूम में जमा होने लगते हैं। इसके कारण गठिया रोग होने का खतरा कई गुणा बढ़ जाता है। ऐसे में इसे कंट्रोल करना बेहद जरूरी होता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, ये मरीज अपने खानपान में कुछ बदलाव करके शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा कंट्रोल कर सकते हैं। गठिया से परेशान लोगों को अपनी डाइट में प्रोटीन की मात्रा को कम करने जरूरत है। ऐसे में आमतौर पर लोगों के मन में यही सवाल रहता है कि इस दौरान अंडा खाना चाहिए या नहीं। चलिए आज हम आपको इसके बारे में बताते हैं...

हाई यूरिक एसिड में अंडा खाना सही

एक्सपर्ट्स के अनुसार, शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने की परेशानी का मुख्य करण प्यूरीन नामक प्रोटीन होता है। ऐसे में इन लोगों को प्रोटीन से भरपूर चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए। मगर एक्सपर्ट्स के अनुसार, अंडे का सेवन करने से गठिया रोग होने का खतरा कई गुणा कम होता है। अंडे में प्यूरीन ना के बराबर पाया जाता है। ऐसे में ये लोग इसका सेवन कर सकते हैं।

इसलिए अंडा फायदेमंद

अंडा विटामिन बी 12, डी, आयरन, प्रोटीन, कैल्शियम व अन्य एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। इसके अलावा इसमें प्यूरीन की मात्रा काफी कम पाई जाती है। ऐसे में यूरिक एसिड से परेशान लोग अंडे की सफेदी का सेवन बिना किसी परेशानी के कर सकते हैं। एक रिसर्च के अनुसार, हफ्ते मे 7 अंडों का सेवन किया जा सकता है। इसके अलावा अगर आप यूरिक एसिड से परेशान है तो अंडा खाने से पहले डॉक्टर की सलाह ले सकती है।

इन बातों का रखें ध्यान

- अंडे की जर्दी यानी पीला भाग में लगभग 200 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है। ऐसे में इसका अधिक सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने की समस्या हो सकती है। खासतौर पर गर्मी के मौसम में 1 से अधिक अंडा खाने से बचना चाहिए।

अंडा खाने के अन्य फायदे

- इसके सेवन से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। ऐसे में वजन कंट्रोल रहने में मदद मिलती है। मोटापे से परेशान लोग इसे सुबह नाश्ते में खा सकते हैं।
- पोषक तत्वों व एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर अंडे का सेवन करने से दिनभर एनर्जेटिक महसूस होता है।
- एक बड़े साइज के अंडे में करीब 6 ग्राम प्रोटीन व अन्य पोषक तत्व मौजूद होते हैं। ऐसे में इसका सेवन करने से शरीर को सभी जरूरी तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट्स आसानी से मिल जाते हैं।
- एक्सपर्ट्स के अनुसार, अंडे के पीले भाग में अधिक मात्रा में आयरन होता है। ऐसे में इसके सेवन से शरीर में आयरन की कमी दूर होने के साथ बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहता है।

करियर

ग्राफ़िक डिज़ाइनर्स के लिए भारत में ये हैं खास करियर ऑप्शन्स

'ग्राफ़िक डिजाइनिंग' से आजकल तकरीबन हम सभी अच्छी तरह परिचित हैं। दुनिया भर में कंप्यूटर के इस्तेमाल के साथ ही कंप्यूटर सिस्टम पर ग्राफ़िक डिजाइनिंग का आस्पेक्ट भी खूब प्रचलित और लोकप्रिय हो गया। शुरू-शुरू में डिजाइनिंग के एक हिस्से के तौर पर उभरी ग्राफ़िक डिजाइनिंग कुछ ही समय में इतनी प्रचलित और लोकप्रिय हो गई कि देश-दुनिया में ग्राफ़िक डिजाइनिंग की फील्ड में स्पेशल एजुकेशनल और प्रोफेशनल कोर्सेज शुरू होने के साथ ही ट्रेंड पेशेवरों को ग्राफ़िक डिजाइनिंग से जुड़े कई शानदार करियर ऑप्शन्स भी देश-दुनिया में मिल रहे हैं और एक अच्छी बात तो यह है कि कंप्यूटर और डिजाइनिंग के सतत विकास की वजह से ही ग्राफ़िक डिज़ाइनर्स का पेशा एक सदाबहार पेशा है।

ग्राफ़िक डिज़ाइनर्स का पेशा

जैसेकि इन पेशेवरों के नाम से ही पता चलता है, ये पेशेवर विभिन्न एडवरटाइज़मेंट्स, बुक्स, मैगज़ीन्स न्यूज़पेपर्स और वेबसाइट्स आदि के लिए आकर्षक ग्राफ़िक डिज़ाइन्स और इमेजेज/ पिक्चर्स या तस्वीरें तैयार करते हैं। ये पेशेवर इमेजेज, टेक्स्ट मैसेज और वर्ड्स के माध्यम से विभिन्न कॉन्सेप्ट्स और आइडियाज़ को विज़ूअल्स के माध्यम से पेश करते हैं जैसेकि किसी भी मैगज़ीन या कंटेंट के लिए आकर्षक पेज लेआउट तैयार करना इन पेशेवरों का काम है। कई पेशेवर पहले अपने ग्राफ़िक डिज़ाइन का रफ पेपर स्केच तैयार कर लेते हैं और फिर उसे अपने कंप्यूटर पर फाइनल टच देते हैं।

ग्राफ़िक डिज़ाइनर्स के लिए एजुकेशनल कोर्सेज और एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया

हमारे देश में किसी मान्यताप्राप्त एजुकेशनल बोर्ड से 12 वीं पास स्टूडेंट्स ग्राफ़िक डिजाइनिंग में अंडरग्रेजुएट/ सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्सेज में एडमिशन ले सकते हैं। पोस्ट ग्रेजुएशन लेवल के कोर्सेज के लिए स्टूडेंट्स के पास किसी मान्यताप्राप्त कॉलेज या यूनिवर्सिटी से संबद्ध विषय में बैचलर डिग्री होनी चाहिए। आमतौर पर भारत में ग्रेजुएशन और पोस्टग्रेजुएशन लेवल के विभिन्न ग्राफ़िक डिजाइनिंग कोर्सेज में एडमिशन लेने के लिए स्टूडेंट्स को निम्नलिखित एंट्रेंस एग्जाम्स पास करने होते हैं

ऑल इंडिया एंट्रेंस एग्जाम फॉर डिज़ाइन, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ डिज़ाइन एंट्रेंस एग्जाम, सिम्बायोसिस एंट्रेंस एग्जाम, अंडरग्रेजुएट कॉमन एंट्रेंस एग्जाम फॉर डिज़ाइन, कॉमन एंट्रेंस एग्जाम फॉर डिज़ाइन

भारत में ग्राफ़िक डिजाइनिंग से संबंधित विभिन्न डिग्री डिप्लोमा कोर्सेज निम्नलिखित हैं

ग्रेजुएशन लेवल के कोर्सेज, बैचलर ऑफ़ डिज़ाइन : डिजाइनिंग, बैचलर ऑफ़ ग्राफ़िक डिजाइनिंग, बैचलर ऑफ़ आर्ट्स : ग्राफ़िक डिजाइनिंग, बीएससी : मल्टीमीडिया

पोस्टग्रेजुएटशन लेवल के कोर्सेज

मास्टर ऑफ़ आर्ट्स - ग्राफ़िक डिजाइनिंग, मास्टर ऑफ़ डिज़ाइन -ग्राफ़िक डिजाइनिंग

पीएचडी लेवल का कोर्स

डॉक्टर डिग्री - ग्राफ़िक डिजाइनिंग

सर्टिफिकेट/ डिप्लोमा कोर्सेज

सर्टिफिकेट - ग्राफ़िक डिजाइनिंग, सर्टिफिकेट - 3डी एनीमेशन, ग्रेजुएट डिप्लोमा - ग्राफ़िक डिजाइनिंग, एडवांस डिप्लोमा - ग्राफ़िक डिजाइनिंग, पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा - ग्राफ़िक डिजाइनिंग, पीजी डिप्लोमा - ग्राफ़िक एनीमेशन्स

महत्वपूर्ण : हमारे देश में स्टूडेंट्स ग्राफ़िक डिजाइनिंग से संबंधित विभिन्न ऑनलाइन कोर्सेज भी कर सकते हैं।

भारत में ग्राफ़िक डिजाइनिंग करवाने वाले प्रमुख एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स

वैसे तो हमारे देश में कंप्यूटर कोर्सेज करवाने वाले बहुत ज्यादा सरकारी और प्राइवेट इंस्टीट्यूट्स हैं। लेकिन निम्नलिखित इंस्टीट्यूशन्स मुख्य रूप से हमारे देश ग्राफ़िक डिजाइनिंग के विभिन्न कोर्सेज करवाते हैं

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ डिज़ाइन, अहमदाबाद, डिपार्टमेंट ऑफ़ डिज़ाइन, IIT, गुवाहाटी, TGC एनीमेशन एंड मल्टीमीडिया, नई दिल्ली, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली, पर्ल एकेडमी, दिल्ली/ मुंबई/ जयपुर, माया एकेडमी ऑफ़ एडवांस्ड सिनेमैटिक्स, मुंबई, जेड इंस्टीट्यूट ऑफ़ क्रिएटिव आर्ट्स, मुंबई, एरीना एनीमेशन, मुंबई, वाडिया डिज़ाइन इंस्टीट्यूट, अहमदाबाद, एंट्रेंस एनीमेशन ट्रेनिंग स्कूल, बैंगलोर

भारत में ग्राफ़िक डिज़ाइनर्स के लिए करियर ऑप्शन्स

देश-दुनिया में ग्राफ़िक डिज़ाइनर्स विभिन्न एडवरटाइज़िंग एजेंसीज़, पब्लिकेशन हाउसेस, वेब डिजाइनिंग फर्म्स, गेमिंग इंडस्ट्री, प्रोडक्ट पैकेजिंग कंपनियों में निम्नलिखित जॉब प्रोफाइल्स/ करियर स्पेशलाइजेशन्स में काम कर सकते हैं।

आर्टिस्ट, लेआउट आर्टिस्ट, लोगो डिज़ाइनर, डिज़ाइनर मैनेजर, डिज़ाइनर कंसलटेंट, ब्रांड आइडेंटिटी डिज़ाइनर, क्रिएटिव डायरेक्टर, आर्ट डायरेक्टर, विज़ूअल इमेज डेवलपर, मैगज़ीन लेआउट एडिटर, पिक्चर एडिटर, फ़्लैश डिज़ाइनर, वेब डिज़ाइनर, ग्राफ़िक डिज़ाइनर, मल्टीमीडिया डिज़ाइनर

ग्राफ़िक डिज़ाइनिंग : भारत में ये हैं टॉप रिक्रूटर्स

कंप्यूटर और इंटरनेट के इस दौर में देश-दुनिया में ग्राफ़िक डिज़ाइनर्स की जॉब की मांग लगातार बनी ही रहेगी। भारत में ग्राफ़िक डिज़ाइनर्स निम्नलिखित टॉप रिक्रूटर्स के पास अप्लाई कर सकते हैं

विप्रो टेक्नोलॉजीज़, फोरबियर प्रोडक्शन्स, एडिक्ट2वेब टेक्नोलॉजीज़, SAP लैब्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जनरल मोटर्स डिज़ाइन, कोड अपैक्स, डिज़ाइन फैक्ट्री इंडिया, मूनरैफ्ट इनोवेशन लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, ईस्टर्न सिल्क इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड, 76 डिग्री क्रिएटिव

ग्राफ़िक डिज़ाइनर्स का सैलरी पैकेज

ग्राफ़िक डिज़ाइनर्स को हमारे देश में काफी अच्छा सैलरी पैकेज मिलता है। शुरू में ग्राफ़िक डिज़ाइनर को एवरेज 2-3 लाख रुपये मासिक मिलते हैं। सीनियर ग्राफ़िक डिज़ाइनर्स को हमारे देश में एवरेज 6-8 लाख रुपये मासिक मिलते हैं। बड़े कॉर्पोरेट हाउस और MNCs में अनुभवी पेशेवरों को एवरेज 10-12 लाख रुपये या उससे अधिक का सैलरी पैकेज मिल सकता है। अगर ये पेशेवर अपना कारोबार शुरू करते हैं तो अपनी फील्ड में पहचान बना लेने के बाद ये पेशेवर बड़ी आसानी से लाखों रुपये मासिक कमा लेते हैं।

फेफड़ों को नुकसान पहुंचा रहा कोरोना का डेल्टा+ वेरिएंट, यहां पढ़िए कैसे रखें स्वस्थ

कोरोना वायरस के नए म्यूटेशन डेल्टा प्लस वेरिएंट ने अपना असर दिखाना शुरु कर दिया है। धीरे-धीरे यह और भी ज्यादा गंभीर और संक्रामक होता जा रहा है। दूसरे वेरिएंट्स की तुलना में 'डेल्टा प्लस' फेफड़ों को अधिक नुकसान पहुंचा सकता है। वहीं, दूसरी लहर में मरीजों को ऑक्सीजन की कमी महसूस हुई। ऐसे में फेफड़ों को मजबूत बनाना और भी जरूर हो जाता है, ताकि आप तीसरी लहर का सामना मजबूती से कर पाएं।

फेफड़ों को क्यों पहुंचा रहा है नुकसान?

हाल ही में हुए एक शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने पाया कि डेल्टा प्लस वेरिएंट फेफड़ों के उत्तकों से जुड़ा है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं कहा जा सकता कि डेल्टा प्लस गंभीर बीमारी का कारक होगा या नहीं। ऐसे में वैज्ञानिक फेफड़ों को स्वस्थ बनाए रखने की सलाह दे रहे हैं।

चलिए आपको बताते हैं कि फेफड़ों को कैसे रखें स्वस्थ

भरपूर पानी पीएं

फेफड़ों को स्वस्थ रखने के लिए दिनभर में कम से कम 8-9 गिलास पानी पीएं, ताकि विषैले तत्व बाहर निकलते रहें। साथ ही डाइट में नींबू पानी, छाछ, जूस, स्मूदी जैसी चीजें लेती रहें।

अच्छी डाइट लें

फेफड़ों को स्वस्थ रखने के लिए फाइबर युक्त फल और सब्जियां, डेयरी प्रॉडक्ट्स, ग्रीन टी, लहसुन, अदरक, तुलसी, दालचीनी, नट्स और साबुत अनाज का अधिक सेवन करें। साथ ही ऑयली व मसालेदार भोजन से परहेज रखें।

ब्रीदिंग एक्सरसाइज

फेफड़ों की मजबूत बनाने के लिए रोजाना 20-25 मिनट प्राणायाम योग करें। इससे फेफड़ों में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ेगी और वो स्वस्थ रहेंगे।

फिजिकल एक्टिविटी

फेफड़ों को एक्टिव रखने के लिए फिजिकल एक्टिव रहें। सुबह सैर करें। इसके अलावा कम से कम 30 मिनट एरोबिक्स और डांस एक्सरसाइज करें।

प्रदूषण से बचें

फेफड़ों को प्रदूषित हवा से बचाएं, ताकि धुआं लंग्स में ना जाए। घर से बाहर जाते समय मास्क जरूर पहलें। इससे आप सिर्फ प्रदूषण ही नहीं बल्कि कोरोना वायरस से भी बचें रहेंगे।

विटामिन सी लें

विटामिन सी आहार जैसे संतरा, नींबू, टमाटर, कीवी, स्ट्रॉबेरी, अंगूर, अनानास, आम आदि लेना ना भूलें। इसके अलावा मुनक्का भी फेफड़ों को मजबूत बनाने में मददगार है इसलिए रोजाना भीगे हुए मुनक्कों का सेवन करें।

तरबूज खाने के फायदे ही नहीं नुकसान भी है खूब, हैरान कर देंगे साइड इफेक्ट

तरबूज गर्मियों में मिलने व लोगों द्वारा खासतौर पर खाएं जाने वाला फल है. इसमें करीब 82 प्रतिशत पानी होता है। ऐसे में तरबूज का सेवन करने से शरीर में पानी की कमी पूरी होने से डिहाइड्रेशन से बचाव रहता है। इसके अलावा इसमें विटामिन ए, बी6, सी, कैल्शियम, पोटैशियम, लाइकोपीन आदि पोषक तत्व होते हैं। इसके सेवन से सेहत दुरुस्त रहने में मदद मिलती है। मगर जैसे की सभी जानते हैं कि किसी भी चीज का जरूरत से ज्यादा सेवन फायदे की जगह पर नुकसान पहुंचाने का काम करता है। चलिए आज हम आपको तरबूज खाने के फायदे नहीं बल्कि इसका अधिक मात्रा में सेवन करने से होने वाले नुकसान के बारे में बताते हैं...

- दिल संबंधी समस्याएं

तरबूज में पानी के साथ पोटैशियम भी अधिक मात्रा में होता है। ऐसे में यह दिल को दुरुस्त रखने में मदद करता है। इसके अलावा इसके सेवन करने से हड्डियों में भी मजबूती आती है। मगर इसके विपरीत तरबूज का अधिक मात्रा में सेवन करने से कार्डियोवस्यक्यूलर यानी दिन संबंधी समस्याएं हो सकती है। इसके कारण दिल की धड़कने अनियमित व पल्स रेट कमजोर हो सकता है।

- डायरिया या पाचन संबंधी परेशानी

तरबूज में पानी व डायट्री फाइबर अधिक होते हैं। ऐसे में इसका जरूरत से ज्यादा सेवन करने से पाचन से जुड़ी समस्याएं हो सकती है। इसके कारण डायरिया, पेट फूलना, सूजन, एसिडिटी आदि की परेशानी झेलनी रड़ सकती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, तरबूज में मौजूद सॉर्बिटोल (एक तरह का शुगर कंपाइउंड) पेट में एसिडिटी, डायरिया की परेशानी का कारण है। इसके अलावा लाइकोपीन नामक कंटेंट इस समस्या को और अधिक बढ़ाने का काम करता है।

- ग्लूकोज लेवल बढ़ना

इसमें शुगर अधिक होती है। ऐसे में डायबिटीज के मरीजों को इसका सेवन करने से पहले डॉक्टर की सलाह देने में ही भलाई है। भले ही तरबूज पौष्टिक गुणों से भरपूर फल है। मगर इसमें ग्लाइसेमिक अधिक होने से शरीर में ग्लूकोज लेवल बढ़ सकता है।

- लिवर में सूजन की परेशानी

एक्सपर्ट्स के अनुसार, अल्कोहल का सेवन करने वाले व्यक्ति को अधिक मात्रा में तरबूज का नहीं करना चाहिए। तरबूज में लाइकोपीन नामक तत्व अधिक होता है। ऐसे में लाइकोपीन का हाई लेवल अल्कोहल के साथ मिलकर लिवर में सूजन की परेशानी बढ़ा सकता है।

- ओवर हाइड्रेशन की समस्या

ओवर हाइड्रेशन को वॉटर इनॉक्सिकेशन या वॉटर पॉइजनिंग भी कहा जाता है। इसमें व्यक्ति के शरीर में पानी की मात्रा अधिक व सोडियम का लेवल कम हो जाता है। तरबूज में करीब 92 प्रतिशत पानी पाया जाता है। ऐसे में इसे अधिक मात्रा में खाने से ओवर हाइड्रेशन की परेशानी हो सकती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, शरीर में पानी की मात्रा कंट्रोल ना होने पर ब्लड वॉल्यूम बढ़ने की समस्या हो सकती है। इसके कारण पैरों नें सूजन, किडनी कमजोर व थकावट महसूस हो सकती है।

औषधीय गुणों से भरपूर है गूलर, पीरियड-ल्यूकोरिया समेत कई प्रॉब्लम को करता है दूर

गूलर के बारे अकसर लोगों ने कई बार सुना या पढ़ा होगा लेकिन इसके क्या फायदे है यह कोई-कोई ही जानता होगा। तो आईए आज हम आपकों गूलर के बारे में विस्तार से बताते हैं। आयुर्वेदिक ग्रंथों में गूलर का पेड़ हेमदुग्धक, जन्तुफल, सदाफल आदि नामों से प्रसिद्ध है। यह एक अंजीर प्रजाति का पेड़ है। गूलर भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, मलयेशिया और चीन में उगता है। गूलर में विटमिन बी 2 पाया जाता है जो रेड ब्लड सेल्स को बढ़ाता है। इसके अलावा यह ऐसी ऐंटीबॉडीज को बनाने में मदद करता है जो शरीर के विभिन्न हिस्सों में ऑक्सिजन पहुंचाने में सहायक है। आइए जानते हैं गुलर के फायदों के बारे में-

शरीर में आयरन की कमी को दूर करता है-

गूलर में पर्याप्त मात्रा में आयरन होता है और यह शरीर से आयरन की कमी को दूर करने में मदद करता है।

पेट की तकलीफ को दूर करता है-

पेट के दर्द या किसी भी प्रकार की तकलीफ को भी गूलर दूर करता है। दर्द में अगर इसके फल का सेवन किया जाए तो आपको इससे राहत मिलेगी। इसका फल खाने से पेट दर्द और गैस की दिक्कत में काफी आराम मिलता है।

शूगर को ठीक करे

गूलर डायबिटीज की दिक्कत को दूर करने में रामबाण है। इसके लिए ऐप गूलर के फलों के छिलकों को सुखा कर बारीक पीस कर पाउडर बनाएं और फिर इसमें बराबर की मात्रा में मिश्री मिला कर गाय के दूध के साथ खाने से दिक्कत दूर होती है। ध्यान रखे कि इसको केवल 6-6 ग्राम सुबह-शाम ही लें।

नींद और स्ट्रेस की कमी को दूर करें-

नींद न आने की समस्या को दूर करने के लिए गूलर बेहद फायदेमंद है। इसमें मौजूद आयरन न सिर्फ अच्छी नींद लाने में मदद करता है बल्कि स्ट्रेस भी दूर रखता है।

चोट को जल्द ठीक करता है-

गूलर चोट को जल्द से जल्द ठीक करने में सहायक है। इसके लिए गूलर के दूध का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप रुई में गूलर का दूध लेकर घाव पर लगाएं।

नकसीर फूटने पर गूलर की छाल है मददगार-

नकसीर फूटने पर गूलर की छाल आराम देती है। इसके लिए गूलर की छाल को पानी में पीसकर तालु पर लगाएं। इससे नाक से खून आना रुक जाता है।

थायराइड में सबसे जरूरी परहेज, भूलकर भी ना खाएं ये 4 फूड्स

थायराइड की समस्या दिन ब दिन बढ़ती जा रही है, खासकर औरतों में। इसके कारण महिलाओं को ना सिर्फ पीरियड्स में गड़बड़ी बल्कि कंसीव करने में भी दिक्कत आती है। हालांकि अगर खान-पान सही रखा जाए तो इस बीमारी पर काबू पाया जा सकता है। आज हम आपको कुछ ऐसे फूड्स के बारे में बताएंगे, जिन्हें थायराइड में बिल्कुल नहीं खाना चाहिए।

गोभी

पत्तागोभी व फूलगोभी में गॉइट्रोगन काफी अधिक मात्रा में होता है, जिसके कारण हार्मोन्स असंतुलित हो सकते हैं। इससे आपकी थायराइड की समस्या बढ़ सकती है।

कैफीन

कैफीन वाली चीजें थायराइड ग्लैंड पर असर डालती हैं, जिससे थायराइड लेवल बढ़ सकता है। ऐसे में अगर आप थायराइड के मरीज है तो इन चीजों से दूरी बनाना ही बेहतर होगा।

रेड मीट

इसमें सेचुरेटेड फैट और कोलेस्ट्रॉल का मात्रा बहुत अधिक होती है, जिससे ना सिर्फ थायराइड लेवल बढ़ सकता है बल्कि आपको शरीर में जलन की समस्या भी हो सकती है।

सोयाबीन

सोयाबीन में फयटोएस्ट्रोजन अधिक होता है, जो थायराइड हार्मोंस बनाने वाले एंजाइम फंक्शन में बाधा डालता है। ऐसे में सोयाबीन का सेवन भी थायराइड मरीजों के लिए हानिकारक हो सकता है।

आयोडीन नमक

आयोडीन नमक ही नहीं बल्कि इससे बने फूड्स जैसे मछली, मांस, अंडे, मूली, मक्खन आदि का सेवन भी थायराइड में नहीं करना चाहिए।

इन चीजों से भी रखें परहेज

1. इसके अलावा थायराइड मरीज हैं तो तली चीजें, अधिक मीठा, पैकेज्ड फूड का सेवन भी कम कर दें। अगर दवा चल रही है तो डॉक्टर से डाइट प्लान बनवा लें।
2. यह तो सभी जानते हैं कि शराब -सिगरेट शरीर के लिए कितनी हानिकारक है। इससे ना सिर्फ थायराइड बल्कि अन्य बीमारियों का खतरा भी रहता है।

एक्यूप्रेशर और एक्यूपंक्चर में जानिए फर्क? कैसे काम करती है दोनों तकनीक

एक्यूप्रेशर के बारे में तो सभी जानते हैं लेकिन एक्यूपंक्चर के बारे में शायद ही कोई जानता होगा। मेडिकल फील्ड में इन दिनों एक्यूपंक्चर खूब प्रचलित हो रहा है। लेकिन इन दोनों में क्या अंतर है यह शायद ही कोई जानता होगा। एक हेल्थसाइट के मुताबिक, एक्यूप्रेशर और एक्यूपंक्चर दोनों ही विधियां चीनी चिकित्सा पद्धति से आई हैं। इन दोनों विधियों का प्रयोग यहां करीब 6 हज़ार साल से भी ज्यादा किया जा रहा है। आज ये पद्धति पूरी दुनिया में प्रचलित हो चुकी है। आपकों यह जानकर हैरानी होगी कि एक्यूपंक्चर और एक्यूप्रेशर से कई बीमारियों का इलाज किया जा सकता है और इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता। तो आइए जानते हैं इनके बारे में-

जानिए, क्या है एक्यूपंक्चर

एक्यू चीनी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है पॉइंट। हमारे शरीर में कुल 365 एनर्जी पॉइंट होते हैं। इन पॉइंट्स पर बारीक सूई से पंक्चर कर इलाज किया जाता है, इस वजह से इसे एक्यूपंक्चर कहा जाता है। एक्यूपंक्चर को मेडिकल साइंस माना जाता है, इतना ही नहीं ह्वाइट हाउस ने भी एक्यूपंक्चर को प्रभावशील बताया है। लेकिन इसकी मदद से इलाज करने के लिए लाइसेंस का होना जरूरी है।

जानिए, क्या है एक्यू प्रेशर

एक्यू चीनी भाषा का शब्द है तो वहीं प्रेशर का अर्थ है दबाव। एक्यूप्रेशर में अंगूठों और उंगलियों की मदद से शरीर के खास पॉइंट्स को दबाया जाता है,ऐसा करने से अगर नर्व या नसों की समस्या है तो एक्यूप्रेशर से ठीक किया जाता है। आमतौर पर पांच से छह सेशन में इसका असर दिखने लगता है और

15 से 20 सिटिंग्स में पूरा आराम मिलता है।

एक्यूपंक्चर कैसे काम करता है-

एक्यूपंक्चर में शरीर के खास पॉइंट्स में बारीक सुई लगा कर इलाज किया जाता है। एक सेशन आमतौर पर 40-60 मिनट का होता है और एक बार में 15-20 पॉइंट्स पंक्चर किए जाते हैं। अच्छे डॉक्टर इलाज से पहले इलेक्ट्रो मेरिडियन इमेजिंग (ईएमआई) टेस्ट करते हैं, जिसमें एनर्जी लेवल और पॉइंट्स का टेस्ट होता है।

इन समस्याओं में बेहद असरदार है एक्यूपंक्चर-

एक्युपंक्चर माइग्रेन, तनाव से होने वाले सिरदर्द, एंग्जाइटी, साइनस, अस्थमा, ब्रॉन्काइटिस, पुराना जुकाम, चेहरे का लकवा, टॉन्सिल्स, आंख की बीमारी ऑप्टिक नर्व ऑट्रॉफी, सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस, आर्थराइटिस, बॉडी पेन, गैस, एसिडिटी, इनफर्टिलिटी और महिलाओं की दूसरी समस्याएं आदि में बहुत असरदार माना जाता है।

ध्यान देने योग्य बातें-

एक्युपंक्चर हमेशा क्वॉलिफाइड डॉक्टर से अच्छे और साफ क्लिनिक में कराएं। खुद की इस्तेमाल की हुई सूइयां भी दोबारा इस्तेमाल न करें।

शरीर के ये पॉइंट्स होते हैं खास-

GV 20 या DU 20

कहां पर : सिर के बीचों बीच-

उपयोग- याददाश्त बढ़ाता है, चिड़चिड़ापन, डिप्रेशन, हाइपर ऐक्टिविटी को कम कर मन को शांत करता है।

GB 20

कहां पर : कान के पीछले हीस्से के झुकाव में

उपयोग : डिप्रेशन, सिरदर्द, दिमागी असंतुलन, चक्कर और सेंस ऑर्गन यानी नाक, कान और आंख से जुड़ी बीमारियां इसके अलावा लकवा और यूटरस की बीमारियों में भी असरदार।

LI 11

कहां पर : कोहनी के बाहरी हिस्से पर।

उपयोग : कॉलेस्ट्रॉल, ब्लडप्रेशर, गले में इन्फेक्शन, यूरिन इन्फेक्शन, उलटी, डायरिया, हिचकी, पीलिया आदि में कारगर।

ST 36

कहां : घुटने से चार उंगली नीचे, बाहर की तरफ।

उपयोग : स्टैमिना,थकान और लंबी बीमारी के बाद ठीक होने में मदद करता है।

खास टिप्स-

-हमारे शरीर के कुल 365 पॉइंट्स में से कुछ ऐसे हैं जो काफी असरदार हैं।

- मिट्टी में रोजाना 10-15 मिनट नंगे पांव चलें, ऐसा करने पर तलवों में मौजूद पॉइंट्स दबते हैं जिससे खून का दौर बढ़ता है।
- हफ्ते में दो बार सिर में 15 मिनट तक तेल से मसाज करें ऐसा करने पर डिप्रेशन , मेमरी लॉसजैसी दिक्कतें दूर होती हैं।
- कान के इयर लोब की रोजाना पांच मिनट मालिश करें इससे याददाश्त बढ़ती हैं।
- जीभ रोजाना अच्छी तरह ब्रश या उंगलियों से रगड़ें, यहां हार्ट, किडनी आदि के पॉइंट होते हैं।
- रोजाना 5-7 मिनट तालियां बजाएं, इससे हाथों के एक्युप्रेशर पॉइंट दबते हैं और जिससे सेहत तंदरूस्त रहती हैं।

इंग्लैंड-पाक मैच में देखने को मिलेगी दर्शकों की भीड़, इतने प्रतिशत लोगों को मिलेगी स्टेडियम में एंट्री

एजेंसी

नइदिल्ली। यूके सरकार के इवेंट्स रिसर्च प्रोग्राम (ईआरपी) के तहत बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच होने वाले आगामी वनडे सीरीज के तीसरे मैच में स्टेडियम में दर्शकों को आने की अनुमति दी जाएगी। इन दोनों टीमों के बीच होने वाले वनडे मैच के दौरान स्टेडियम में 80 प्रतिशत लोगों को स्टेडियम में आने की अनुमति मिलेगी जिससे भारी संख्या में फैंस की भीड़ देखने को मिलेगी। एजबेस्टन में रिसर्च स्टडी के हिस्से के रूप में 13 जुलाई (मंगलवार) को होने वाले मैच में सोशल डिस्टेंसिंग के बिना स्टेडियम के कटोरे और हॉस्पिटैलिटी लाउंज में लगभग 19,000 प्रशंसकों को समायोजित किया जा सकेगा जिसमें 16 साल से कम उम्र के युवा भी शामिल होंगे। एजबेस्टन के मुख्य कार्यकारी स्टुअर्ट कैन ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, वेस्ट मिडलैंड्स में खेल के रूप में यह शानदार है कि इतने सारे क्रिकेट प्रशंसक एजबेस्टन में इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान में एक और ब्लॉकबस्टर मैच का आनंद ले सकेंगे।

उन्होंने कहा, हालिया टेस्ट मैच ने हमें बड़े पैमाने पर खेल आयोजनों के लिए एक नया मॉडल बनाने का शानदार मौका दिया हैं। मैं पहले परीक्षण के तत्वों को पाकिस्तान मैच के लिए आगे बढ़ाते हुए देखकर खुश हूं। प्रौद्योगिकी ने इसमें एक बड़ी भूमिका निभाई है और हम फिर से विश्व क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ वातावरण में एजबेस्टन की प्रतिष्ठा को बढ़ाने के साथ-साथ एक सुरक्षित तरीके से इसका उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। स्टेडियम में मैच देखने के लिए सभी उपस्थित लोगों को नेगेटिव कोविड-19 की रिपोर्ट दिखानी होगी जो 11 वर्ष और उससे अधिक उम्र के किसी भी व्यक्ति के लिए आवश्यक है। इसके अलावा यह किसी ने 14 दिन पहले कोरोना वैक्सीन के दोनों टीके लगवा लिए हैं तो प्रमाणपत्र के आधार पर उसे स्टेडियम में जाने की अनुमति होगी।

इससे पहले एजबेस्टन ने इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट मैच की सफलतापूर्वक मेजबानी की थी जिसमें समान दर्शक प्रवेश आवश्यकताओं के साथ 4 दिनों में लगभग 60,000 दर्शकों (70 प्रतिशत क्षमता) को समायोजित किया गया था।

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले तैराक साजन प्रकाश को मिलेगा इतने लाख का इनाम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय तैराकी महासंघ ने ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करने वाले देया के पहले तैराक बने साजन प्रकाश को 5 लाख रुपए नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। प्रकाश ने शनिवार को रोम में सेट्टे कोली ट्रॉफी में 200 मीटर बटरफ्लाय में स्टैंडर्ड ए टाइम निकालकर ओलंपिक का टिकट कटाया। एसएफआई ने एक बयान में कहा, 'एसएफआई अध्यक्ष आर एन जयप्रकाश ने साजन प्रकाश को पांच लाख रुपए देने का ऐलान किया है। उन्होंने प्रकाश की उपलब्धियों की तारीफ की और इसे भारतीय तैराकी का अहम पल बताया।' श्रीहरि नटकराज ने भी इसी टूर्नामेंट में 100 मीटर बैकस्ट्रोक में स्टैंडर्ड ए समय निकाला। उन्होंने चूंकि ट्रायल में यह समय निकाला है तो उनका ओलंपिक खेलना तभी तय होगा।

14 साल पहले सचिन ने रचा था इतिहास, 93 रन की पारी खेलकर वनडे में बनाया था ये रिकॉर्ड

एजेंसी

नईदिल्ली। महान बल्लेबाज मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने क्रिकेटर के रूप में कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए जिन्हें तोड़ पाना आसान नहीं है। ऐसा ही एक रिकॉर्ड उन्होंने 14 साल पहले आज ही के दिन बनाया था और इतिहास के पन्नों में अपना नाम हमेशा के लिए दर्ज करवा लिया था। आज ही के दिन 2007 में सचिन ने वनडे में 15,000 रन पूरे किए थे और ऐसा करने वाले बल्लेबाज बने थे। मास्टर

ब्लास्टर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के दूसरे वनडे में बेलफास्ट में यह उपलब्धि हासिल की थी। जीत के लिए 227 रनों का पीछा करते हुए तेंदुलकर ने भारत के लिए बल्लेबाजी की शुरुआत की और 50 ओवर के क्रिकेट में 15,000 रन के आंकड़े को पार करने के लिए 106 गेंदों में 93 रनों की पारी खेली। तेंदुलकर ने अपनी पारी में 13 चौके और दो छक्के लगाए। दाएं हाथ का यह बल्लेबाज 32वें ओवर में आउट होकर पवेलियन लौट गया लेकिन अपने पीछे एक ऐसा रिकॉर्ड छोड़ गया जिसे तोड़ पाना बेहद मुश्किल है। अंत में युवराज सिंह और दिनेश कार्तिक ने भारत को 6 विकेट से जीत दिलाई। गौर हो कि तेंदुलकर ने 15 नवंबर 1989 को टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। उसी साल 18 दिसंबर को उन्होंने अपना पहला वनडे मैच भी खेला था। महान क्रिकेटर ने खेल के सबसे लंबे प्रारूप में 15,921 रन बनाकर सबसे अधिक रन बनाए हैं। साथ ही तेंदुलकर ने किसी भी खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक 51 टेस्ट शतक बनाए। वनडे क्रिकेट में चीजें अलग नहीं हैं क्योंकि तेंदुलकर इस प्रारूप में सबसे अधिक रन बनाने की सूची में भी सबसे ऊपर हैं। उन्होंने वनडे में 18,426 रन बनाए हैं जिसमें 49 शतक शामिल हैं। तेंदुलकर ने 24 साल तक चले अपने करियर के दौरान 6 विश्व कप में देश का प्रतिनिधित्व किया। वह 2011 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा भी थे।

कोहली के साथ इस वायरल फोटो पर विलियमसन ने तोड़ी चुप्पी, जानिए क्या बोले कीवी कप्तान

एजेंसी

नईदिल्ली। विश्व टेस्ट चैम्पियन शिप के फाइनल में न्यूजीलैंड ने भारत को 8 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था। न्यूजीलैंड की खिताबी जीते के बाद भारतीय कप्तान विराट कोहली ने कीवी कप्तान केन विलियमसन को गले लगाकर मुबारकबाद दी थी जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर भी काफी वायरल हुई थी। इस पर न्यूजीलैंड के कप्तान ने अब अपने एक बयान में कहा कि हम दोस्त हैं, दोनों को लंबे समय से जानते हैं। एक इंटरव्यू के दौरान उस बारे में (कोहली द्वारा गले लगाकर बधाई देने पर) बात करते हुए विलियमसन ने कहा कि मैं और विराट एक दूसरे को काफी समय से जानते हैं और हम दोनों अच्छे दोस्त हैं। यह हमेशा ही खेल का सबसे अच्छा हिस्सा रहा है कि आपको विश्व के कई लोगों से मिलने और दोस्ती करने का मौका मिलता है।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय जडेजा ने की यह गलती, लगा 5 हजार का जुर्माना

एजेंसी

नईदिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय जडेजा पर 5,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया है। जडेजा पर गोवा के एक गांव नचिनोला में कचरा फैंकने करने के आरोप के बाद ये जुर्माना लगा। गांव की सरपंच तृप्ति बंदोदकर ने इस घटनाक्रम की जानकारी दी। यह गांव उत्तरी गोवा के एल्डोना गांव में जडेजा के बंगले के पड़ोस में स्थित है। जडेजा के गांव में मशहूर लेखक अमिताभ घोष नाम सहित कई हस्तियां रहती हैं। सरपंच ने यह भी कहा कि जडेजा ने बिना हंगामे के जुर्माना भर दिया।

सरपंच ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हम अपने गांव में कचरे के कारण परेशान हैं। बाहर से कचरा भी गांव में फेंका जाता है इसलिए हमने कुछ युवाओं को कचरा बैग इकट्ठा करने और दोषियों की पहचान करने के लिए किसी भी सबूत के लिए उन्हें स्कैन करने के लिए नियुक्त किया है। उन्होंने कहा, हमें कचरे के कुछ थैलों में अजय जडेजा के नाम का एक बिल मिला। जब हमने उसे भविष्य में गांव में कूड़ा न फेंकने की बात कही और उसने जुर्माने का भुगतान किया। हमें गर्व है कि ऐसा लोकप्रिय क्रिकेट खिलाड़ी हमारे गांव में रहता है लेकिन ऐसे लोगों को कचरा मानदंडों का पालन करना चाहिए। जडेजा भारतीय राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के एक प्रमुख सदस्य थे और उनका करियर 1992 से 2000 तक 8 साल तक चला। उन्होंने देश के लिए 15 टेस्ट और 196 एकदिवसीय मैचों में 6 शतकों के साथ क्रमशः 576 और 5,359 रन बनाए।

उनका सर्वाधिक 119 का स्कोर 1997 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ था। उन्होंने जिम्बाब्वे, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ भी शतक बनाए। जडेजा ने जून 2000 में ढाका के बंगबंधु नेशनल स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय मैच में भारत के लिए अपना अंतिम मैच खेला था। उस दौरान उनका नाम भारतीय क्रिकेट को हिला देने वाले मैच फिक्सिंग कांड में भी सामने आया था।

इसके बाद उन्हें क्रिकेट के सभी प्रारूपों से 5 साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। वर्ष 2003 में दिल्ली उच्च न्यायालय ने सबूतों के अभाव में प्रतिबंध को पलट दिया। जडेजा ने वापसी करने की कोशिश की लेकिन बीसीसीआई से उन्हें ज्यादा समर्थन नहीं मिला।

ओलंपिक जाने वाले शॉटपुट खिलाड़ी तूर का उम्दा प्रदर्शन जारी, जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी

पटियाला। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके शॉटपुट खिलाड़ी तेजिंदर पाल सिंह तूर ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए राष्ट्रीय अंतर राज्य एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। पिछले सोमवार को इंडियन ग्रां प्री 4 के दौरान 21.49 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाले तूर ने 21.10 मीटर का फासला नापकर पीला तमगा जीता। उनके छह थ्रो में से पांच 20 मीटर से ऊपर थे लेकिन एक फाउल रहा। ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करने का मार्क 21.10 मीटर है। पंजाब का यह खिलाड़ी एक सप्ताह में दो बार इस मार्क तक पहुंच चुका है। पंजाब के करणवीर सिंह ने 19. 33 मीटर के साथ रजत पदक जीता जबकि राजस्थान के वनम शर्मा को कांस्य पदक मिला। महिलाओं के भालाफेंक में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी अन्नु रानी

ओलंपिक क्वालीफिकेशन मार्क तक पहुंचने के आखिरी प्रयास में नाकाम रही। उन्होंने 62.83 मीटर के साथ स्वर्ण जीता। ओलंपिक क्वालीफिकेशन मार्क 64 मीटर है। विश्व रैंकिंग के आधार पर हालांकि अन्नु को तोक्यो ओलंपिक में प्रवेश मिल सकता है। वह फिलहाल रोड टू तोक्यो सूची में 19वें स्थान पर है। महिलाओं की भालाफेंक स्पर्धामें 32 खिलाड़ी भाग लेंगे।

पुरूषों की ऊंची कूद में केरल के मोहम्मद अनीस याहिया ने स्वर्ण, उत्तर प्रदेश के युगांत शेखर सिंह ने रजत और ऋषभ त्रिपश्चर ने कांसय पदक जीता। पुरूषों की 400 मीटर दौड़ श्रीलंका के कलिंगा कुमारागे ने और महिलाओं की दौड़ कर्नाटक की प्रिया हब्बनाथहल्ली ने जीती। चैम्पियनशिप के आखिरी दिन चक्काफेंक खिलाड़ी सीमा पूनिया, महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम और पुरूषों की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम तोक्यो ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने की आखिरी कोशिश करेंगी।

गोल्ड्मनी एशियन रैपिड शतरंज : भारत के अर्जुन की नजरे प्ले ऑफ पर

एजेंसी

नई दिल्ली। चैम्पियन चैस टूर के सातवे पड़ाव गोल्ड्मनी एशियन रैपिड शतरंज टूर्नामेंट में दूसरे दिन भी कई उलटफेर हुए । दूसरे दिन राउंड 6 से 10 के मुक़ाबले खेले गए , भारतीय खिलाड़ियों मे पहली बार खेल रहे युवा ग्रांड मास्टर अर्जुन एरिगासी का शानदार खेल दूसरे दिन भी जारी रहा और कल के अपने स्कोर मे वह 3 अंक जोड़ने मे सफल रहे । दूसरे दिन उन्होने आठवे राउंड मे हमवतन शीर्ष भारतीय ग्रांडमास्टर विदित गुजराती को पराजित कर बड़ा उलटफेर किया तो दसवें राउंड मे विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी चीन की पूर्व विश्व चैम्पियन हाउ ईफान को मात दी , अर्जुन ने गुकेश डी और फीडे के अलीरेजा फिरौजा से ड्रॉ खेला जबकि यूएसए के लेवोन अरोनियन से उन्हे हार का सामना करना पड़ा। विदित के लिए दूसरा दिन अच्छा नहीं रहा उन्होने एक और जहां डिंग लीरेन , लेवोन अरोनियन और अलीरेजा जैसे अच्छे खिलाड़ियों से बाजी ड्रॉ खेली उन्हे हमवतन जूनियर खिलाड़ियों अर्जुन और गुकेश से पराजय का सामना करना पड़ा। गुकेश नें पहले दिन के मुक़ाबले वापसी करते हुए 3 अंक बनाए उन्होने विदित और हाऊ ईफान पर जीत दर्ज की तो यूएसए के वेसली सो और अर्जुन से ड्रॉ खेला। अधिबन भास्करन के लिए दूसरा दिन और बुरा साबित हुआ और उन्हे लगातार चार हार का सामना करना पड़ा। अंतिम राउंड मे यूएई के सलेम सालेह से जीतकर उन्होने अपनी पहली जीत दर्ज की। विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन के लिए भी दूसरा दिन खास नहीं रहा और वह सिर्फ 2.5 अंक ही जोड़ सके। राउंड 10 के बाद अरोनियन और डिंग 7 अंक, वेसली और आर्टेमिव ब्लादिस्लाव 6.5 अंक , कार्लसन और अनीश गिरि 6 अंक ,अर्जुन 5.5 अंक और जान डुड़ा 5 अंको के साथ प्ले ऑफ की दौड़ मे आगे चल रहे है।

मिस्बाह उल हक ने कहा- पाकिस्तान टीम के इन मुद्दों को जल्द सुलझाउंगा?

एजेंसी

लंदन। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच मिस्बाह-उल-हक ने कहा है कि टीम प्रबंधन इस वर्ष के अंत में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले मध्य क्रम में दो स्थानों पर ध्यान केंद्रित करेगा। दरअसल मिस्बाह ने जब से मुख्य कोच के रूप में पदभार संभाला है, तब से पाकिस्तान ने इन दो स्थानों पर 14 खिलाड़ियों को आजमाया जा चुका है। समझा जाता है कि अगले महीने आजम खान और शोएब मकसूद के बीच मध्यक्रम में अपना स्थान मजबूत करने के लिए प्रतिस्पर्धा होगी। मिस्बाह ने रविवार को एक बयान में कहा कि पीएसएल (पाकिस्तान सुपर लीग) ने कुछ बातें स्पष्ट की हैं। मुझे लगता है कि नंबर पांच और नंबर छह वे स्थान हैं जिन्हें हम भरने की कोशिश कर रहे हैं।

इनके साथ हमें समस्या हुई है। अब हमारे पास आजम खान और सोहेब मकसूद हैं, यह देखने के लिए कि क्या वे कर सकते हैं और हम उनके साथ क्या संयोजन कर सकते हैं। कुल मिलाकर हम जिस गेंदबाजी के बारे में जानते हैं, उसमें हमारा आक्रमण काफी अच्छा है। शीर्ष क्रम में हमारे पास चार खिलाड़ी और उनके प्रतिस्थापन हैं जो कुछ अधिक हैं। मिस्बाह ने कहा कि हम अपनी टीम को कम या ज्यादा जानते हैं, लेकिन कुछ स्थानों पर हमें अगली दो श्रृंखलाओं पर ध्यान देने की जरूरत है। हम कोशिश करते हैं कि हमारे यहां जो भी खिलाड़ी हैं वे पूरी तरह से तैयार हों और हम उन पर भरोसा करें, ताकि वे मैदान पर जाएं और प्रदर्शन करें। निस्संदेह आजम प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, हालांकि वह हाल ही में थोड़ा आउट ऑफ फॉर्म रहे हैं, लेकिन सभी जानते हैं कि आधुनिक टी-20 क्रिकेट में आपको पांच या छह नंबर पर जितनी ताकत और स्ट्राइक रेट की जरूरत होती है, वह उतनी क्षमता रखते हैं, इसलिए उन्हें आजमाने के लिए हमें बस यह देखना होगा कि हम किस संयोजन के साथ जाना चाहते हैं। मिस्बाह ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियोंका अच्छे फॉर्म और अच्छी मानसिकता में होना हमेशा अच्छा होता है, लेकिन आप क्रिकेट से सीखते हैं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि कई बार आपके पास अच्छा फॉर्म और रन होते हैं, लेकिन फिर भी आप अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते और कभी-कभी आप अच्छे फॉर्म में नहीं होते हैं, लेकिन आप अधिक फोकस के साथ आते हैं और उस फॉर्म को फिर से हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की टीम दो दिन पहले इंग्लैंड पहुंच गई है।

उसके पास मध्य क्रम के मुद्दों को सुलझाने के लिए पर्याप्त टी-20 क्रिकेट है। पाकिस्तान को टी-20 विश्व कप 2016 के उप विजेता इंग्लैंड के खिलाफ उसकी सरजमीन पर तीन वनडे और तीन टी-20 मैच खेलने हैं। इसके बाद वह वेस्ट इंडीज के खिलाफ पांच टी-20 मुकाबले खेलेगा।

पहली बार फेसबुक का मार्केट कैप 1 ट्रिलियन डॉलर के पार, शेयर में आया उछाल

एजेंसी

नईदिल्ली। दिग्गज सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक का मार्केट कैप सोमवार को पहली बार 1 ट्रिलियन डॉलर से ऊपर बंद हुआ। मार्क जुकरबर्ग की अगुवाई वाली इस कपंनी ने पहली बार यह मुकाम हासिल किया है। एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन और गूगल के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाली फेसबुक अमेरिका की 5वीं कंपनी है। फेसबुक के खिलाफ एंटीट्रस्ट शिकायत खारिज होने के बाद सोमवार को कंपनी का शेयर 4.2 फीसदी उछलकर 355.64 डॉलर पर पहुंच गया। फेसबुक की सारी कमाई पर्सनलाइज्ड विज्ञापनों से होती है जो फेसबुक और इंस्टाग्राम के यूजर्स को दिखाए जाते हैं। साथ ही कंपनी का हार्डवेयर बिजनेस भी अच्छा चल रहा है। फेसबुक पोर्टल वीडियो कॉलिंग डेवाइस, ओकुलस वर्चुअल रिएलिटी हैडसेट्स और स्मार्ट ग्लासेज बना रही है जो इसी साल रिलीज होने जा रहे हैं।

निर्मला सीतारमण ने कोरोना प्रभावित क्षेत्रों को 1.1 लाख करोड़ की लोन गारंटी देने का किया ऐलान

एजेंसी

नईदिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। वित्त मंत्री ने 8 राहत उपायों की घोषणा की। इसमें से 4 घोषणाएं बिलकुल नई होंगी। यह राहत घोषणाओं कोविड से प्रभावित सेक्टर्स के लिए होंगी। वित्त मंत्री ने कोविड प्रभावित सेक्टर के लिए 1.1 लाख करोड़ लोन गारंटी स्कीम की घोषणा की है। कोरोना संकट के कारण उपजी आर्थिक चुनैतियों का सामना करने के लिए कोविड-19 से प्रभावित सेक्टर्स के लिए 1.1 लाख करोड़ के राहत पैकेज का ऐलान किया है। इस के तहत हेल्थकेयर सेक्टर को 50,000 करोड़ और दूसरे सेक्टर्स के लिए 60,000 करोड़ रुपए की घोषणा की गई है।

इकोनॉमिक रिलीफ

■ कोविड से प्रभावित सेक्टर के लिए 1.1 लाख करोड़ रुपए की लोन गारंटी स्कीम।

■ हेल्थ सेक्टर के लिए 50 हजार करोड़ रुपए।

■ अन्य सेक्टर्स के लिए 60 हजार करोड़ रुपए।

■ हेल्थ सेक्टर के लिए लोन पर 7.95त्न सालाना से अधिक ब्याज नहीं होगी।

■ अन्य सेक्टर्स के लिए ब्याज 8.25त्न से ज्यादा नहीं होगी।

ईसीएलजीएस

■ ईसीएलजीएस में 1.5 लाख करोड़ रुपए अतिरिक्त दिए जाएंगे

■ ईसीएलजीएस 1.0, 2.0, 3.0 में अब तक 2.69 लाख करोड़ रुपए का वितरण

■ सबसे पहले इस स्कीम में 3 लाख करोड़ रुपए की घोषणा की गई थी।

■ अब इस स्कीम का कुल दायरा 4.5 लाख करोड़ रुपए हो गया है

■ अब तक शामिल किए गए सभी सेक्टर्स को इसका लाभ मिलेगा

क्रेडिट गारंटी स्कीम

■ छोटे कारोबारी-इंडिविजुअल एनबीएफसी, माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूट से 1.25 लाख तक का लोन ले सकेंगे।

■ इस पर बैंक के एमसीएलआर पर अधिकतम 2 प्रतिशत जोड़कर ब्याज लिया जा सकेगा

■ इस लोन की अवधि 3 साल होगी और सरकार गारंटी देगी।

■ इसका मुख्य मकसद नए लोन को वितरण करना है।

■ 89 दिन के डिफॉल्टर समेत सभी प्रकार के बॉरोअर इसके लिए योग्य होंगे।

■ इस स्कीम का लाभ करीब 25 लाख लोगों को मिलेगा।

■ करीब 7500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया जाएगा। 31 मार्च 2022 तक इसका लाभ मिलेगा।

पर्यटन सेक्टर

■ वित्त मंत्री ने कहा कि पर्यटन का क्षेत्र भारत में काफी महत्वपूर्ण है। ये रोजगार और स्वरोजगार पैदा करता है। वित्तीय सहायता टूरिस्ट गाइड्स और दूसरे स्टेक होल्डर्स के लिए की गई है। कार्यशील पूंजी मिलेगी। व्यक्तिगत कर्ज में भी लाभ मिलेगा। देनदारियों को चुकाने के लिए लाई गई है योजना। साथ ही नया कारोबार शुरू करने में भी ये योजना मदद करेगी। 100 फीसदी गारंटी सरकार की तरफ से दी जाएगी। 10 लाख रुपए प्रति एजेंसी तक दिया जाएगा। वहीं, लाइसेंस्ड टूरिस्ट गाइड को 1 लाख रुपए दिए जाएंगे। इसमें कोई प्रॉसेसिंग चार्ज या क्लोजर चार्ज नहीं देना होगा। ये गारंटी मुक्त योजना है।

आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना का विस्तार

■ यह योजना पिछले साल अक्टूबर में लॉन्च की गई थी।

■ अब इस स्कीम को बढ़ाकर 31 मार्च 2022 तक किया जा रहा है।

■ इस स्कीम के तहत अब तक करीब 21.42 लाख लाभार्थियों के लिए 902 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं।

■ इस स्कीम के तहत सरकार 15 हजार से कम वेतन वाले कर्मचारियों और कंपनियों के पीएफ का भुगतान करती है।

■ सरकार ने इस स्कीम में 22,810 करोड़ रुपए खर्च करने का लक्ष्य रखा है जिससे करीब 58.50 लाख लोगों को लाभ मिलेगा।

■ सरकार कर्मचारी-कंपनी का 12त्न-12त्न पीएफ का भुगतान करती है।

■ पहले 5 लाख विदेशी टूरिस्ट वीजा मुफ्त जारी किए जाएंगे

■ यह स्कीम 31 मार्च 2022 तक लागू रहेगी।

■ इस स्कीम के तहत 100 करोड़ रुपए की वित्ती सहायता दी जाएगी।

■ एक टूरिस्ट को केवल एक बार स्कीम का लाभ मिलेगा।

■ विदेशी टूरिस्टों को वीजा की अनुमति मिलते ही इस स्कीम का लाभ मिलेगा।

■ 2019 में करीब 1.93 करोड़ विदेशी टूरिस्ट भारत आए थे।

कृषि से संबंधी सब्सिडी

■ किसानों को 14,775 करोड़ रुपए की अतिरिक्त सब्सिडी दी गई है। इसमें 9125 करोड़ रुपए की सब्सिडी डीएपी पर दी गई है।

■ 5650 करोड़ रुपए की सब्सिडी एनपीके पर दी गई है।

■ रबी सीजन 2020-21 में 432.48 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीदारी की गई है।

ग्लेमोर्गन की टीम में कोरोना की दस्तक, मैच से हटे मार्नस लाबुस्चगने

एजेंसी

नईदिल्ली। इंग्लैंड में ग्लेमोर्गन के लिए टी20 ब्लास्ट में खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुस्चगने ने एक मैच से हटने का फैसला किया है। उन्होंने टीम के साथी खिलाड़ी निक सेलमैन के कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद यह फैसला लिया है। सकारात्मक परीक्षण के बाद सेलमैन को मानदंडों का पालन करते हुए अगले 10 दिनों के लिए सख्त क्वारंटाइ में रहना होगा। ग्लैमोर्गन ने एक बयान में कहा कि ग्लैमरगन के अन्य सभी खिलाड़ियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ के की कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आई है। हालांकि नेसर और लाबुस्चगने की रिपोर्ट आना बाकी है और वे अपने परिणाम आने तक टी20 ब्लास्ट में आगे हिस्सा नहीं लेंगे। क्लब ने संभावित करीबी संपर्कों के रूप में लाबुस्चगने और माइकल नेसर की भी पहचान की और कहा कि वह उन्हें मैच के दिन टीम से हटाने का एहतियाती कदम उठा रहे हैं। टीम के अन्य सभी सदस्यों, कोचों और कर्मचारियों ने नकारात्मक परिणाम लौटाए। ग्लैमरगन के लिए 26 वर्षीय मार्नस का सीजन अच्छा रहा है। हालांकि चार दिवसीय काउंटी मैचों के दौरान बल्लेबाज संघर्ष करता नजर आया। लेबुस्चगने सबसे छोटे प्रारूप में फॉर्म में वापस आए और टीम के प्रमुख स्कोरर थे। लेकिन कोविड-19 के डर और उसके कुछ और गेम हारने की संभावना के कारण हालिया मैच से उसके हटने की ताजा खबर का मतलब है कि उसे टी20 प्रारूप में अपनी साख दिखाने के लिए अपने मौके का इंतजार करना होगा। दिलचस्प बात यह है कि दाएं हाथ का बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के वेस्टइंडीज दौरे के लिए टीम का हिस्सा नहीं है। इस टी20 ब्लास्ट प्रतियोगिता से चयनकर्ताओं को एक टी20 खिलाड़ी के रूप में भी उनकी अहमियत का पता चल सकता था, लेकिन अब उन्हें फिर से शुरुआत करनी होगी। वेस्टइंडीज खेलने के अलावा, ऑस्ट्रेलिया अगस्त के महीने में टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए बांग्लादेश की यात्रा करने के लिए भी तैयार है।

महंगाई का खेल : कहीं 117 तो कहीं 200 रुपए के पार बिक रहा सरसों का तेल

एजेंसी

नईदिल्ली। कोरोना की मार से परेशान आम आदमी की कमर महंगाई ने तोड़ दी है। पिछले एक साल में सरसों तेल से लेकर चावल-दाल-आटे और यहां तक कि चाय की महंगाई ने किचन का बजट बिगाड़ करके रख दिया है। अब महंगाई का खेल देखें कि नासिक में सरसों तेल 200 रुपए के पार बिक रहा है तो मुरादाबाद में पाम ऑयल 180 के ऊपर। मैसूर में वनस्पति 212 रुपए तो सोया तेल गंगटोक में 194 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं बीकानेर में सूरजमुखी का तेल 227 रुपए किलो पहुंच गया है। यह हम नहीं कह रहे, बल्कि उपभोक्ता मंत्रालय की वैबसाइट पर दिए गए आंकड़े बोल रहे हैं। ये आंकड़े 25 जून 2021 के हैं और ये देश में खाद्य तेलों की अधिकतम कीमतें हैं। वैबसाइट पर दिए गए आंकड़ों के मुताबिक 25 जून 2020 के मुकाबले 25 जून 2021 को खाद्य तेलों की कीमतों में 53 फीसदी, दालों में 15 फीसदी और खुली चाय में 25 फीसदी तक उछाल आ चुका है। वहीं चावल के रेट में 4 फीसदी की बढ़ौतरी हुई है। अगर कोई चीज सस्ती हुई है तो गेहूं, चीनी, गुड़, आलू और टमाटर।

दालों ने भी तरेरी आंखें

अगर दालों की बात करें तो वे भी आंखें तरेर रही हैं। मंत्रालय की वैबसाइट पर दिए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक अरहर यानी तूअर की दाल औसतन 93 रुपए किलो से करीब 107 रुपए, उड़द दाल 101 से 109 रुपए किलो हो गई है। वहीं मूंग की दाल में गिरावट आई है, जबकि मसूर और चना दाल 15 फीसदी तक महंगी हुई है।

प्याज के तीखे हो रहे तेवर

कभी आम जनता को महंगाई का आंसू रुलाने वाला प्याज फिर तीखे तेवर कर रहा है। एक साल में इसकी कीमत 33 फीसदी बढ़कर 21 से 28 रुपए पर पहुंच गई है। आलू और टमाटर ही अब राहत दे रहे हैं। यूं कहें कि आलू और टमाटर ही अब महंगाई के आंसू पोछ रहे हैं। इस एक साल में आलू का औसत खुदरा मूल्य 24 फीसदी गिरकर 28 से 21 पर आ गया है। वैबसाइट पर दिए गए रेट उच्चतम और न्यूनतम का औसत है। वास्तविक रूप से खुदरा बाजारों में रेट इससे अलग हो सकते हैं।

चाय, दूध और नमक के भी बढ़े भाव

पिछले साल के मुकाबले इस साल चाय की कीमतों में भारी इजाफा हुआ है। खुली चाय 25 फीसदी चढ़कर 221 से 277 रुपए किलो पहुंच गई है। चीनी जहां मामूली रूप से सस्ती हुई है। वहीं सबसे कम यूज होने वाले नमक के भाव भी इस एक साल में 10 फीसदी बढ़ चुका है। वहीं दूध भी 3 फीसदी महंगा हो चुका है। उपभोक्ता मंत्रालय पर दिए गए ये आंकड़े देशभर के 100 से ज्यादा केंद्रों से जुटाए गए हैं।

राहुल का 'आर्थिक सहायता' को लेकर केंद्र पर निशाना, कहा-

ये पैकेज नहीं, सरकार का एक और ढकोसला

एजेंसी

नईदिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से 1.1 लाख करोड़ रुपये की रिण गारंटी योजना समेत कई कदमों की घोषणा किए जाने को 'एक और ढकोसला करार देते हुए मंगलवार को कहा कि इस 'आर्थिक पैकेज से कोई परिवार अपने रहने, खाने, दवा और बच्चे की स्कूल की फीस का खर्च वहन नहीं कर सकता। उन्होंने ट्वीट किया, ''वित्त मंत्री के 'आर्थिक पैकेज से कोई परिवार अपने रहने-खाने-दवा-बच्चे की स्कूल फ़ीस का खर्च वहन नहीं कर सकता। पैकेज नहीं, एक और ढकोसला! पूर्व वित्त मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने कहा, ''कुछ बुनियादी सच्चाई- कोई बैंकर कर्ज के बोझ तले दबे कारोबार को ऋण नहीं देगा। कर्ज के बोझ से दबे या नगदी की किल्लत का सामना कर रहे कारोबार अब और अधिक कर्ज नहीं चाहते। उन्हें कर्ज से इतर पूंजी की जरूरत है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, ''उस स्थिति में मांग (उपभोग) से अर्थव्यवस्था में गति नहीं आएगी जहां नौकरियां खत्म हो गई हों और आय कम हो गई हो। इस संकट का एक समाधान यह है कि लोगों के हाथ में पैसे दिए जाएं, खासकर गरीबों और मध्यम वर्ग की मदद की जाए। गौरतलब है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोविड महामारी से प्रभावित अर्थव्यवस्था को गति देने के इरादे से स्वास्थ्य क्षेत्र में बुनियादी ढांचे में सुधार के लिये 1.1 लाख करोड़ रुपये की रिण गारंटी योजना समेत विभिन्न उपायों की घोषणा की है।

जम्मू वायुसेना स्टेशन पर हुए हमले की शुरुआती जांच में आरडीएक्स के इस्तेमाल के संकेत मिले

एजेंसी

जम्मू। जम्मू में उच्च सुरक्षा वाले हवाई अड्डा परिसर स्थित वायुसेना स्टेशन में शनिवार देर रात ड्रोन से किए गए बम हमले को लेकर हुई शुरुआती जांच में आरडीएक्स समेत अन्य रसायनों के मिश्रण का इस्तेमाल करने के संकेत मिले हैं। साथ ही जांचकर्ता अभी भी ड्रोन के वायु मार्ग का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि हवाई अड्डा परिसर स्थित वायुसेना स्टेशन में किसी को भी प्रवेश करने की अनुमति नहीं है और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक टीम समेत अन्य जांच दल मौके पर मौजूद बारीक से बारीक साक्ष्य को एकत्र कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ड्रोन द्वारा गिरायी गई विस्फोटक सामग्री आरडीएक्स और अन्य रसायनों का मिश्रण का उपयोग कर बनायी गई हो सकती है। हालांकि, इस बारे में अंतिम पुष्टि होने का इंतजार है। अधिकारियों ने कहा कि विस्फोटक सामग्री का अध्ययन करने के लिए एनएसजी की विस्फोट के बाद विश्लेषण करने वाली टीम को वायुसेना स्टेशन भेजा गया है। उन्होंने कहा कि यह टीम अपने निष्कर्षों को जम्मू-कश्मीर पुलिस और एनआईए के साथ साझा करेगी। पाकिस्तानी आतंकवादियों ने महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के लिए पहली बार ड्रोन का इस्तेमाल किया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया था कि पहला विस्फोट शनिवार देर रात एक बजकर 40 मिनट के आसपास हुआ जबकि दूसरा उसके छह मिनट बाद हुआ। इस विस्फोट में दो वायुसेना कर्मी घायल हो गए। पहले धमाके में शहर के बाहरी सतवारी इलाके में भारतीय वायुसेना द्वारा संचालित हवाई अड्डे के उच्च सुरक्षा वाले तकनीकी क्षेत्र में एक मंजिला इमारत की छत को नुकसान हुआ जबकि दूसरा विस्फोट छह मिनट बाद जमीन पर हुआ। सूत्रों ने कहा कि जांच जारी है। हालांकि, टीमें अभी भी यह सुराग खंगाल रही हैं कि बम गिराने के लिए ड्रोन ने किस मार्ग का उपयोग किया। इस बीच, सोमवार को दूसरे दिन भी विभिन्न जांच एजेंसियों के अलावा सेना, पुलिस एवं अन्य जांच एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने वायुसेना स्टेशन का दौरा किया। जम्मू- कश्मीर के पुलिस प्रमुख दिलबाग सिंह ने इसे आतंकी घटना करार देते हुए कहा कि पुलिस और अन्य एजेंसियां हमले के पीछे की साजिश का पर्दाफाश करने के लिए साथ मिलकर काम कर रही हैं। अधिकारियों ने कहा कि जांचकर्ताओं ने हवाई अड्डे की चारदीवारी पर लगे कैमरों सहित सीसीटीवी फुटेज खंगाली है ताकि यह पता लगाया जा सके कि ड्रोन कहां से आए थे? हालांकि सभी सीसीटीवी कैमरे सड़क किनारे लगे थे।

अधिकारियों ने बताया कि दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सीमावर्ती इलाकों में तैनात रडार द्वारा ड्रोन का पता नहीं लगाया जा सकता। उन्होंने संकेत दिया कि एक अलग रडार प्रणाली लगायी जा सकती है जो एक पक्षी के रूप में छोटे ड्रोन का भी पता लगा सकती है।

डेल्टा प्लस पर वैक्सीन असरदार है या नहीं, जानिए सरकार ने दिया क्या जवाब

एजेंसी

नईदिल्ली। देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर थमनी शुरू हो गई है लेकिन अब डेल्टा प्लस ने वैज्ञानिकों और डॉक्टरों की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि वैज्ञानिकों का कहना है कि कोरोना का यह स्वरूप ज्यादा खतरनाक नहीं होगा।

इसी बीच लोगों के मन में जो सवाल उठ रहा है वो यह कि क्या डेल्टा प्लस पर कोरोना वैक्सीन उपयोगी सिद्ध होगी या नहीं। ष्थ1द्वस्त्र कार्यबल के प्रमुख वी के पॉल ने इस पर जवाब देते हुए कहा कि जिस अप्रत्याशित तरीके से कोरोना वायरस का व्यवहार बदलता है, उसमें ष्थ1द्वस्त्र महामारी की किसी लहर की कोई तारीख नहीं बताई जा सकती।

उन्होंने यह भी कहा कि 'अनुशासन और महामारी से निपटने के लिए प्रभावी कदम देश को किसी भी तरह के बड़े संकट से दूर रखने में मददगार हो सकते हैं। वायरस के डेल्टा प्लस स्वरूप को लेकर चिंता के बीच पॉल ने कहा कि अबतक ऐसा कोई वैज्ञानिक आंकड़ा नहीं है, जिससे यह स्थापित हो कि यह एक से दूसरे में तेजी से फैलने वाला है या फिर ष्थ1द्वस्त्र के टीके का असर कम करता है। पॉल नीति आयोग के सदस्य भी हैं। पॉल ने कहा कि किसी भी आकार की महामारी की नई लहर कई बातों पर निर्भर करती है। वर्तमान महामारी के मामले में ष्थ1द्वस्त्र-19 संक्रमण से बचाव के समुचित व्यवहार, परीक्षण और संक्रमण की रोकथाम के लिए रणनीति के मामले में व्यापक अनुशासन और टीकाकरण की दर पर निर्भर करेगा।

पॉल ने कहा कि महामारी की और लहर आएगी या नहीं , यह हमारे अपने वश में नहीं है। मेरे हिसाब से, लहर की कोई तारीख नहीं बताई जा सकती है। वायरस के डेल्टा प्लस स्वरूप के बारे में पूछे जाने पर पॉल ने कहा कि इसके बारे में वैज्ञानिक जानकारी काफी शुरुआती चरण की है। बता दें कि कोरोना वायरस का नया स्वरूप डेल्टा प्लस का पता 11 जून को चला और इसे 'चिंताजनक श्रेणी में रखा गया है। कोरोना वायरस के डेल्टा प्लस के विरुद्ध कोवैक्सीन और कोविशीलड की प्रतिरोधक क्षमता के बारे में पॉल ने कहा कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (द्बष्टरूक्र) के वैज्ञानिक आकलन के अनुसार दोनों टीके डेल्टा प्लस समेत कोरोना वायरस के विभिन्न स्वरूपों के विरुद्ध प्रभावी हैं। भारत बायोटेक के कोवैक्सिन आवेदन मामले में विश्व स्वास्थ्य संगठन से आपातकालीन उपयोग सूची प्रमाणपत्र प्राप्त करने के बारे में पूछे जाने पर, पॉल ने कहा कि प्रक्रिया बहुत अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है।

मैं 72 साल का हूं , मुझे कई बीमारियां, नहीं हो सकता पेश

एजेंसी

नईदिल्ली। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख आज भी धन शोधन में प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश नहीं हुए। उन्होंने श्वष्ठ को पत्र लिखकर कहा कि मेरी उम्र 72 साल है और कई दूसरी बीमारियों से ग्रसित हूं। उन्होंने कहा कि अगर श्वष्ठ चाहे तो ऑडियो या वीडियो के माध्यम से बयान दर्ज करा सकती है। अनिल देशमुख ने कहा कि ईडी मुझे जांच से सम्बंधित सवालों की कॉपी दे, जिससे मैं बेहतर उत्तर दे सकू और मेरा जवाब ऑनलाइन रिकॉर्ड करे या ऑडियो विसुअल जिससे संभव हो। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मेरी जगह मैंने ऑथराइज्ड रिप्रेजेंटेटिव अप्वॉइंट किया है, जो सभी तरह के सवालों के जवाब देने के लिए मेरी ओर से समर्थ है। मैं ऑडियो वीडियो के माध्यम से कभी भी अपना स्टेटमेंट देने के लिए उपलब्ध हूं। ईडी को लिखे पत्र में पूर्व गृह मंत्री ने कहा कि मुझे मीडिया से जानकारी मिली है कि मुझसे जुडे दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि ईसीआईआर की कॉपी दिए बिना व्यक्तिगत रुप से पेश होने के लिए कहना श्वष्ठ की मंशा पर सवाल खड़ा करती है। इससे पहले, ईडी ने देशमुख को शनिवार को तलब किया था लेकिन उन्होंने एजेंसी के सामने पेश होने के लिए नई तारीख मांगी थी जिसके बाद देशमुख को इस सप्ताह पेश होने के लिए कहा गया।

गणतंत्र दिवस हिंसा : कोर्ट ने दीप सिद्धू समेत अन्य आरोपियों को जारी किया समन

एजेंसी

नईदिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने गणतंत्र दिवस हिंसा मामले में मंगलवार को अभिनेता-कार्यकर्ता दीप सिद्धू और अन्य आरोपियों के खिलाफ नए समन जारी किए हैं। मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट गजेंद्र सिंह नागर ने सभी आरोपियों को 12 जुलाई को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अदालत में पेश होने का निर्देश दिया। अदालत को सूचित किया गया था कि पहले जो समन जारी किए गए थे वे आरोपियों को नहीं मिले जिसके बाद अदालत ने नए समन जारी किए। इससे पहले, 19 जून को न्यायाधीश ने मामले में आरोप-पत्र का संज्ञान लेते हुए सभी आरोपियों को 29 जून को पेशी के लिए समन जारी किए थे। लेकिन मंगलवार को आरोपियों में से केवल एक हरजोत सिंह ही अदालत में पेश हुए। अन्य आरोपियों के वकीलों ने अदालत को बताया कि उनके मुवक्किलों को अब तक समन नहीं दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलनरत किसान 26 जनवरी को ट्रैक्टर रैली के दौरान लाल किले में घुस आए थे और उनके तथा पुलिस के बीच हुई झड़प में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी घायल हो गए थे।

अलगाववादी नेता शब्बीर शाह से कोर्ट का सवाल- तुम्हे भारत के संविधान में विश्वास है या नहीं?

एजेंसी

नईदिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने धन शोधन के आरोप में गिरफ्तार कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर शाह से मंगलवार को पूछा कि क्या उसे देश की न्यायिक व्यवस्था और संविधान में विश्वास है? विशेष न्यायाधीश धर्मेंद्र राणा ने जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान शाह के वकील से यह सवाल किया। न्यायाधीश ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सुनवाई के दौरान वकील एमएस खान से पूछा कि अपने मुवक्किल से पूछें कि क्या उसे न्यायिक व्यवस्था और भारत के संविधान में विश्वास है? इस पर वकील ने जवाब दिया कि शाह को देश की व्यवस्था और कानून पर पूरा भरोसा है। न्यायाधीश ने कहा कि उससे व्यक्तिगत रूप से पूछें और एक जुलाई को अदालत को सूचित करें। शाह तिहाड़ केंद्रीय जेल में बंद है।

प्रवर्तन निदेशालय ने उसकी जमानत अर्जी का विरोध करते हुए अदालत को आश्वस्त किया है कि वह छह महीने में साक्ष्य का समापन कर देगी क्योंकि उसे मामले में कई गवाहों का परीक्षण करना है। अभियोजन के अनुसार, अगस्त 2005 में, दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने कथित हवाला डीलर अहमद वानी को गिरफ्तार किया था, और दावा किया था कि उसके पास से 63 लाख रुपये बरामद किए गए हैं, जिनमें से 52 लाख रुपये कथित तौर पर शाह को दिए जाने थे।

अभियोजन के अनुसार जांच के दौरान वानी ने दावा किया था कि उसने शाह को 2.25 करोड़ रुपये दिए थे। ईडी ने बाद में 2007 में शाह और वानी के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया था।

राष्ट्रपति कोविंद बोले- मेरी 5 लाख रुपए सैलरी... लेकिन 2.75 लाख रुपए टैक्स भी देता हूं

एजेंसी

नईदिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि वे हर महीने 2.75 लाख रुपए का टैक्स देते हैं। उत्तर प्रदेश दौरे पर पहुंचे राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कानपुर देहात जिले के झींझंक में मीडिया से बात करते हुए कहा कि मेरी सैलरी 5 लाख रुपए है और मैं 2.75 लाख रुपए का टैक्स देता हूं। राष्ट्रपति ने कहा कि हमसे ज्यादा बचत तो एक टीचर की होती है।

राष्ट्रपति ने कहा कि कई लोग गुस्से में आकर देश की संपत्ति को नुकसान पहुंचा देते हैं, इससे किसका नुकसान होता है? लोग कहते हैं कि यह सरकारी संपत्ति है, यह करदाताओं का पैसा है। राष्ट्रपति ने कहा कि मैं इसका उल्लेख इसलिए कर रहा हूं क्योंकि लोग कहते हैं कि राष्ट्रपति देश का सबसे अधिक वेतन पाने वाला कर्मचारी है लेकिन वह टैक्स भी देता है, मैं हर महीने टैक्स के रूप में 2.75 लाख रुपए का भुगतान करता हूं, हर कोई कहता है कि मुझे हर महीने 5 लाख रुपए मिलते हैं लेकिन उस पर भी टैक्स लगता है। राष्ट्रपति के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने काफी कमेंट किए। लोगों ने कहा राष्ट्रपति जी भी टैक्स देते हैं क्या? एक ट्विटर यूजर ने कमेंट कि जहां तक मैंने पढ़ा है राष्ट्रपति के वेतन एवं भत्ते टैक्स फ्री होते हैं?

एक अन्य यूजर ने लिखा कि 'भारतीय क़ानून ने तो महामहिम राष्ट्रपति जी को आयकर से छूट दे रखी है अब राष्ट्रपति जी पौने तीन लाख रुपए महीना टैक्स किसको दे रहे हैं, ये देश को पता होना चाहिए'।

भूटान को विकास प्रोजेक्ट के लिए 4500 करोड़ रुपए देगा भारत

एजेंसी

नईदिल्ली। भारत और भूटान ने अपनी विकास साझेदारी में शामिल सभी क्षेत्रों की समीक्षा की और दोनों देश भूटान में सड़क ढांचा, जल प्रबंधन और कोविड-19 प्रबंधन क्षेत्रों में नई परियोजनाएं क्रियान्वित करने के लिए सहमत हुए। इसी के साथ ही भारत ने भूटान को विकास प्रोजेक्ट के लिए 4,500 करोड़ रुपए देने का वादा किया है। विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि तीसरी भारत-भूटान विकास सहयोग वार्ता डिजिटल माध्यम से हुई जबकि भूटान के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश सचिव किंगा सिंगये ने किया। बयान में कहा गया कि भारत सरकार ने भूटान की 12वीं योजना के दौरान विकास परियोजनाओं के लिए 4500 करोड़ रुपए और ट्रांजिशनल ट्रेड फैसिलिटी के लिए 400 करोड़ रुपए का वादा किया है।

प्रवासी मजदूरों पर एससी का बड़ा फैसला, कहा-

सभी राज्य 31 जुलाई तक वन नेशन, वन राशन लागू करें

एजेंसी

नईदिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 31 जुलाई तक 'एक देश, एक राशन कार्ड योजना लागू करने का मंगलवार को निर्देश दिया जबकि केंद्र को कोविड-19 की स्थिति जारी रहने तक प्रवासी मजदूरों को निःशुल्क वितरण के लिए सूखा राशन उपलब्ध कराने को कहा।

न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने तीन कार्यकर्ताओं की याचिका पर कई निर्देश पारित किए जिसमें केंद्रों और राज्यों को प्रवासी मजदूरों के लिए खाद्य सुरक्षा, नकदी हस्तांतरण और अन्य कल्याणकारी उपाय सुनिश्चित करने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया गया था।

याचिका में कहा गया कि प्रवासी मजदूर कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में कर्फ्यू और लॉकडाउन लगाए जाने के कारण संकट का सामना कर रहे हैं। पीठ ने केंद्र को 31 जुलाई तक असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के पंजीकरण के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) की मदद से एक पोर्टल विकसित करने को कहा ताकि कल्याण योजनाओं का लाभ उन्हें दिया जा सके। इसने राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों को संबंधित राज्यों में वैश्विक महामारी की स्थिति जारी रहने तक प्रवासी मजदूरों के लिए सामुदायिक रसोईघरों का संचालन करने का भी निर्देश दिया। पीठ ने महामारी की स्थिति बनी रहने तक प्रवासी मजदूरों के बीच मुफ्त वितरित करने के लिए केंद्र को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अनाज आवंटित करते रहने को कहा। कार्यकर्ता अंजली भारद्वाज, हर्ष मंदर और जगदीप छोकर ने प्रवासी मजदूरों के लिए कल्याणकारी उपायों को लागू करने के अनुरोध के साथ एक याचिका दायर की थी।

मुंबई के 50 प्रतिशत बच्चों में मौजूद है कोरोना एंटीबॉडीज

एजेंसी

नईदिल्ली। कोरोना वायरस की संभावित तीसरी लहर को लेकर देशभर के माता-पिता काफी डरे हुए हैं। दरअसल, कई विशेषज्ञों ने आशंका जताई है कि अगली लहर में बड़ी संख्या में बच्चे कोरोना वायरस से प्रभावित हो सकते हैं सीरो सर्वे में सामने आया है कि मुम्बई के रहने वाले 50 फीसदी से अधिक बच्चों में एंटीबॉडी मौजूद हैं। मुम्बई के बच्चों पर किया गया यह सीरो सर्वे बी.वाई.एल. नायर अस्पताल और कस्तूरबा मॉलीक्यूलर डायग्नॉस्टिक लैब ने किया।

चारधाम यात्रा को लेकर उत्तराखंड सरकार का यू- टर्न, 1 जुलाई से शुरू होने वाली

एजेंसी

नईदिल्ली। उत्तराखंड सरकार ने अपने फैसले पर यू-टर्न लेते हुए आगामी एक जुलाई से प्रस्तावित चारधाम यात्रा को अगले आदेशों तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। इसे लेकर संशोधित एसओपी भी जारी की गई है। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने स्थानीय निवासियों के लिए चारधाम यात्रा शुरू करने के राज्य मंत्रिमंडल के फैसले को पलटते हुए इसपर रोक लगा दी थी। कोविड-19 के बीच यात्रा के दौरान पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए राज्य सरकार की व्यवस्थाओं पर असंतोष जाहिर करते हुए मुख्य न्यायाधीश आरएस चौहान और न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की खंडपीठ ने राज्य मंत्रिमंडल के उस फैसले पर रोक लगा दी जिसमें चमोली, रुद्रप्रयाग और उत्तरकाशी जिलों के निवासियों को एक जुलाई से हिमालयी धामों के दर्शन की अनुमति दी गई थी। मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत की अध्यक्षता में 25 जून को हुई प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में एक जुलाई से उन जिलों के निवासियों को मंदिरों के दर्शन की अनुमति देने का निर्णय लिया गया था जहां वे स्थित हैं। चमोली जिले के निवासियों को बदरीनाथ, रुद्रप्रयाग जिले के निवासियों को केदारनाथ तथा उत्तरकाशी जिले के निवासियों को गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिर के दर्शन की अनुमति दी गई थी । उच्च न्यायालय ने महामारी के बीच यात्रा संचालन में जोखिम से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई के दौरान यह रोक लगाई। यात्रा के लिए राज्य सरकार द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को खारिज करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा कि यह कुंभ मेले के दौरान जारी की गयी एसओपी की प्रतिलिपि भर है। उच्च न्यायालय ने हालांकि, तीर्थ स्थलों से जुड़ी भावनाओं को ध्यान में रखते हुए उच्च सरकार से मंदिरों में चल रहीं रस्मों और समारोहों का देशभर में सीधा प्रसारण करने की व्यवस्था करने को कहा।

बीकानेर सार समाचार

भाषाओं को नजदीक लाने का सेतु है अनुवाद : डॉ.बोराणा

बीकानेर। प्रसिद्ध कथाकार चित्रा मुद्गल का मेरी राजस्थानी भाषा को मीठी कहना ही मेरा पुरस्कार और सम्मान है। अंतरराष्ट्रीय राजस्थानी समाज की तरफ से आयोजित समकालीन राजस्थानी साहित्य पर केंद्रित 'कोरोना काल अर अनुसिरजण' ऑनलाइन कार्यक्रम में वरिष्ठ रचनाकार डॉ. मंगत बादल ने अनुवाद कर्म पर बात करते हुए कहा कि 'नाला सोपारा' उपन्यास के राजस्थानी अनुवाद को पढ़कर चित्रा जी की यह टिप्पणी मेरा उत्साह बढ़ाने वाली रही। किसी अच्छे अनुवाद के लिए अनुवाद को मूल रचना का गंभीरता से अनेक बार पाठ उसे उसके भीतर ले जाता है और अनुवाद की मनोभूमि निर्मित होती है। डॉ. बादल ने कार्यक्रम में कहा कि वे शब्दानुवाद की अपेक्षा भावानुवाद के पक्ष में है। उन्होंने कोरोना काल में प्रकाशित हुई अपनी तीन अनूदित कृतियों पर चर्चा करते हुए कहा कि अनुवाद भी मूल रचना जैसा आस्वाद दे तभी वह सफल अनुवाद होता है। जोधपुर विश्वविद्यालय के राजस्थानी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी बोराणा ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाषाओं को नजदीक लाने का सेतु है अनुवाद। उन्होंने राजस्थानी में अनुसिरण के अंतर्गत हुए कार्य पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि अनुवाद से अनुवाद का भाषा-ज्ञान और साहित्यिक समझ समृद्ध होती है वहीं उसके सोचने-समझने का दायरा व्यापक होता जाता है। डॉ. बोराणा कहा कि राजस्थानी को विषय के रूप में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को अधिक गंभीरता से भाषा को सीखने और समझने की आवश्यकता है। कवि-कहानीकार श्री राजेंद्र जोशी ने कहा कि अनुवाद में रचना का चयन महत्त्वपूर्ण होता है। अनुवाद के माध्यम से हम देश के विभिन्न भू-भागों में होने वाले सामाजिक सांस्कृतिक परिवर्तनों की जानकारी होती है। जोशी ने कहा कि श्रेष्ठ रचनाओं के अनुवाद से पाठकों की संख्या में इजाफा होता है। अंतरराष्ट्रीय राजस्थानी समाज के संयोजक और आलोचक डॉ. नीरज दइया ने ऑनलाइन संवाद में कहा कि राजस्थानी साहित्य का भारतीय और विदेशी भाषाओं में अनुवाद होना चाहिए। राजस्थानी में खूब अनुवाद का कार्य हुआ है किंतु उसकी तुलना में राजस्थानी का भारतीय भाषाओं में अनुवाद का कार्य पार्याप्त नहीं हुआ है।

कॉमर्स में है रोजगार के विभिन्न अवसर : डॉ. श्रीमाली

बीकानेर। कॉमर्स विषय लेकर कोई कॅरिअर बनाना चाहता है तो उसके लिए वर्तमान दौर में रोजगार के लिए विभिन्न अवसर उपलब्ध है। यह बात नेशनल कॅरिअर काउंसलर डॉ. चन्द्रशेखर श्रीमाली ने श्रीगंगानगर के डी ए वी कॉलेज के द्वारा आयोजित कॅरिअर इन कॉमर्स विषयक लाइव सेशन में कही। डॉ. श्रीमाली ने वर्तमान तौर में कॉमर्स के विद्यार्थियों के लिए सरकारी व गैरसरकारी सेक्टर में जॉब आधरित कोर्सेज के साथ स्वयं के उद्योग के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओ की विस्तार से जानकारी दी। कॅरिअर काउंसलर डॉ. श्रीमाली ने कॉमर्स के विभिन्न रोजगारोन्मुख क्षेत्रों के बारे में बताते हुए कहा कि कॉमर्स में व्यापक रोजगार के अवसर है जैसे - एकाउन्टेट, कर सलाहकार, बैंक अधिकारी, लागत लेखाकार, चार्टर्ड एकाउन्टेट, कंपनी सचिव, अधिवक्ता आदि। लाइव सत्र के उपरान्त महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. मीनू पूनिया ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि वैष्विक स्तर पर बढ़ती हुई कॉमर्स की गतिविधियों के सन्दर्भ में डॉ. श्रीमाली का लाइव सत्र अत्यन्त महत्वपूर्ण रहा । अन्त में महाविद्यालय की ओर से डॉ. जसप्रीत सिंह व श्रीमती अंजली सिंह द्वारा डॉ. श्रीमाली को सादर स्मृति चिन्ह देते हुए उनके सारगर्भित व्याख्यान हेतु आभार एवं धन्यवाद किया । लाइव सत्र का सफलापूर्वक संचालन डॉ. शिल्पा चैधरी ने किया ।

बीकानेर में ग्रीन बीकाणा महा अभियान का शुभारंभ

बीकानेर। वंदे मातरम टीम द्वारा कल ग्रीनबीकाणा महा अभियान का शुभारंभ गणेश धोरे के अधिष्ठाता पंडित शिव भगवान शर्मा सारस्वत द्वारा पिंपल का वृक्ष लगाकर किया गया। मंच के संस्थापक विजय कोचर ने बताया की वंदे मातरम टीम द्वारा कल घोरो की धरती पर नीम पिंपल खेजड़ी के वृक्ष लगाए तथा पूर्व में लगाए गए पौधों को पानी का सिंचन भी किया। वंदे मातरम टीम के जिला संयोजक मुकेश जोशी ने बताया कि कल वंदे मातरम गीत के रचयिता बंकिमचंद्र चटर्जी जैन आचार्य तुलसी तथा रामसुखदास जी महाराज और शिवबाडी के अधिष्ठाता सोम गिरी जी महाराज की स्मृति में पौधे अलग-अलग ग्रुप में कार्यकर्ताओ द्वारा लगाए गए। इस अवसर पर शिव कुमार दाधीच द्वारा पर्यावरण और देशभक्ति पर काव्य पाठ भी किया गया। कोलकाता से बीकानेर पधारे वंदे मातरम टीम से जुड़े साहित्यकार महेंद्र जोशी को ग्रीन बीकानेर गौरव के रूप में सम्मानित किया गया।

डॉ. गुप्ता, तापड़िया रोटरी के वर्चुअल प्रान्तीय अधिवेशन में सम्मानित

बीकानेर। रोटरी प्रान्त 3053 के प्रान्तपाल रोटेरियन हरीश गौड़ द्वारा वर्चुअल प्रांतीय अधिवेशन आयोजित किया गया। अधिवेशन में कई राष्ट्रीय एवँ अंतरराष्ट्रीय वक्तताओं ने भाग लिया। रोटरी लब के इतिहास में प्रथम बार किसी वर्चुअल अधिवेशन का आयोजन किया गया था। रोटरी के दृष्टिकोण से यह अधिवेशन बहुत ही महत्वपूर्ण था। साथ ही रोटरी सत्र 2019-20 में किये गए समाज सेवा के कार्यों हेतु लब एवं विभिन्न स्थानों के लब अधिकारियों को श्रेष्ठ कार्यों हेतु भी समानित किया गया। इसी कड़ी में बीकानेर लब को भी विभिन्न पुरुस्कारों से समानित किया गया। प्रान्त में श्रेष्ठ सेवा कार्यों हेतु द्वितीय पुरस्कार, प्रान्त में सर्वाधिक मोतियाबिंद की चिकित्सा हेतु समानित, सामान्य चिकित्सा कार्यों हेतु पुरस्कृत, प्रान्त में सर्वाधिक रोटरी अंतरराष्ट्रीय फाउंडेशन में सहयोग हेतु द्वितीय पुरस्कार, कोरोना काल में जन सहयोग हेतु समानित, डिस्ट्रिट गवर्नर साइटेशन, रोटरी अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष साइटेशन, बेस्ट अध्यक्ष विकास केली एवं सचिव हरीश कोठारी अवार्ड, सहायक प्रान्तपाल मनीष तापड़िया को समानित, प्रान्त में बेहतरीन लब के रूप में तृतीय पुरस्कार, रोटरी का सर्वोच्च पुरस्कार सर्विस अबव सेल्फ पुरस्कार से पूर्व प्रान्तपाल रोटेरियन अरुण प्रकाश गुप्ता को समानित किया गया। इसके अलावा बेस्ट साप्ताहिक बुलेटिन अवार्ड एवं अन्य कई पुरस्कारों से लब एवँ लब के विभिन्न पदाधिकारीयों को भी समानित किया गया।

डॉ. आचार्य प्रदेश महासचिव नियुक्त

बीकानेर। महाविप्र फाऊंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित विनय शर्मा ने बीकानेर के समाजसेवी डॉ. विजय आचार्य को प्रदेश महासचिव पद पर नियुक्ति की है। आचार्य ने कहा कि महाविप्र फाउंडेशन के माध्यम से ब्राह्मणों ओर अन्य समाज के लोगों का सर्वांगीण विकास और उनकी सामाजिक, व्यक्तिगत समस्याओं के लिए अपनी ऊर्जा का सदुपयोग करने का प्रयास किया जाएगा साथ ही समाज के पिछड़े वर्ग को राष्ट्र की मुयधारा से जोड़ने का सामाजिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत प्रयास किया जाएगा।

संध्या बिना, जीवन अपूर्ण : विमर्शानंदजी

बीकानेर। सनातन धर्म साधना पीठ द्वारा नत्थूसर बास स्थित मोहन गुरु आश्रम में चल रहे 14 दिवसीय निःशुल्क संध्या प्रशिक्षण शिविर का सोमवार को समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुय अतिथी शिवबाड़ी मठ के नवनियुक्त अधिष्ठाता विमर्शानंद महाराज ने कहा कि संध्या द्विज मात्र के लिए आवश्यक कर्म है जो भूलकर भी हमें नही छोड़ना चाहिये। शिविर प्रशिक्षक पं. भाईश्री ने कहा कि संध्या बिना ब्राह्मणों का जीवन अपूर्ण है।

स्वात्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक मोहन शर्मा के लिए बी. के. प्रिंटिंग प्रेस, पुरानी बीएसटीसी कॉलेज के सामने, पुगल रोड से मुद्रित एवं वैद्य मघाराम कॉलोनी, जस्सूसर गेट के बाहर, बीकानेर से प्रकाशित